रांची, गुरुवार
27.08.2026
वर्ष : 11, अंक : 265, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

नेपाल में जलप्रलयः बाढ़ से भारी तबाही, 157 लोगों की मौत, 133 भारतीयों समेत 500 से ज्यादा लापता

एजेंसी

काठमांडूः पड़ोसी देश नेपाल एक बार फिर भीषण प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहा है। तिब्बत की ओर से भोटेकोशी नदी में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ ने नेपाल के कई जिलों में भारी तबाही मचाई है। इस जलप्रलय में अब तक 157 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 500 से अधिक लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों में 133 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, जिससे भारत में भी चिंता की लहर दौड़ गई है। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, चितवन और गोरखा जिलों में देखने को मिला है, जहां पानी के तेज बहाव ने अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तहस-नहस कर दिया है।

नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। लापता 133 भारतीयों में बड़ी संख्या उन तीर्थयात्रियों की है जो कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे थे। इसके अलावा कई विदेशी पर्यटक और स्थानीय नागरिक भी लापता हैं। जलप्रलय की चपेट में आकर नेपाल के विभिन्न इलाकों में तैनात करीब 80 सुरक्षाकर्मी और पनबिजली परियोजनाओं में काम करने वाले कई कर्मचारी भी संपर्क से बाहर हो गए हैं। अचानक आई इस बाढ़ का कारण फिलहाल पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि तिब्बत क्षेत्र में आए भूकंप, भारी हिमस्खलन या किसी ग्लेशियर झील के फटने की वजह से नदी के जलस्तर में यह विकराल वृद्धि हुई है।

इस भयंकर तबाही ने नेपाल के बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। रसुवागढ़ी बॉर्डर के पास बाढ़ ने कई घरों, लगभग 19 मोटरेबल पुलों और सड़कों को पूरी तरह से बहा दिया है। इसके चलते नेपाल की एक दर्जन से अधिक पनबिजली परियोजनाओं (हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स) का काम ठप हो गया है और कई प्रोजेक्ट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और स्थानीय पुलिस ने बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया है। सेना ने प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए 15 से अधिक हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं, हालांकि खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस संकट की घड़ी में भारत ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों और अन्य प्रभावित लोगों के बचाव के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और नेपाल सरकार के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है। किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए भारतीय नागरिक +977 9851316807 और +977 9709107500 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही, गंडक नदी के उफान पर होने के कारण भारत के बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

नेपाल के भोटेकोशी की बाढ़ में 40 किमी सड़क और 22 पुल बहे

काठमांडू। रसुवा की भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ ने रसुवागढ़ी से लेकर धादिङ के गल्छी तक बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। इस इलाके में 40 किमी की पक्की सड़क बाढ़ की चपेट में आ गई है। इसी तरह बाढ़ में 22 पक्के पुल और पांच बेलीब्रिज बह गए हैं। सड़क विभाग के प्रवक्ता एवं उपमहानिदेशक शुभराज न्यौपाने के अनुसार, रसुवा, नुवाकोट और धादिङ के विभिन्न क्षेत्रों में 22 पक्के पुल तथा पांच बेलीब्रिज बाढ़ में बह गए हैं। उन्होंने बताया कि त्रिशूली, बेत्रावती, तादी खोला और गल्छी समेत विभिन्न स्थानों पर बने पक्के पुल बाढ़ की चपेट में आए हैं। बाढ़ से नुवाकोट के बेत्रावती से रसुवागढ़ी सीमा नाके को जोड़ने वाली सड़क को भी भारी नुकसान पहुंचा है। न्यौपाने के अनुसार, बेत्रावती से रसुवागढ़ी नाके तक करीब 40 किलोमीटर सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने की प्रारंभिक जानकारी मिली है। इस मार्ग के विभिन्न स्थानों पर स्थित पक्के पुल भी बाढ़ में बह गए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रारंभिक क्षति का विवरण है और नुकसान का विस्तृत आकलन किया जा रहा है।

नेपाल में भीषण आपदा पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का संदेश- यह समय बेहद संवेदनशील

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने रसुवा की भोटेकोशी नदी में बुधवार सुबह आई भीषण बाढ़ से हुई भारी जन-धन की क्षति पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाढ़ में अब तक 50 से अधिक लोगों की मौत की दुखद खबर मिली है। उन्होंने मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि बाढ़ की खबर मिलते ही सरकार ने बिना देर किए अपने सभी उपलब्ध संसाधनों और तंत्रों को बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान में लगा दिया। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण की आपात बैठक के बाद राष्ट्रीय परिषद और मंत्रिपरिषद की बैठक भी हुई, जिसमें बचाव, खोज और राहत कार्यों को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

नेपाल में अचानक आई बाढ़ से तबाही पर राष्ट्रपति मुर्मु और उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने जताया दुख

नई दिल्ली। नेपाल में अचानक आई बाढ़ से हुई भारी तबाही और जनहानि पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को गहरा दुख व्यक्त किया है। दोनों नेताओं ने इस कठिन समय में नेपाल के लोगों के प्रति एकजुटता जताते हुए प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और नेपाल की जनता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत इस कठिन समय में नेपाल के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। भारत नेपाल सरकार के राहत और बचाव प्रयासों में प्रभावित लोगों की मदद के लिए हरसंभव सहयोग देने को तैयार है। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भी नेपाल में अचानक आई बाढ़ से हुई जनहानि और तबाही पर गहरा दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने लापता लोगों के सुरक्षित और शीघ्र बचाव के लिए भी प्रार्थना की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस कठिन घड़ी में भारत के लोगों की संवेदनाएं नेपाल की जनता के साथ हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से की बात, बाढ़ में जनहानि पर जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से फोन पर बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस मुश्किल समय में नेपाल के लोगों के साथ भारत की एकजुटता व्यक्त करते हुए हर संभव मानवीय और राहत सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात कर नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत की जनता नेपाल के अपने भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि बचाव और राहत कार्यों के लिए भारतीय दल नेपाल के संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में गहरी खाई में गिरी वैन, 6 लोगों की मौत

राजौरी। पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के शिंदरा इलाके में बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक ईको वाहन पुंछ से शिंदरा की ओर जा रहा था। शिंदरा क्षेत्र में पहुंचने के दौरान वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गया और गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रशासन और संबंधित विभागों को सूचना दिए जाने के बाद बचाव दल भी मौके पर पहुंचे। खाई में गिरे वाहन से घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। हादसे के कारण क्षेत्र में काफी देर तक मातम का माहौल बना रहा। जिला प्रशासन के अनुसार, वाहन पुंछ से शिंदरा की ओर जा रहा था। इसी दौरान शिंदरा क्षेत्र में चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ईको सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। तीन अन्य लोग घायल हुए, जिन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई गई। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान 30 वर्षीय जुल्फत बी पत्नी मुहम्मद अमीन, 19 वर्षीय मसरत नाज, पत्नी अजकर अहमद, 20 वर्षीय मुहम्मद फरीद पुत्र मुहम्मद राशिद, 32 वर्षीय मुहम्मद शफीक पुत्र मुहम्मद शफी, 32 वर्षीय नजाकत हुसैन पुत्र मुहम्मद शरीफ और 23 वर्षीय जहूर अहमद, पुत्र शमस दीन के रूप में हुई है। सभी मृतक पुंछ जिले के सेरी चोहाना गांव के रहने वाले बताए गए हैं।

ईद मिलाद-उन-नबी पर रांची में धूमधाम से निकला जुलूस

बिभा संवाददाता

रांची। ईद मिलाद-उन-नबी पर बुधवार को धूमधाम से रांची में जुलूस निकाला गया। एदार ए शरीया झारखंड की देखरेख में, सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी की ओर से और उलेमा के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया।

हिंदपीढ़ी, नाला रोड, खेत मोहल्ला, गोवाला टोली, गोदरी कुरैशी मोहल्ला, आजाद बस्ती, थड़पकना, मोरहाबादी, कांटा टोली, मौलाना आजाद कॉलोनी, गौस नगर, इलाही बख्श कॉलोनी, नेवरी सीरत नगर, बरियातू, भिट्ठा, कांके, बारूह, आजाद हिंद नगर, डोरंडा, रहमत कॉलोनी, मनी टोला, गौस नगर, दर्जी मोहल्ला, फिरदौस नगर सहित अन्य जगहों से जुलूस अपने-अपने तय रास्ते से होते हुए सुबह 11 बजे कर्बला चौक पहुंचे, जहां से मौलाना मुहम्मद कुतुबुद्दीन रिजवी, मौलाना डॉ ताजुद्दीन रिजवी, मौलाना मसूद फरीदी, कारी अयूब रिजवी, मुफ्ती आकिब जावेद, अकीलुर रहमान, मो इसलाम, मो आफताब, परवेज ने संयुक्त रूप से जुलूस का नेतृत्व किया। जुलूस विक्रांत चौक, टैक्सी स्टैंड, डेली मार्केट, उर्दू लाइब्रेरी, अंजुमन इस्लामिया होते हुए एकरा मस्जिद के पास रतन टॉकीज में सभा स्थल में तब्दील हो गया, जहां पर सभा जलसा को सम्बोधित करते हुवे एदार ए शरीया झारखंड के नाजिमे आला ने कहा कि मिलादे मुस्तफा मनाना और यौमे विलादत हजरत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि और सल्लम का जन्म दिवस ईद मीला दुन्नबी के मौके से बड़ी धूमधाम से जुलूसे मुहम्मदी निकालना बरकत का जरिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लोगों के लिए अल्लाह तआला की तरफ से सबसे बड़ी बरकत व नेमत यह है कि अल्लाह ने हजरत मुहम्मद मुस्तफा को इस दुनिया में भेजा। जिसके बारे में रब ने कहा कि नेमत और फजल के मिलने पर जश्न मनाओ, आज हमें पैगंबर की शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

सभा को संबोधित करते हुए मौलाना डॉ ताजुद्दीन ने कहा कि पैगंबर के आगमन के दिन को बड़े सम्मान के साथ मनाना सभी सहाबा की सुन्नत है और पैगंबर ने खुद अपनी मीलाद मनाई थी। हर साल खुब धुम धाम से जश्ने ईद मीलादुन्नबी मनाना इसलाम और मानवता का हिस्सा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि हजरत मुहम्मद सबके लिए हैं। हमें उनका आदर और सम्मान करना चाहिए। शमशेर आलम वाइस चेयरमैन अल्पसंख्यक आयोग ने कहा कि पैगंबर का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। सेक्रेटरी अकील रहमान, मुहम्मद इस्लाम, महबूब हुसैन रिजवी, मेहताब आलम, परवेज अख्तर, जमील गद्दी, भारतीय एकता कमेटी के युवाओं और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी जुलूस में व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। जय सिंह यादव, सागर कुमार, मौलाना तहजीब-उल-हसन रिजवी और अन्य प्रमुख हस्तियों ने भी भाग लिया।

सभा की समाप्ति के बाद जुलुस रतन टॉकीज मेन रोड, जीईएल चर्च, रोसपा टावर, सुजाता चौक, ओवर ब्रिज, राजेंद्र चौक, पुराना झारखंड उच्च न्यायालय होते हुए रिसालदार उर्स मैदान पहुंचा, जहां अंतिम सभा जलसा में बदल गया।

जुलूस के दौरान रांची जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अतिरिक्त पुलिस बल और दंडाधिकारी की तैनाती की गई थी।

प्रधानमंत्री आज खेलो इंडिया डायलॉग में युवाओं को करेंगे संबोधित, पांच विषयों पर होगा राष्ट्रीय संवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरूवार सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खेलो इंडिया डायलॉग में युवाओं को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में देशभर के युवाओं की भागीदारी होगी और इसमें खेल, युवा नेतृत्व, नागरिक जिम्मेदारी, वॉलंटियरिंग, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण को एक साझा मंच पर लाया जाएगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि यह आयोजन मेरा युवा भारत (एमवाई भारत) द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर किया जा रहा है। देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रत्येक जिले के दो कॉलेजों से युवा इसमें भाग लेंगे। प्रधानमंत्री का यह संवाद फिट, अनुशासित और खेल भावना से युक्त राष्ट्र निर्माण की उनकी दृष्टि के अनुरूप है, जिसमें युवाओं की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय विकास एजेंडा के केंद्र में रखा गया है।

खेलो इंडिया डायलॉग के बाद स्थानीय स्तर पर युवाओं, स्वयंसेवकों, खिलाड़ियों और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद होगा। इसमें युवाओं को प्रमुख भारतीय खिलाड़ियों और पदक विजेताओं से सीधे बातचीत का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण युवा संवाद होगा, जिसमें प्रतिभागी अपने विचार और आकांक्षाएं साझा करेंगे।

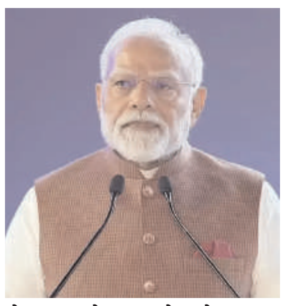

यह संवाद पांच प्रमुख विषयों खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर सुविधाओं और कोचिंग से मजबूत करना, 2036 ओलंपिक के लिए प्रतिभा पहचान और दीर्घकालिक एथलीट विकास, शासन मंचों और वॉलंटियरिंग से युवा नेतृत्व तैयार करना, नागरिक जिम्मेदारी और भविष्य के कौशल से विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना तथा खेल और साथियों के नेटवर्क से नशा मुक्त युवा आंदोलन को मजबूत करने पर केंद्रित रहेगा।

रक्षाबंधन से पहले रांची जिला की लाभुकों को सरकार ने भेजी मंईयां सम्मान योजना की राशि

बिभा संवाददाता

रांची, 26 अगस्त (हि.स.)। रक्षाबंधन से पहले झारखंड सरकार की ओर से बहनों को उपहार दिया है। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत रांची जिले की 03 लाख 95 हजार 692 लाभुकों के बैंक खातों में माह अगस्त 2026 की सम्मान राशि (2,500 प्रत्येक लाभुक) का आधार बेस्ड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सफलतापूर्वक भुगतान कर दिया गया है। योजना के तहत लाभुकों के खातों में कुल 98 करोड़ 92 लाख 30 हजार की राशि हस्तांतरित की गई है।

रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। रांची जिले में योजना का लाभ पात्र लाभुकों तक पारदर्शी, सुगम और समयबद्ध तरीके से पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि किसी भी पात्र महिला को योजना के लाभ से वंचित न रहना पड़े। लाभुकों के भुगतान की प्रक्रिया की नियमित समीक्षा की जा रही है और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। यह योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम है।

प्रखंड व शहरी क्षेत्रवार लाभुकों की संख्या

अनगड़ा - 16,796, अरगोड़ा शहरी क्षेत्र -13,406, बेड़ो - 20,620, बुंडू - 8,591, बुंडू नगर पंचायत - 3,566, बुढ़मू - 17,841, चान्हो - 19,374, हेहल शहरी क्षेत्र - 16,376, कांके - 31,620, कांके शहरी क्षेत्र - 1,290, खलारी - 9,632, लापुंग - 11,866, मांडर - 23,008, नगड़ी - 18,345, नगड़ी शहरी क्षेत्र - 8,244, नामकुम - 18,071, नामकुम शहरी क्षेत्र - 9,571, ओरमांझी - 17,898, राहे - 9,551, रातू - 20,427, सिल्ली - 21,335, सोनाहातू - 13,114, तमाड़ - 18,832, टाउन अर्बन - 26,042, इटकी - 10152, बड़गाई शहरी क्षेत्र - 10124.

मानसून में बढ़े एच1एन1 के मामले, आईएमए ने कहा- घबराने की जरूरत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून के दौरान देश में स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है लेकिन यह भी कहा है कि घबराने की आवश्यकता नहीं है।

बुधवार को जारी परामर्श में आईएमए ने कहा कि एच1एन1 के अधिकांश संक्रमण हल्के होते हैं और कुछ समय में अपने आप ठीक हो जाते हैं। हालांकि, संक्रमण के लक्षणों पर नजर रखना जरूरी है।

आईएमए की एडवाइजरी के अनुसार एच1एन1 में आमतौर पर अचानक तेज बुखार, ठंड लगना, लगातार सूखी खांसी, गले में खराश, मांसपेशियों में तेज दर्द, थकान, सिरदर्द और नाक बहने या बंद होने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। बच्चों में इसके साथ मतली, उल्टी या दस्त की समस्या भी अपेक्षाकृत अधिक देखी जा सकती है।

आईएमए ने लोगों को बिना डॉक्टर की सलाह एंटीबायोटिक लेने से बचने की सलाह दी है। डॉक्टरों के मुताबिक एच1 एन 1 वायरल संक्रमण है, इसलिए एंटीबायोटिक्स वायरस को खत्म नहीं करतीं।

सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, होंठ नीले पड़ना, खून वाली खांसी, अत्यधिक सुस्ती या लगातार उल्टी जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तुरंत अस्पताल पहुंचने की सलाह दी गई है।

आईएमए ने लोगों से आवश्यक सावधानी बरतने और लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है। इसके साथ आईएमए ने लोगों से अपील की है कि वे हाथों की सफाई रखें, खांसते-छींकते समय मुंह ढकें, भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें और बीमार होने पर घर पर रहें।

इस बीच दिल्ली सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मौजूदा समय में राजधानी में 2308 मामले सामने आए हैं। वहीं, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार, फिलहाल सामने आए वायरस मौसमी स्वाइन फ्लू है और इसमें किसी नए खतरनाक म्यूटेशन की पुष्टि नहीं हुई है। विशेषज्ञों ने लोगों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील की है।

लैम्प्स में किसानों को सरकारी दर पर मिलेगा यूरिया : संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका लैम्प्स परिसर में किसानों के बीच यूरिया खाद वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन पोटका विधायक संजीव सरदार ने किया। विधायक ने किसानों के बीच यूरिया खाद वितरित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। पोटका लैम्प्स के माध्यम से प्रखंड के किसानों को सरकारी निर्धारित दर 366 रुपये प्रति बोरी की दर से यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि खेती के महत्वपूर्ण मौसम में किसानों को खाद की उपलब्धता को लेकर किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। किसानों की आवश्यकता के अनुसार समय पर यूरिया एवं अन्य कृषि सामग्री उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी जरूरत के समय उचित दर पर खाद उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। विधायक ने संबंधित अधिकारियों एवं लैम्प्स प्रबंधन को निर्देश दिया कि किसानों को निर्धारित सरकारी दर पर ही यूरिया उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारु रखा जाए, ताकि किसी किसान को अनावश्यक परेशानी न हो।

यूरिया वितरण शुरू होने से क्षेत्र के किसानों में राहत का माहौल है। किसानों ने कहा कि खेती के मौसम में समय पर खाद उपलब्ध होना बेहद जरूरी है। लैम्प्स के माध्यम से सरकारी दर पर यूरिया मिलने से उन्हें बाजार की ऊंची कीमतों से राहत मिलेगी।

कार्यक्रम में समाजसेवी आनंद दास, लैम्प्स अध्यक्ष पंचानन सरदार, सचिव उत्तम कुमार साहू, एकलव्य मदीना, संदीप कुमार पटबन्धा, बबलू मदीना, ग्रामप्रधान निपेन मंडल, पंचानन मंडल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वीरेंद्र प्रधान बने लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जनार्दन को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी

रांची। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं प्रदेश अध्यक्ष के रूप में विधायक जनार्दन पासवान को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गई है। दोनों नेताओं को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सहमति से नई जिम्मेवारी दी गई है। यह जानकारी पार्टी नेता रांची जिलाध्यक्ष दिनेश सोनी ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। दिनेश सोनी ने उम्मीद जताया है कि जनार्दन पासवान के नेतृत्व में झारखंड में पार्टी का संगठन और अधिक मजबूत होगा और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और पार्टी की गतिविधियों को विस्तार देने में नए प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

किताडीह में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शामिल हुए संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका विधानसभा क्षेत्र के जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत किताडीह में बादशाह ग्रुप की ओर से मोहब्बत, रहमत, शफकत और इंसाफ का संदेश देने वाले हजरत मुहम्मद की पैदाइश-ए-मुबारक के अवसर पर लंगर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पोटका विधायक संजीव सरदार बतौर अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि हजरत मुहम्मद साहब का पूरा जीवन इंसानियत, मोहब्बत, रहमत, शफकत और इंसाफ का संदेश देता है। उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का काम करते हैं।

विधायक ने आयोजन के लिए बादशाह ग्रुप के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किताडीह और जमशेदपुर की पहचान हमेशा से आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की रही है। सभी धर्म और समुदाय के लोगों को मिल-जुलकर समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए आगे आना चाहिए

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। लंगर में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान आपसी भाईचारे और सौहार्द का माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर यादव, समाजसेवी राजकुमार सिंह, झामुमो नेता शेरू खान, निजाम खान सहित कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट भवन और सदर अस्पताल में रोक, बाबूलाल बोले- पत्रकारों से क्यों डर रही सरकार

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर पत्रकारों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को लिखा है कि राज्य में एक के बाद एक सरकारी संस्थानों में पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाई जा रही है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सबसे पहले रिम्स में पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाई गई। इसके बाद प्रोजेक्ट भवन में पत्रकारों के प्रवेश पर रोक लगी। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम को सील कर पत्रकारों की पहुंच भी रोक दी गई। अब सदर अस्पताल में भी पत्रकारों की एंट्री पर प्रतिबंध लगाए जाने की खबर है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि अब थाना और दूसरे सरकारी दफ्तरों में पत्रकारों की एंट्री की बारी है। मरांडी ने तंज कसते हुए कहा कि कैमरे की मौजूदगी में कई काम करने में दिक्कत होती है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सरकार को समझना चाहिए कि पत्रकार सरकार के मेहमान नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रहरी हैं। पत्रकारों की एंट्री रोकने से सवाल नहीं रुकेंगे और कैमरे बंद करने से सच्चाई नहीं छिपेगी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार इसी तरह पत्रकारों की आवाज और पहुंच रोकना चाहती है, तो राज्य के सभी छोटे-बड़े पत्रकारों को एक साथ राज्य से बाहर करने का आदेश जारी कर देना चाहिए। फिर न पत्रकार रहेंगे, न सवाल होंगे और न कैमरे होंगे। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार की इस नीति को लोकतंत्र और पत्रकारिता की स्वतंत्रता के लिए चिंता का विषय बताया है।

संक्षिप्त खबरें

माकपा सह किसान नेता सुचांद महतो की 6वीं पुण्यतिथि, प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सिल्ली(बिभा) : झारखंड राज्य किसान सभा एवं माकपा के तत्वावधान में किसान नेता सुचांद महतो का 6 वीं स्मृति दिवस रघुनाथपुर में सम्मान पूर्वक मनाया गया। कामरेड सुचांद महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य सह झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने सुचांद महतो के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा सुचांद महतो अंधविश्वास,डायन प्रथा, शोषण,जुल्म, अन्याय,अत्याचार के खिलाफ किसान,मजदूर, छात्र - युवाओं के संघर्ष के अथक योद्धा थे। दिल्ली किसान आन्दोलन के दौरान सरायकेला-खरसावां जिले में किसान आन्दोलन का बढ़-चढ़ कर नेतृत्व किया था, उनके द्वारा चांडिल विस्थापन,तिरूलडीह गोलीकांड,जबरन जमीन अधिग्रहण जैसे छोटे बड़े दर्जनों आन्दोलन को सदैव याद रखा जाएगा। माकपा के मनींद्र गोप ने कहा सुचांद महतो लोकतंत्र,संविधान व सम्प्रदायिक सद्भाव के पक्के हिमायती थे। इसके अलावे सुरेन्द्र नाथ महतो, हरे कृष्ण महतो,शिवप्रसाद पाण्डेय,कमल पारित,सतयरंजन कोटका,तारापदो रवानी, किसान नेता निलकंठ सिंह मुंडा, यमुना देवी, प्रबोध महतो, शक्ति पदों मंडल, उमापदो महतो,रामाशंकर गोराई, निशिकांत महतो,परशुराम सिंह मुंडा,गुणाधर कैवरत,राजेश महतो, चिंता मनी महतो, बैधनाथ महतो, महेन्द्र महतो, कृष्ण दास महतो,अनिल माहली,भासंती महतो,लक्ष्मी महतो, सरस्वती महतो,निशा महतो आदि उपस्थित थे।

आस्था के साथ ही पर्यटन के दृष्टिकोण से भी कमड़े आश्रम का विकास जरूरी : सेठ

रांची(बिभा)। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा है कि न केवल श्रद्धा और आस्था बल्कि पर्यटन की दृष्टिकोण से भी कमड़े बाबा आश्रम का विकास बहुत अधिक आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे दिव्य स्थान पर कमड़े बाबा से जुड़ी हुई सभी यादें, उनके ऊपर जमा दृढ़ विश्वास और उनकी आध्यात्मिक शक्ति न केवल आस्थावान श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करती है बल्कि इसके कारण जीवन में नई दृष्टि भी मिलती है। कमड़े बाबा आश्रम की चहारदीवारी के शिलान्यास समारोह में पूजन के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सेठ ने कहा कि केंद्र सरकार के पास कोष की किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं है और न सिर्फ रांची बल्कि झारखंड के सभी आध्यात्मिक आस्था के केन्द्र और पर्यटन केन्द्रों का विकास एवं उन्नयन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लेकिन यह बात अफसोस की बात है कि राज्य सरकार की ओर से केंद्र के पास समय पर ऐसा कोई प्रस्ताव ही नहीं भेजा जाता है। इसका नतीजा आधिकारिक रूप से केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय से न तो वैसी योजनाओं की स्वीकृति मिल पाती है और न ही उसके लिए राशि ही प्राप्त हो पाती है। इस मामले में उन्होंने टैगोर हिल के विकास का संदर्भ देते हुए कहा कि तब चार साल पहले राज्य की तत्कालीन पर्यटन सचिव से उन्होंने स्वयं बारंबार अनुरोध किया, लेकिन कोई प्रभाव नहीं हुआ और अंततः किसी दूसरे मद से राशि प्राप्त कर टैगोर झील का अपेक्षित विकास हुआ। सेठ ने कमड़े बाबा आश्रम ट्रस्ट के साथ ही प्रमुख सदस्य मनोज प्रसाद से अनुरोध किया कि वे इस संदर्भ में विस्तृत योजना तैयार करने की जिम्मेदारी निजी स्तर पर लें और उसे कार्य रूप में परिणत करने और अपेक्षित योगदान देने में उन्हें खुशी होगी। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह ने कहा कि वे बरसों से इस आश्रम के विविध समारोहों में शामिल होते रहे हैं और आज इस बात की हार्दिक खुशी है कि इस आश्रम के विकास के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहा हैं। रांची की मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक स्थल न सिर्फ रांची या झारखंड बल्कि देश की भी पहचान है। अपने वक्तव्य में कमड़े बाबा आश्रम ट्रस्ट से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार मनोज प्रसाद ने कहा कि आश्रम के विकास के मार्ग में अनेक बाधाएं आईं लेकिन बाबा के आशीर्वाद से वह सभी दूर हो गई। कार्यक्रम में कमड़े बाबा आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, सचिव बिपिन नाथ, सदस्य बसंत जालान, राजेश कुमार, अमित रंजन प्रसाद, मनोज प्रसाद, पवन कुमार भट्ट, सुग्रीव सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

बेड़ो क्षेत्र में अकीदत के साथ मनाई गई ईद मिलादुन्नबी

जुलूस-ए-मोहम्मदी में उमड़ा आस्था का सैलाब, उलमा ने पैगंबर-ए-इस्लाम की सीरत और शिक्षाओं का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

बेड़ो। ईद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर बुधवार को बेड़ो प्रखंड क्षेत्र के दिघिया, महरो घाघरा, नरकोपी, बिल्टी, भोगला टोली और मसयातू सहित विभिन्न इलाकों में अकीदत और उत्साह के साथ जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी मनाया गया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल होकर पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद मुस्तफा की पैदाइश के दिन की खुशी मनाई।

सुबह से ही लोग काफिलों के रूप में मस्जिदों में पहुंचने लगे। इसके बाद अकीदतमंदों की मौजूदगी में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के जुलूस का आगाज हुआ। जुलूस में सैकड़ों की संख्या में लोग हाथों में परचम लेकर शामिल हुए। रास्ते भर नातिया कलाम पढ़े गए और पैगंबर-ए-इस्लाम की शान में नारे लगाए गए। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत करते हुए फूल बरसाए और मिठाइयां बांटीं।

जुलूस विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए नरकोपी पहुंचकर संपन्न हुआ। यहां उलमा ने पैगंबर-ए-इस्लाम की सीरत, उनकी शिक्षाओं, इंसानियत, प्रेम, दया, भाईचारे और आपसी सौहार्द के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर उप प्रमुख सह मंत्री प्रतिनिधि मुदस्सिर हक ने कहा कि ईद मिलादुन्नबी आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश देने वाला मुबारक अवसर है। पैगंबर हजरत मुहम्मद का जीवन पूरी इंसानियत के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी शिक्षाएं हमें प्रेम, दया, विनम्रता और शांति का रास्ता दिखाती हैं। उन्होंने लोगों से पैगंबर-ए-इस्लाम की शिक्षाओं पर अमल करते हुए समाज में शांति, एकता और भाईचारा कायम रखने की अपील की। साथ ही उन्होंने जुलूस में शामिल सभी अकीदतमंदों एवं बेड़ो प्रखंडवासियों को ईद मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद दी।

सिल्ली-मुरी में हर्षोल्लास से मनाया गया जश्ने ईद मिलादुन्नबी, भव्य जुलूस में उमड़े अकीदतमंद

बिभा संवाददाता

सिल्ली/मुरी : सिल्ली एवं मुरी आसपास के क्षेत्रों में मुस्लिम समुदाय के द्वारा जश्ने ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार बड़े धूमधाम और हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया।मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पर्व को लेकर भव्य जुलूस निकाला। यह जुलूस बड़ामुरी गांव होते हुए छोटा मुरी मस्जिद पहुंचा, जहां सलातो सलाम का नजराना पेश कर क्षेत्र में शांति, अमन,चैन और आपसी भाईचारे की दुआएं कर जुलूस का समापन किया गया।जुलूस में लोग पूरे उत्साह और अकीदत के साथ आगे बढ़ते रहे।लोगों ने एक दूसरे को गले लगा कर ईद मिलादुन्नबी की बधाइयां दी।वहीं कमेटी के मोहम्मद फारूक ने बताया कि आज ही के दिन मक्का में हजरत मोहम्मद साहब का जन्म हुआ था, जिसकी खुशी में मुस्लिम समुदाय के लोग जश्न ए ईद मिलादुन्नबी के नाम पर मानते हैं।उन्होंने हमेशा अमन चैन की सीख हम लोगों के बीच दी है इसलिए इस त्यौहार को शांति दिवस के रूप में मनाया जाता है। वहीं सिल्ली में मदीना मस्जिद कमिटी सिल्ली से होते हुए ग्राम विकास स्कूल से सिल्ली थाना परिसर से वापसी होते हुए मदीना मस्जिद पहुँचे।इस मौके पर मस्जिदों को हरे रंग एवं तोरण से सजाया गया था। जुलूस में मोहम्मद यासिन,शहादत,मोहम्मद अनवर,मोहम्मद इसराइल, मोहम्मद अब्बास,मुबारक, मजीद आलम, मोहम्मद अजीम,मोहम्मद हासिम,मोहम्मद मंजूर आलम, नूर मोहम्मद,मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद सुमेद,मोहम्मद दाऊद अली,मोहम्मद इसराइल, मोहम्मद जसीम,शेख मुख्तार, अजीम अंसारी,फिरोज अंसारी,मकसूद आलम, मोहम्मद उस्मान समेत सैकड़ो लोग शामिल रहे।

रोटरैक्ट क्लब ऑफ एनएसयू के द्वारा राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

बिभा संवाददाता

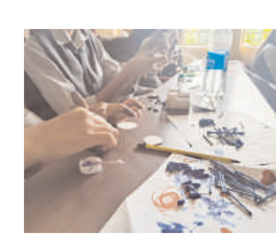

जमशेदपुर : नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल में राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्कूल के 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया और हस्तनिर्मित राखियां तैयार कर अपनी कला एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई सभी राखियों को सामाजिक सेवा के उद्देश्य से बिक्री के लिए रखा जाएगा तथा इससे प्राप्त पूरी राशि का उपयोग स्लम क्षेत्रों की बेटियों के लिए कन्या पूजन के आयोजन में किया जाएगा।

कार्यक्रम में नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी के कुलसचिव नागेंद्र सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई राखियों का अवलोकन किया तथा उनकी रचनात्मकता और सामाजिक संवेदनशीलता की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह पहल केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज के वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का संदेश भी देती है।विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई ये राखियां केवल कला का नमूना नहीं हैं, बल्कि इनमें करुणा और सामाजिक दायित्व की भावना भी निहित है। बच्चों के एक छोटे से रचनात्मक प्रयास को स्लम क्षेत्र की बेटियों के कल्याण से जोड़ना अत्यंत सराहनीय है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता और समाज सेवा की भावना का बीजारोपण करते हैं। साथ ही प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों, धागों, मोतियों, सजावटी सामग्री तथा अन्य रचनात्मक वस्तुओं का उपयोग करते हुए आकर्षक और कलात्मक राखियां तैयार कीं। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। हस्तनिर्मित राखियों के माध्यम से उन्होंने न केवल अपनी कलात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया, बल्कि त्योहार की भावना को सामाजिक सरोकार से भी जोड़ा। कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटरैक्ट क्लब के सदस्यों, फैकल्टी कोऑर्डिनेटर्स तथा नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन समिति ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव और निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में ह्यूमैनिटीज फेस्ट एपिस्टीम आयोजित

रांची। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में बुधवार को ह्यूमैनिटीज फेस्ट एपिस्टीम-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर, पार्श्व गायिका मोनिका मुंडू, कुंदन कुमार चौधरी और रेडियो-टेलीविजन कलाकार सुकुमार मुखर्जी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर परमजीत कौर ने कहा कि मनुष्यता का धर्म सर्वोपरि है। ज्ञान की सभी शाखाएं महत्वपूर्ण हैं, लेकिन मानविकी के केंद्र में मनुष्यता है। उन्होंने कहा कि ह्यूमैनिटीज विद्यार्थियों को बेहतर और चरित्रवान नागरिक बनाने के साथ उनके समग्र विकास की नींव मजबूत करता है। यह वर्तमान समय और शिक्षा व्यवस्था की भी महत्वपूर्ण जरूरत है। टैगलाइन पर आधारित एपिस्टीम-2026 में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक और समकालीन विषयों को प्रभावी ढंग से सामने रखा। एहसास कार्यक्रम में समकालीन समस्याओं की जीवंत प्रस्तुति दी गई, जबकि माइम के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। फ्लैग ऑफ नेशन में विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ वायुसेना, नौसेना, थलसेना, प्रशासन और झारखंड पुलिस के झंडों की जानकारी दी। ड्रीम यूटोपिया में काल्पनिक देशों के संविधान, शासन व्यवस्था, मुद्रा, मानचित्र, खानपान और पोशाक की परिकल्पना प्रस्तुत की गई।

सिल्ली बाजार में रक्षाबंधन की रौनक, 5 रुपये से 150 रुपये तक की आकर्षक राखियां बनीं पसंद

बिभा संवाददाता

सिल्ली: रक्षाबंधन पर्व को लेकर सिल्ली बाजार में रौनक बढ़ गई है। बाजार की दुकानें रंग-बिरंगी राखियों से सज गई हैं और भाई-बहन के इस पवित्र प्रेम के त्योहार को लेकर लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। दुकानों में बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए हर तरह की आकर्षक राखियां उपलब्ध हैं। इस बार बाजार में रेशम धागे वाली पारंपरिक राखी के साथ-साथ भाभी राखी, मोतियों वाली डिजाइनर राखी, कार्टून कैरेक्टर और खिलौना थीम वाली राखियां लोगों को खूब आकर्षित कर रही हैं। छोटे बच्चों के लिए लाइट वाली राखी , छोटा भीम और डोरेमॉन वाली राखियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। दीपक स्टूडियो के दुकानदार दीपक लोहरा ने बताया कि इस बार ग्राहक बजट के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं। बाजार में 5 रुपये से लेकर 150 रुपये तक की अलग-अलग डिजाइन और कीमत वाली राखियां उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि लोग महंगी राखियों की बजाय सुंदर डिजाइन, मोतियों और हल्के वजन वाली राखियों को अधिक पसंद कर रहे हैं। रक्षाबंधन को लेकर बाजार में राखियों के साथ-साथ मिठाइयों की भी दुकान में भीड़ बढ़ी है। रसगुल्ला, चमचम और कई प्रकार के मिठाइयों की मांग तेज हो गई है।

नन्हे हाथों ने लिखी चिट्ठी, गुमला डाकघर पहुंचकर पत्रपेटी में डाले पत्र

बिभा संवाददाता

गुमला। रक्षाबंधन के अवसर पर चिट्ठी और डाक सेवा की परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ने की पहल बुधवार को गुमला मुख्य डाकघर में उस समय देखने को मिली जब बाल पाठशाला प्ले स्कूल, गुमला के नन्हे बच्चे पहली बार सामूहिक रूप से डाकघर पहुंचे।

अपने परिजनों के लिए लिखे पत्र स्वयं पत्रपेटी में डाले। बच्चों ने विद्यालय में अपने हाथों से राखियां तैयार कीं और उन्हें डाक विभाग के लिफाफों में रखकर परिजनों के नाम पत्र भी लिखे।

बच्चों को उत्साह के साथ पत्र पोस्ट करते देखकर गुमला मुख्य डाकघर के कर्मचारी भी काफी प्रसन्न हुए। बच्चों में राखी और पत्र अपने परिजनों तक पहुंचाने को लेकर खासा उत्साह रहा। विद्यालय की प्राचार्या और शिक्षक भी बच्चों के साथ डाकघर पहुंचे और उनका उत्साह बढ़ाया। डाकघर परिवार ने बच्चों का स्वागत करते हुए उन्हें चॉकलेट खिलाई।

इस अवसर पर पोस्टमास्टर शिव शंकर ठाकुर ने कहा कि रक्षाबंधन पर डाक के माध्यम से राखी और शुभकामना संदेश भेजने को लेकर लोगों में उत्साह है। उन्होंने कहा कि चिट्ठी केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि भावनाओं, यादों और रिश्तों को जोड़ने वाला माध्यम है। बच्चों को बचपन से पत्र लेखन और डाक सेवा से जोड़ना भावनात्मक विरासत को आगे बढ़ाने की सुंदर पहल है। उन्होंने लोगों से भाई-बहनों और प्रियजनों को राखी और शुभकामना संदेश डाक के माध्यम से भेजने की अपील की।

इस अवसर पर गुमला मुख्य डाकघर के मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव निरंजन ओहदार, सुनील सहित अन्य मौजूद थे।

मतदाता सूची में उम्र की विसंगतियों को दूर करें: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को मतदाता सूची में उम्र से संबंधित तार्किक विसंगतियों का पूरी गंभीरता और सावधानी से निष्पादन करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सख्त हिदायत दी है कि यदि कोई विदेशी नागरिक खतियान या वंशावली में छेड़छाड़ कर खुद को भारतीय नागरिक या किसी परिवार का वंशज बताकर मतदाता सूची में शामिल होने का प्रयास करता है, तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) को दी जाए और ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि उम्र की जांच केवल एक प्रविष्टि या किसी एक दस्तावेज तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यदि एक ही माता-पिता की एक से अधिक संतानें पंजीकृत हैं, तो उनके जन्म दस्तावेजों और आयु में तार्किक अंतर का एक साथ मिलान किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कई बार सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी उम्र में जानबूझकर छेड़छाड़ की जाती है। ऐसे मामलों में ईआरओ को सभी उपलब्ध दस्तावेजों का समग्र परीक्षण करना चाहिए। मतदाता को अपना पक्ष रखने और सही दस्तावेज प्रस्तुत करने का पूरा अवसर देने के बाद ही नियमानुसार कारणयुक्त आदेश (स्पीकिंग ऑर्डर) पारित किया जाना चाहिए।

फजीवाड़े को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी विदेशी या अपात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में शामिल कराने में किसी खतियान धारी, परिवार के सदस्य या स्थानीय व्यक्ति की मिलीभगत पाई जाती है, तो उसके खिलाफ भी लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 तथा अन्य सुसंगत कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, किसी महिला मतदाता के पारिवारिक संबंध के सत्यापन के दौरान आवश्यकता पड़ने पर उसके पैतृक परिवार और वंश की जानकारी भी प्राप्त करने का निर्देश दिया गया है ताकि प्रक्रिया पूरी तरह तथ्यपरक रहे।

के. रवि कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य एक शुद्ध, त्रुटिरहित और स्थायी मतदाता सूची तैयार करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरी सुनवाई और नोटिस प्रक्रिया का उद्देश्य किसी भी वैध भारतीय नागरिक को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं है, बल्कि त्रुटियों को सुधारना है। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी भी पात्र भारतीय का नाम सूची से नहीं छूटेगा और कोई भी अपात्र या विदेशी नागरिक इसमें शामिल नहीं हो सकेगा। इस राष्ट्रीय कार्य की सफलता के लिए उन्होंने सभी हितधारकों से पूर्ण सहयोग की अपील की है।

अधिकारों की आवाज उठाने वाला हर व्यक्ति भाजपा की नजर में संदेहास्पद : विनोद

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास और भाजपा पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की नजर में आदिवासी-मूलवासी, गरीब और अपने अधिकारों की आवाज उठाने वाला हर व्यक्ति संदेह की नजर से देखा जा रहा है। सवाल है कि क्या भाजपा की नजर में हर झारखंडी और केंद्र की नीतियों पर सवाल उठाने वाला व्यक्ति दिमागी नक्सल है।

विनोद पांडेय ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आंकड़े गिनाने से पहले उन गांवों का दर्द समझना चाहिए, जिनकी जमीन खनन के लिए गई, जंगल उजड़े और पीढ़ियां विस्थापन झेलती रहीं। उन्होंने रघुवर दास के एमएमडीआर संशोधन अधिनियम संबंधी बयान पर कहा कि 11 हजार करोड़ रुपये और करों के प्रतिशत की चर्चा से मूल सवाल नहीं छिपाया जा सकता। यदि खनिज से राज्य को लाभ मिल रहा है तो प्रभावित गांवों में पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और रोजगार की कमी क्यों है। पांडेय ने कहा कि झामुमो खनन या औद्योगिक विकास का विरोधी नहीं है। उसकी मांग जमीन का सम्मान, जंगल और आदिवासी अधिकारों की रक्षा, स्थानीय युवाओं को रोजगार तथा खनिज संपदा में झारखंडी हित की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त खबरें

बूटी मोड़ में महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति का भूमि पूजन संपन्न, कोलकाता के कारीगर बनाएंगे भव्य पंडाल

रांची(बिभा) : राजधानी के बूटी मोड़ स्थित महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति के प्रांगण में बुधवार को दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण को लेकर भूमि पूजन सह प्रथम खूंटा-पूजा का कार्यक्रम पूरे विधि-विधान और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। माता के जयकारों के बीच हुए इस आयोजन में समिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखा गया। पूजा संपन्न होने के बाद पूरे बूटी मोड़ क्षेत्र में मिठाई बांटकर खुशियां मनाई गईं। समिति की ओर से जानकारी दी गई कि इस वर्ष माता का दरबार बेहद खास होगा। कलकत्ता से बुलाए गए कुशल कारीगरों द्वारा इस बार एक भव्य और आकर्षक पूजा पंडाल का निर्माण कराया जाएगा, जो इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। पंडाल निर्माण को लेकर तैयारियां आज से ही जोरों पर शुरू कर दी गई हैं। इस शुभ अवसर पर समिति के मुख्य संरक्षक व पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, अध्यक्ष रुद्र नारायण महतो, श्री महावीर मंडल राँची के पूर्व अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू और स्थानीय पार्षद अवधेश बैठा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नाई समाज विकास समिति ने खिजरी विधायक राजेश कच्छप का जताया आभार

रांची(बिभा)। नाई समाज विकास समिति, रांची की केंद्रीय कमिटी के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप से मुलाकात कर उन्हें धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। समिति के सदस्यों ने वर्ष 2020 में झारखण्ड विधानसभा में हजाम/नाई जाति से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न उठाने के लिए विधायक राजेश कच्छप के प्रति आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि समाज की समस्याओं और मांगों को विधानसभा के सदन में उठाकर उन्होंने नाई समाज की आवाज को मजबूती प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। प्रतिनिधि मंडल ने नापित जाति का प्रमाण पत्र बनाने में कठिनाई, नाई/हजाम जाति को सी.एन.टी. एक्ट की समस्या, झारखण्ड में केश कला बोर्ड/आयोग का गठन करने एवं जातिय एवं सामाजिक मुद्दों पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि नाई समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास के लिए जनप्रतिनिधियों का सहयोग और समाज की एकजुटता अत्यंत आवश्यक है। समिति ने भविष्य में भी समाज से जुड़े मुद्दों को उचित मंच पर उठाने के लिए विधायक राजेश कच्छप से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। विधायक राजेश कच्छप ने नाई समाज के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए समाज के विकास एवं अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान नाई समाज विकास समिति के विरेन्द्र प्रसाद, शिवशंकर हजाम, सुनील प्रमाणिक, राजेन्द्र प्रमाणिक, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बिहार में छात्रों पर लाठीचार्ज के खिलाफ सम्राट चौधरी को भी पत्र लिखें बाबूलाल : राकेश

रांची(बिभा)। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर हमला करते हुए कहा कि अगर छात्रों के मुद्दे पर पत्र लिखना ही उनकी नैतिक जिम्मेदारी है, तो वे अपनी नैतिकता का परिचय बिहार में भी दें। बिहार में अपने अधिकार और मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल पर बाबूलाल मरांडी को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी पत्र लिखना चाहिए। राकेश सिन्हा ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा नेताओं की राजनीति में सुविधा के हिसाब से नैतिकता बदल जाती है। झारखंड में छात्रों के प्रति चिंता और बिहार में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई पर चुप्पी—यह दोहरा चरित्र आखिर क्यों। उन्होंने कहा कि यदि बाबूलाल मरांडी वास्तव में छात्रों के हितैषी हैं तो उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बिहार सरकार से भी जवाब मांगना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना छात्रों का अधिकार है। सरकार का दायित्व है कि वह छात्रों की बात सुने, संवाद करे और उनकी समस्याओं का समाधान निकाले। लाठी और वाटर कैनन किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली प्रतिक्रिया नहीं हो सकती।

क्राइस्ट यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी मंत्री शिल्पी

रांची(बिभा)। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की 27 अगस्त 2026 को बेंगलुरु स्थित क्राइस्ट यूनिवर्सिटी में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। विश्वविद्यालय के एल्यूमिनी रिलेशन्स सेल की ओर से आयोजित कार्यक्रम का विषय फ्रॉम एजुकेशन टू इंपैक्ट : यूथ लीडरशीप, इंटरप्रीन्यो रशीप एंड इंक्लूआसीव ग्रोथ रखा गया है। यह जानकारी क्राइस्ट यूनिवर्सिटी की ओर से बुधवार को जारी पोस्टर के माध्यम से दी गई। बताया गया कि कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, कृषि, नवाचार, युवा नेतृत्व और समावेशी विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पैनल चर्चा होगी।

एमएमडीआर संशोधन राज्य और राष्ट्रहित में, झामुमो-कांग्रेस फैला रहे भ्रम : रघुवर

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से हाल में लाया गया खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 (एमएमडीआर) राज्य और राष्ट्रहित में है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस संशोधन की गलत व्याख्या कर लोगों के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

रघुवर दास बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एमएमडीआर संशोधन झारखंड के हितों के खिलाफ नहीं, बल्कि राज्य को उसकी खनिज संपदा का अधिकतम लाभ दिलाने और वैध खनन को पारदर्शी बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि झामुमो-कांग्रेस के संरक्षण में धनबाद, बोकारो, चतरा, हजारीबाग, साहेबगंज, दुमका और शिकारीपाड़ा समेत कई क्षेत्रों में कोयला, बालू और पत्थर के अवैध कारोबार से जुड़े सिंडिकेट सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान ह्यजल, जंगल, जमीनह्न की बात कर सत्ता में आने वाले लोगों ने सत्ता संभालने के बाद राज्य के प्राकृतिक संसाधनों को कथित रूप से सिंडिकेट के हवाले कर दिया। उन्होंने वर्तमान सरकार पर झारखंड के खनिज संसाधनों की लूट को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

रघुवर दास ने पत्थर के अवैध खनन से जुड़े मामलों में झामुमो के नेताओं और सरकार के एक मंत्री के जेल जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसे दलों से एमएमडीआर संशोधन पर किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री दास ने कहा कि मौजूदा विवाद केवल 11 हजार करोड़ रुपये के उपकर (सेस) तक सीमित नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या वित्तीय अनिश्चितता का माहौल बनाकर राज्य में आने वाले बड़े निवेश, उत्पादन, रोजगार और औद्योगिक विकास की संभावनाओं को प्रभावित किया जाए। उन्होंने दावा किया कि खनन क्षेत्र से मिलने वाले कुल कर और वैधानिक भुगतानों का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा सीधे राज्यों को मिलता है और यह व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी।

रघुवर दास ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2015 में रॉयल्टी के अलावा खनन प्रभावित जिलों के विकास के लिए जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के माध्यम से अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज, डीएमएफटी और राज्य की वैध खनिज आय की पर्याप्त सुरक्षा होनी चाहिए तथा खनिज संपदा का वास्तविक लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचना चाहिए।

दास ने आरोप लगाया कि

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, चोरी की दस बाइक के साथ आठ आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बाइक चोरी करने वाले एक गिरोह का खुलासा करते हुए आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी की 10 बाइक बरामद की है। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि गिरोह रांची और सीमावर्ती जिलों में सक्रिय था और साप्ताहिक बाजारों से मोटरसाइकिल चोरी कर उनके नंबर प्लेट बदलकर ग्रामीण क्षेत्रों में बेचता था।

एसपी ने बताया कि धुर्वा थाना पुलिस सिठियो-धुर्वा मार्ग स्थित स्वर्णरेखा नदी पुल के पास करीब 2:30 बजे वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग पुलिस को देखकर बाइक घुमाकर सिठियो की ओर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने पीछा कर तीनों को पकड़ा। पूछताछ में बाइक चोरी की बात सामने आई, जिसके बाद पुलिस कड़ाई से पूछताछ शुरू की और उसके निशानदेही पर छापेमारी अभियान चलाया गया।

छापेमारी टीम ने चोरी के 10 बाइक बरामद किए और चोरी के वाहनों की खरीद-बिक्री में शामिल अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में भरत बैठा (26), सुनील करमाली (25), रोहित उरांव (22), रोहित कुमार मुंडा (28), प्रदीप उरांव, संजय गंझू (22), सरजू मुंडा और सुमित उरांव (29) शामिल हैं। इनमें कई आरोपितों के खिलाफ पहले भी वाहन चोरी और अन्य मामलों में प्राथमिकी दर्ज है। छापेमारी टीम में डीएसपी नीरज कुमार झा, धुर्वा थाना प्रभारी अनिल कुमार तिवारी सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

उर्सलाइन कॉन्वेंट में पेंटिंग प्रतियोगिता के साथ नेत्रदान जागरूकता सेमिनार

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय 41 वें नेत्रदान पखवाड़ा के तहत बुधवार को उर्सलाइन कॉन्वेंट स्कूल, रांची में पेंटिंग प्रतियोगिता और नेत्रदान जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया।

25 अगस्त से आठ सितंबर 2026 तक चलने वाले नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड, कश्यप मेमोरियल आई बैंक और आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता में स्कूल की छात्राओं ने भाग लेकर अपनी कलाकृतियों के माध्यम से नेत्रदान का संदेश दिया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एनएचएम के मिशन डायरेक्टर शशि प्रकाश झा ने कहा कि मृत्यु के बाद नेत्रदान के लिए परिजनों को प्रेरित करने और उन्हें भावनात्मक सहयोग देने के लिए अस्पतालों में प्रशिक्षित ग्रीफ काउंसलर्स एवं आई डोनेशन कोऑर्डिनेटर्स की तैनाती को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मृत्यु के चार से छह घंटे के भीतर कॉर्निया प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन और त्वरित प्रतिक्रिया टीम नेटवर्क को मजबूत किया जाएगा। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ भारती कश्यप ने कहा कि जानकारी के अभाव में लोग नेत्रदान को लेकर कई भ्रांतियों से ग्रसित हैं। उन्होंने कहा कि उम्र, लिंग और ब्लड ग्रुप की बाध्यता नहीं है। मोतियाबिंद सहित कई आंखों की सर्जरी के बाद भी नेत्रदान संभव है। प्रक्रिया के बाद चेहरे की विकृति नहीं होती और इसे सामान्यतः 15-20 मिनट में पूरा किया जा सकता है। घर पर मृत्यु होने की स्थिति में भी निर्धारित समय में आई बैंक की टीम प्रक्रिया कर सकती है। अंगों की खरीद-बिक्री गैरकानूनी है। डॉ निधि गडकर कश्यप ने बताया कि 2019 से कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल में 500 से अधिक कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति का नेत्रदान दो कॉर्नियल दृष्टिहीन लोगों के जीवन में रोशनी ला सकता है।

सेमिनार में डॉ राहुल किशोर सिंह, अनिमा किस्कु और प्राचार्या सिस्टर मेरी ग्रेस सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पांच दिन में विधायक जयराम महतो की गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यभर में आंदोलन करेगा झारखंड पुलिस एसोसिएशन

बिभा संवाददाता

रांची। धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार के साथ कथित फोन पर गाली-गलौज और धमकी देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने डुमरी विधायक जयराम महतो समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ दर्ज मामले में शीघ्र कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि पांच दिनों के भीतर गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यभर के पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मी आंदोलन करेंगे।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने सरकार और पुलिस प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। संगठन की धनबाद शाखा ने घटना के विरोध में पुलिसकर्मियों द्वारा काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी करने और ड्यूटी पर नहीं लौटने के निर्णय के लिए केंद्रीय संगठन से अनुमति मांगी है। एसोसिएशन ने कहा है कि पांच दिन के भीतर विधायक जयराम महतो और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्य की सभी शाखाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू ने बताया कि 25 अगस्त को धनबाद पुलिस एसोसिएशन, शाखा-धनबाद के पत्र के माध्यम से उन्हें घटना की जानकारी मिली। एसोसिएशन के अनुसार, 21 अगस्त की रात बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार को जयराम महतो ने फोन किया और कथित तौर पर धमकी दी कि उनका तबादला कराने के बावजूद राज्य के जिस थाने में वह रहेंगे, वहां उनकी नौकरी बर्बाद कर दी जाएगी। एसोसिएशन का आरोप है कि फोन पर कथित धमकी के बाद देर रात विधायक अपने समर्थकों के साथ बरवाअड्डा थाना पहुंचे। इस दौरान थाना प्रभारी की टेबल पर रखे सामान को इधर-उधर किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। पुलिस एसोसिएशन ने इसे पुलिस पदाधिकारी के सम्मान और गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताया है। पुलिस एसोसिएशन के मुताबिक, घटना को लेकर बरवाअड्डा थाना में कांड संख्या 146/26, दिनांक 22 अगस्त 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 221, 224, 132, 351(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में विधायक जयराम महतो समेत करीब 10 लोगों को आरोपित बनाया गया है।

जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन: अमीषा प्रसाद ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल, सीबीआई जांच की मांग

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी)की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन के बीच आंदोलनकारी अमीषा प्रसाद ने पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बुधवार को रांची प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता कर आंदोलनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर कई आरोप लगाए। अमीषा ने आरोप लगाया कि झूठे मुकदमों के जरिए छात्रों और युवाओं की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है।

अमीषा प्रसाद ने आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने वाले शहबाज आलम पर भी निशाना साधा। उन्होंने उन्हें आमने-सामने बातचीत यानी टेबल टॉक की खुली चुनौती दी। अमीषा ने कहा कि यदि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सही हैं तो संबंधित पक्ष सामने आकर उन आरोपों के प्रमाण पेश करे। आमने-सामने बातचीत से यह स्पष्ट हो सकता है कि लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है।

दरअसल, शहबाज आलम की ओर से अमीषा प्रसाद के खिलाफ दंगा फैलाने और मारपीट जैसे आरोपों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। हालांकि, अमीषा का दावा है कि आंदोलन के दौरान छात्रों ने किसी भी तरह के प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं किया।

अमीषा प्रसाद ने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी पूर्व नोटिस या वारंट के घर से हिरासत में लिया गया और करीब छह से सात घंटे तक रखा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सदर थाना प्रभारी की ओर से उन्हें पुराने मामलों में फंसाने का प्रयास किया गया। अमीषा के मुताबिक, मीडिया के सामने भी उनके संबंध में गलत जानकारी दी गई।

प्रेस वार्ता में जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच ने आरोप लगाया कि करीब 14 पुरुष छात्रों, जिनमें रविंद्र और कुणाल सर समेत अन्य लोग शामिल हैं, के खिलाफ छेड़खानी जैसे गंभीर आरोपों में कथित रूप से झूठी प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

मंच से जुड़ी छात्राओं ने इन आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि कानून का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल कर निर्दोष छात्रों को फंसाने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो सकता है।

जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच की कोर सदस्य प्रतिमा कुमारी ने प्रशासन पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि एक पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान छात्रों के समर्थन में पहुंची महिलाओं के साथ मारपीट और बदसलूकी की गई।

प्रतिमा के अनुसार, इस मामले में शिकायत दर्ज कराने के लिए वह लगातार दो दिनों तक थाने के चक्कर लगाती रहीं, लेकिन पुलिस ने उनकी प्राथमिकी दर्ज नहीं की। मंच ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य के अलग-अलग जिलों में पुलिस की मौजूदगी में छात्रों पर बल प्रयोग किया गया। प्रेस वार्ता में मंच ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच सीआईडी के बजाय सीबीआई से कराने की मांग दोहराई। इसके साथ ही आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज कथित फर्जी मुकदमे वापस लेने और जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा को यूपीएससी के माध्यम से कराने की मांग भी रखी गई।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल–41–सोलर–पीपीपी–26, दिनांक 24.08.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन–713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस है एवं निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** आसनसोल–मंडल: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) के साथ आरईएससीओ मॉडल के माध्यम से आसनसोल मंडल के विभिन्न स्थानों पर बिजली का उत्पादन और आपूर्ति करने के उद्देश्य से कुल 1500 केडब्ल्यूपी क्षमता प्रणाली (पीपीपी मोड) के ग्रिड कनेक्टेड रूफ–टॉप सोलर फोटो वोल्टेइक मॉड्यूल्स की स्थापना। **निविदा मूल्य :** रु. 22,23,86,424.4, **निविदा कागजात का मूल्य :** 34,810/-, **बयाना राशि :** रु. 16,02,000/-, **कार्य के लिए समापन अवधि :** 240 दिन। **बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 23.09.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-230/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

रक्षाबंधन पर नहीं रहेगा भद्रा का साया, पूरे दिन बांध सकेंगे राखी

अजीत कुमार

बोकारो। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष 28 अगस्त को मनाया जाएगा। इस बार रक्षाबंधन को लेकर बहनों के लिए राहत की खबर है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, राखी बांधने के दिन भद्रा का साया नहीं रहेगा, ऐसे में बहनें पूरे दिन अपने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांध सकेंगी।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, भद्रा काल 27 अगस्त की सुबह 9:08 बजे से रात 9:32 बजे तक रहेगा। इसके बाद 28 अगस्त को राखी बांधने के दौरान भद्रा का कोई प्रभाव नहीं रहेगा। पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ भी 27 अगस्त की सुबह 9:08 बजे होगा और इसका समापन 28 अगस्त की सुबह 9:48 बजे हो जाएगा। उदय तिथि और परंपराओं के अनुसार रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त को पूरे दिन मनाया जा सकेगा।

हालांकि पूरे दिन राखी बांधने की सुविधा रहेगी, लेकिन ज्योतिषाचार्यों ने 28 अगस्त को सुबह 10:31 बजे से दोपहर 12:07 बजे तक राहुकाल में शुभ कार्य करने से बचने की सलाह दी है। इसलिए बहनों को इस अवधि को छोड़कर राखी बांधने की सलाह दी गई है।

रक्षाबंधन के दिन खंड चंद्र ग्रहण भी लगेगा। बताया गया है कि ग्रहण सुबह 8:04 बजे से 11:22 बजे तक रहेगा, लेकिन इसकी दृश्यता भारत में नहीं होगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, भारत में ग्रहण दिखाई नहीं देने के कारण इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। ग्रहण भारत के अलावा नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, चीन और जापान समेत एशिया के अधिकांश हिस्सों में दिखाई नहीं देगा। वहीं उत्तर और दक्षिण अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका तथा प्रशांत और अटलांटिक महासागर के कुछ क्षेत्रों में इसे देखा जा सकेगा।

भारत में ग्रहण दिखाई नहीं देने के कारण रक्षाबंधन के धार्मिक अनुष्ठानों और अन्य मांगलिक कार्यों पर इसका कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। ऐसे में बहनें विधि-विधान से पूजा कर भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। कुल मिलाकर इस बार रक्षाबंधन भद्रा से मुक्त रहेगा और भारत में चंद्र ग्रहण दिखाई नहीं देने के कारण सूतक का भी प्रभाव नहीं होगा।

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मौके पर टीम एहसास फाउंडेशन ने लगाया सेवा शिविर

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो): जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के पावन एवं खास मौके पर टीम एहसास फाउंडेशन, चास की ओर से महावीर चौक, चास में सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में जुलूस में शामिल लोगों के बीच सेवा एवं सम्मान की भावना से जूस, पानी, बिस्किट, केक, फल, मिठाई सहित अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।

इस अवसर पर झारखंड राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री कुमार गौरव जी एवं मनीषा सिंह अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की प्रदेश अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) भी सेवा शिविर में शामिल हुए और टीम एहसास फाउंडेशन के इस सामाजिक एवं सेवा कार्य की सराहना की। टीम एहसास फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारा, सौहार्द और सेवा की भावना को मजबूत करना है। धार्मिक एवं सामाजिक अवसरों पर जरूरतमंदों और आम लोगों की सेवा के लिए संस्था आगे भी इसी तरह कार्य करती रहेगी।

टीम एहसास फाउंडेशन ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों, सहयोगकताओं एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो रेलवे ट्रैक पर सिरकटी शव बरामद, मृतक की पहचान जमुई के 22 वर्षीय युवक के रूप में

बोकारो(बिभा) : बुधवार को बोकारो रेलवे स्टेशन से करीब 5 किलोमीटर दूर, स्टेशन के यार्ड5 और 6 नंबर लाइन के बीच रेलवे ट्रैक से एक सिरकटी शव बरामद किया गया। घटना बालीडीह थाना क्षेत्र में हुई। जीआरपी ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मौके पर पहुंचकर शव की बरामदगी और जांच शुरू कर दी है। जीआरपी के इंस्पेक्टर अमरेंद्र प्रसाद ने बताया कि मृतक की पहचान बिहार के जमुई जिले के धर्मपुर गांव निवासी 22 वर्षीय संदीप कुमार के रूप में हुई है। पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल पाएगा। प्रारंभिक तौर पर पुलिस यह भी देख रही है कि क्या मृतक मानसिक रूप से पीड़ित (विक्षिप्त) था या किसी व्यक्तिगत समस्या/डिप्रेशन के कारण आत्महत्या की स्थिति बनी थी। इंस्पेक्टर ने कहा कि घटनास्थल की फोरेंसिक जांच, सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल और हाल-व हिसाब के लिए मृतक के परिजनों व आसपास के लोगों के बयानों को दर्ज किया जा रहा है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई जांच पूरी होने के बाद की जाएगी।

तुपकाडीह-मानगो में निकला ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

बोकारो(बिभा)। बुधवार को तुपकाडीह और मानगो के मुसलमानों ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर नबी के याद में शांति का पैगाम लेकर जुलूस निकाला जिसमें काफी संख्या में लोग शामिल हुए , और एक दूसरे को बधाई दी। सदर जहांगीर हुसैन ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब के पैगाम हैं कि आपको दिलों में अमन चैन , भाईचारा और मोहब्बत को बढ़ाएं। मौके पर मुखिया गिरिन्द्र मिश्रा , डॉ लुकमान , मनोज दास , अफसर हुसैन ,अनिल दिगार , इकबाल अहमद , अब्दुल्लाह , मुख्तार अंसारी , फुरकान अली , गुलजार बाबा आदि मौजूद रहे।

सेल कनीय प्रबंधक परीक्षा-2026 को लेकर कुमार अमित ने इस्पात मंत्री को लिखा पत्र

बोकारो(बिभा)। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा 05 जुलाई को आयोजित कनीय प्रबंधक आंतरिक पदोन्नति परीक्षा-2026 का परिणाम अब तक घोषित नहीं होने पर भाजपा नेता एवं भारतीय उद्योग मजदूर संघ के महामंत्री कुमार अमित ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केन्द्रीय इस्पात मंत्री को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। श्री अमित ने पत्र में कहा कि उक्त परीक्षा के दो माह बीत जाने के बाद भी परिणाम घोषित नहीं होने से सेल के बोकारो सहित सभी संयंत्रों में कार्यरत लगभग 8000 परीक्षार्थी कर्मचारियों में असमंजस, अनिश्चितता और प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर शंका उत्पन्न हो रही है। यह आंतरिक पदोन्नति परीक्षा सीधे कर्मचारियों के कैरियर ग्रोथ, मनोबल और कार्य-प्रेरणा से जुड़ी है। परिणाम में विलंब से न केवल कर्मचारियों के पदोन्नति के अवसर प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि सेल की कार्यशैली, दक्षता, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। श्री अमित ने केन्द्रीय मंत्री से मांग की है कि परीक्षा परिणाम यथाशीघ्र घोषित कराया जाए, विलंब के तकनीकी/प्रशासनिक कारणों की समीक्षा हो, सफल अभ्यर्थियों की पदोन्नति की समय-सीमा स्पष्ट की जाए एवं आगे के लिए परीक्षा कैलेंडर पूर्व में हीं निर्धारित कर उसे गम्भीरता पूर्वक लागू किया जाए। कुमार अमित ने कहा कि सेल एक महारत्न कंपनी है और इसके कर्मचारियों का मनोबल ही कंपनी की उत्पादकता का आधार है।

तलगडिया में ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस, आपसी भाईचारे और मोहब्बत का दिया संदेश

तलगडिया (बोकारो) (बिभा)। चास प्रखण्ड ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर बुधवार को चास में मुस्लिम समुदाय के लोगों की ओर से भव्य रूप से जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद के जन्मदिवस की खुशी मनाते हुए आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया। जुलूस चंदाहा बुढिबिनोर से शुरू होकर बिनोद चौक, बिजुलिया जिला परिषद मार्केट से उसरडीह तक पहुंचा। इस दौरान चंदाहा, भागा बांध, डुमरदा,बिसनीबांध, उसरडीह, सहित दर्जन गांवों के लोग शामिल थे। इलाकों से लोग जुलूस की शक्ल में पहुंचे। लोगों ने एक-दूसरे से मिलकर ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी और खुशियां साझा कीं। मौके पर लोगों ने समाज में अमन, शांति, आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर चास में पूरे उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की सहभागिता ने कार्यक्रम को और भव्य बना दिया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बीएसएल के प्रभारी निदेशक से की मुलाकात, विस्तारीकरण और विकास पर मंथन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मनोज चौधरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को बोकारो इस्पात संयंत्र (इरछ) के प्रभारी निदेशक प्रियरंजन से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में संयंत्र के विस्तारीकरण, स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और इस्पात नगर के समग्र विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में चैंबर के महामंत्री राजकुमार जायसवाल, ईडी (एम.एम.) और ईडी वर्क्स अनूप कुमार दत्ता भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रबंधन को संयंत्र के विस्तारीकरण की प्रगति पर बधाई दी और कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने रखे। चैंबर की ओर से मांग की गई कि संयंत्र व नगर की खाली पड़ी जमीनों और लंबे समय से बंद भवनों का योजनाबद्ध तरीके से उपयोग किया जाए, जिससे अतिक्रमण रोका जा सके और प्रबंधन को राजस्व का नुकसान न हो। इसके साथ ही, विस्तारीकरण परियोजना में बियाडा की औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष नीति बनाने पर बल दिया गया। चैंबर ने पी.पी.एस. के माध्यम से खरीद में स्थानीय इकाइयों को प्राथमिकता देते हुए कम से कम 10 लाख रुपये तक के कायार्देश देने का भी आग्रह किया। स्थानीय व्यापार और उद्योगों की समस्याएं सीधे प्रबंधन तक पहुंचाने के लिए प्लांट-लेवल कमेटी में बोकारो चैंबर को भी शामिल करने की मांग रखी गई। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने व्यावसायिक-सह-आवासीय भूखंडों के मामले में उच्च न्यायालय के आदेशों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने और प्रतिबंधित व्यापार वाले भवनों में शुल्क पूरी इमारत के बजाय केवल उपयोग हो रहे हिस्से के आधार पर तय करने का सुझाव दिया। शहर की साफ-सफाई, सीवेज व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा जन-शिकायतों के तुरंत समाधान के लिए एक जवाबदेह मॉनिटरिंग सिस्टम बनाने पर भी जोर दिया गया। प्रभारी निदेशक प्रियरंजन ने चैंबर के सभी सुझावों को बेहद गंभीरता से सुना और स्थानीय इकाइयों को कायार्देश उपलब्ध कराने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि शहर में कई विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसके सुखद परिणाम जल्द सामने आएंगे। बैठक के अंत में प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि प्रबंधन और स्थानीय उद्योग-व्यापार जगत के बीच इस समन्वय से बोकारो के विकास को एक नई गति मिलेगी।

लैब टेक्नीशियन ने मरीज पर किया पत्थर से हमला; परिजन हुए भड़के, लैब में हुई तोड़फोड़

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेक्टर 4 स्थित डॉ. विकास डायग्नोस्टिक लैब में मंगलवार को एक टेक्नीशियन द्वारा मरीज और उसके परिजनों पर पत्थर से हमला करने के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। परिजनों के विरोध और जवाबी हिंसा के चलते लैब में तोड़फोड़ हो गई।

घटनास्थल के अनुसार, मरीज कोको देवी को इलाज के बाद जांच के लिए लैब लाया गया था। परिजनों का दावा है कि परीक्षण में अनावश्यक देरी हुई, जिस पर मरीज के परिजन ने लैब टेक्नीशियन से देरी का कारण पूछा। टेक्नीशियन ने विद्युत आपूर्ति बाधित होने का उत्तर दिया, लेकिन जब मामले की शिकायत डॉक्टर से की गई तो टेक्नीशियन ने गाली-गलौज करते हुए मरीज के परिजन राखोहरी मांझी पर पत्थर चला दिया। घटना के बाद माहौल तीखा हो गया और परिजनों ने लैब के उपकरण एवं सामान को तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी।

लैब प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच आरंभ कर दी है। दोनों पक्षों ने थाना में परस्पर विरोधी शिकायतें दी हैं और प्राथमिकी दर्ज कराने का अनुरोध किया है। पुलिस ने घायल और तहरीर देने वाले लोगों के बयान दर्ज कर लिए हैं तथा सीसीटीवी फुटेज और लैब के कर्मचारियों के बयान लेकर सत्यापन कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लैब के प्रबंधक ने कहा कि वे घटना की विस्तृत पड़ताल कराकर रिपोर्ट सौंपेंगे।

नौ दिवसीय द्वितीय एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन

बिभा संवाददाता

बोकारो। मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में आयोजित नौ दिवसीय द्वितीय एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हुआ। समापन समारोह में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतियोगिता में देशभर से पहुंचे खिलाड़ियों और आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड में, खासकर बोकारो जैसे शहर में राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन अपने आप में गौरव और ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि मौसम अनुकूल नहीं होने के बावजूद प्रतियोगिता को निर्धारित तरीके से जारी रखना और पूरे आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराना आयोजकों की मेहनत और प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंचे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराते हैं। खिलाड़ियों को इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करना चाहिए, ताकि वे भविष्य में राज्य और देश का नाम रोशन कर सकें।

सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है कि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के पर्याप्त अवसर मिलें। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि बोकारो में इस तरह की प्रतियोगिता से शहर की खेल पहचान को भी मजबूती मिलेगी। समापन समारोह के दौरान खिलाड़ियों और आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, प्रशिक्षक, तकनीकी अधिकारी, खेलप्रेमी और आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे। समारोह के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान सुदेश महतो ने राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर चल रहे विवाद और छात्रों के आंदोलन पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सरकार से पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग दोहराई।

सड़क निर्माण के बीच भारी वाहनों का परिचालन, हाईवा पलटा

बिभा संवाददाता

तुपकाडीह (बोकारो)। तुपकाडीह के आदिवासी बहुल क्षेत्र बोदरोटांड़, झिकलोपा, बरुवाटांड़ और डुंगरीघुदू के ग्रामीणों ने नहर मार्ग की जर्जर सड़क और भारी वाहनों के परिचालन को लेकर एक बार फिर चिंता जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि टीसी एसजीपी गेट से नहर तक स्लैग लदी भारी गाड़ियों के लगातार आवागमन से सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे आम लोगों की आवाजाही मुश्किल और जोखिम भरी हो गई है।

ग्रामीणों के अनुसार, बिना तिरपाल ढके चलने वाले भारी वाहनों से बोल्डर और अन्य सामग्री सड़क पर गिरती रहती है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने तीन बार लिखित शिकायत कर विरोध दर्ज कराया था। इसके बाद जिला प्रशासन के साथ वार्ता हुई, जिसके बाद करीब एक माह से सड़क निर्माण का काम शुरू किया गया।

ग्रामीण बीरबल मरांडी ने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान तेनुघाट और जिला प्रशासन की ओर से सूचना पट लगाया गया था, जिसमें सड़क निर्माण पूरा होने तक भारी वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद रखने की बात स्पष्ट रूप से लिखी गई थी। इसके बावजूद ट्रांसपोर्ट कंपनियों ने कथित तौर पर भारी वाहनों का परिचालन फिर शुरू कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क निर्माण के बीच भारी वाहनों के परिचालन के कारण बीती रात एक हाईवा अनियंत्रित होकर पलट गया। उनका कहना है कि एक ओर सड़क निर्माण चल रहा है, वहीं दूसरी ओर भारी वाहनों का आवागमन जारी रहने से हादसे का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि रेलवे फाटक के पास जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए रेलवे की ओर से पानी निकासी हेतु लोहे की जाली लगाई गई थी। भारी वाहनों के आवागमन के कारण यह जाली भी क्षतिग्रस्त होकर टूट गई है। इससे राहगीरों को परेशानी हो रही है और भविष्य में किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क निर्माण पूरा होने तक भारी वाहनों के परिचालन पर पूरी तरह रोक लगाने तथा नियमों की अनदेखी करने वाली ट्रांसपोर्ट कंपनियों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते भारी वाहनों के परिचालन पर रोक नहीं लगाई गई तो सेल कर्मियों, ठेकेदारों, मजदूरों और आम लोगों की आवाजाही के दौरान कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

बिरसा मध्य विद्यालय का भवन तोड़े जाने पर ग्रामीणों में आक्रोश, तेतुलिया मौजा में जेसीबी से स्कूल भवन जमींदोज करने का आरोप, प्लॉटिंग की तैयारी की भी चर्चा

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर-12 थाना क्षेत्र के तेतुलिया मौजा स्थित बिरसा नगर भट्टाटोला में वर्षों से संचालित बिरसा मध्य विद्यालय का भवन तोड़े जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कथित भू-माफियाओं ने जेसीबी लगाकर रातों-रात स्कूल भवन को जमींदोज कर दिया और परिसर की घेराबंदी कर प्लॉटिंग की तैयारी शुरू कर दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों और आदिवासी समाज में आक्रोश है। ग्रामीणों के अनुसार, विद्यालय लंबे समय से क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा है। स्कूल परिसर में आज भी तीन मतदान केंद्र संचालित होते हैं। इसके बावजूद भवन को तोड़े जाने से ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि आखिर इतनी बड़ी कार्रवाई प्रशासन की जानकारी के बिना कैसे हो गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल भवन को तोड़ने के साथ उसका नाम लिखा पट्ट भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना के बाद आसपास के आदिवासी समाज और पड़ोसियों ने इसका विरोध किया है। ग्रामीणों के मुताबिक, कथित भू-माफियाओं के प्रभाव के कारण लोगों में भय का माहौल है और कई लोग खुलकर नाम लेने से भी बच रहे हैं।

मामले की जानकारी मिलने के बाद सतनपुर पंचायत के मुखिया कालीपद सिंह ने घटना पर विरोध जताया। उन्होंने कहा कि माफियाओं ने सभी हदें पार कर दी हैं और ग्रामीण अब इस मामले का विरोध करेंगे। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की।

वहीं, दुर्गा सोरेन सेना की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष देवला टुडू ने भी घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मामले से संबंधित अधिकारियों को अवगत कराने की बात कही।

स्कूल भवन तोड़े जाने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल जिला प्रशासन और संबंधित विभाग की भूमिका को लेकर उठ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विद्यालय भवन सरकारी संपत्ति थी और वहां मतदान केंद्र भी संचालित होते थे, तो इसे तोड़े जाने की जानकारी प्रशासन को कैसे नहीं हुई।

ग्रामीणों ने पूरे मामले की जांच कर स्कूल भवन तोड़ने वालों की पहचान करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कार्रवाई करने तथा जमीन पर कथित प्लॉटिंग की गतिविधि की जांच कराने की मांग की है। हालांकि, मामले में प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना अभी बाकी है।

300 मीटर सड़क जर्जर सड़क के कारण रेलवे के यात्री, स्कूली बच्चों व आयुष्मान सेंटर के मरीज परेशान

बिभा संवाददाता

बोकारो : राधा गांव रेलवे स्टेशन एवं राधानगर से चैनपुर, करहरिया कटका सहित अन्य ग्रामीण को जोड़ने वाली सड़क करीब 12-15 वर्षों से जर्जर हालत में है. सड़क की दुर्दशा के कारण इन क्षेत्रों के स्थानीय ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. राधानगर के बड़ा तालाब के एक छोर से दूसरे छोर की बीच का यह रास्ता बारिश के दिनों में ग्रामीणों की चुनौती को और बढ़ा देती है. राधा गांव स्टेशन के लिए यही एक मुख्य सड़क है, फिर भी बदहाल है.

स्थानीय ग्रामीण सुभाष सरकार का कहना है कि दुलालपूर आदि क्षेत्र के बच्चे राधानगर स्कूल के लिए आते-जाते है. राधानगर के भी कई बच्चे चैनपुर क्षेत्र के हाई स्कूल व प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने-लिखने आते-जाते है. इस तालाब के पास जर्जर सड़क की आज तक किसी जनप्रतिनिधि द्वारा सुध नहीं ली. इस कारण स्टेशन आदि स्थलों में जाने-आने के क्रम में कई बार यहां ऑटो रिक्शा पलट चुकी है. इसके बाद भी इस 200 से 300 मीटर की सड़क का सुदृढ़ीकरण नहीं हुआ.

ग्रामीणों ने कहा कि बोकारो का पहला आयुष्मान सेंटर राधानगर पंचायत में बना, जिसका ऑनलाइन उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया गया. लेकिन इस सेंटर तक पहुंचने वाली सड़क बनाने की जहमत न तो पूर्व की सरकार और पूर्व विधायक ने और न ही वर्तमान सरकार, वर्तमान विधायक या पंचायत द्वारा उठाई गई.

रक्षाबंधन से पहले खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 200 किलो लड्डू जब्त

बिहा संवाददाता

लोहरदगा। आगामी रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की मांग में संभावित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग, लोहरदगा द्वारा शहरी क्षेत्र में नियमित निरीक्षण एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। पर्व के दौरान मिठाइयों की बिक्री में वृद्धि को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं सुरक्षित भंडारण पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। बुधवार को इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। मेसर्स भोला साव के प्रतिष्ठान में बिना वैध लाइसेंस के बड़ी मात्रा में लड्डू का निर्माण करते पाया गया। करीब 150 किलोग्राम लड्डू में फंगस लगी हुई थी, जिसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। संबंधित संचालक को खाद्य कारोबार के लिए वैध लाइसेंस लेने का निर्देश दिया गया। न्यू रोड स्थित मेसर्स अनुराग गुप्ता के प्रतिष्ठान में अस्वच्छ वातावरण में लड्डू का निर्माण करते पाया गया। संचालक पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पांच हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया तथा सुधार के लिए नोटिस जारी किया गया।

वहीं, बड़ा तालाब स्थित मेसर्स जिम्मी स्टोर तथा मेसर्स एम स्टार बेकरी के प्रतिष्ठानों में बिक रहे लड्डुओं की जांच के दौरान हानिकारक अखाद्य रंग की मिलावट की पुष्टि हुई। दोनों प्रतिष्ठानों से लगभग 50 किलोग्राम मिलावटी लड्डू जब्त किए गए, ताकि इस प्रकार के खाद्य पदार्थ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच सकें। संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस भी जारी किया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों को पर्व के दौरान विशेष सावधानी बरतने, गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल का उपयोग करने तथा मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों को निर्धारित स्वच्छता और सुरक्षित भंडारण मानकों के अनुरूप रखने का निर्देश दिया है। विभाग ने उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। उपायुक्त लोहरदगा के निर्देशानुसार आगामी त्योहार को देखते हुए इस प्रकार के औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे। अभियान में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मोइन अख्तर, विश्वनाथ गराई तथा विभाग के सहायक कर्मी रजनीश कुमार मौके पर मौजूद थे।

डोरंडा गर्ल्स मिडिल स्कूल की पूर्व छात्राओं ने की संघ के गठन की पहल

रांची। डोरंडा गर्ल्स मिडिल स्कूल, डोरंडा की सभी पूर्व छात्राओं ने विद्यालय की सभी पूर्व छात्राओं को एकजुट कर बुधवार को पूर्व छात्रा संघ के गठन की पहल की है। इस संबंध में पूर्व छात्राओं की ओर से डोरंडा गर्ल्स मिडिल स्कूल एवं सोसाइटी, डोरंडा के सचिव को औपचारिक अनुरोध पत्र सौंपकर संघ के गठन की अनुमति एवं आवश्यक मार्गदर्शन देने का आग्रह किया गया है। इस पहल का नेतृत्व पूर्व छात्राएं डॉ मऊ संतारा और रजनी बख्शी कर रही हैं। पूर्व छात्राओं ने कहा कि एक संगठित मंच के माध्यम से विद्यालय की शैक्षणिक, सामाजिक और अन्य आवश्यक गतिविधियों में सहयोग किया जा सकता है। साथ ही, इससे विद्यालय की प्रतिष्ठा, गौरवशाली विरासत और गरिमा को संरक्षित एवं और मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

लातेहार: कोयला परियोजना के खिलाफ ग्रामीणों का हल्ला बोल, जनसुनवाई रद्द करने की मांग

बिहा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ: लातेहार के बालूमाथ में एन.एल.सी. कंपनी द्वारा प्रस्तावित 'नार्थ धाधू (वेस्टर्न पार्ट)' कोयला परियोजना के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध तेज हो गया है। खरठिया और भैंसादोन गांव के लोग एकजुट होकर आगामी 27 अगस्त को प्रस्तावित जनसुनवाई का कड़ा विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि कंपनी उनकी उपजाऊ जमीन को साजिशन बंजर बताकर हथियाना चाहती है।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस जमीन पर कंपनी की नजर है, वह पीढ़ियों से उनके परिवारों के भरण-पोषण का मुख्य आधार रही है। खेती के माध्यम से यहां का एक किसान परिवार सालाना लगभग तीन से चार लाख रुपये तक की आय अर्जित कर लेता है। यह जमीन उनके पुरखों ने आने वाली पीढ़ियों के सम्मानपूर्वक जीवन यापन के लिए सुरक्षित रखी थी। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि उनका जीवन है। इसके छिन जाने से उनके सामने रोजी-रोटी और अस्तित्व का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा, जिसे वे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे।

इस मामले में जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने कंपनी और प्रशासन के रवैये पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कंपनी पर दोहरा चरित्र अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि परियोजना शुरू करने से पहले कंपनी का कोई भी प्रतिनिधि प्रभावित गांवों में ग्रामीणों से संवाद करने नहीं पहुंचा। ग्रामीणों को विश्वास में लिए बिना उनके जीवन से जुड़े फैसले थोपना अलोकतांत्रिक है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रभावित गांवों के बजाय प्रखंड स्तर पर जनसुनवाई आयोजित करना, असल में ग्रामीणों की आवाज को कमजोर करने का एक सोची-समझी साजिश है।

बैठक के अंत में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अपना रुख बिल्कुल साफ कर दिया है। उन्होंने 27 अगस्त को होने वाली प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन कंपनी को सीधे ग्राम सभा में आकर रोजगार, मुआवजा तथा पुनर्वास जैसे अहम मुद्दों पर पारदर्शी तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने सरकार और कंपनी को कड़ी चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज कर जबरन प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई, तो ग्रामीण उग्र और चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त खबरें

भक्ति से सराबोर रहा श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान

हजारीबाग(बिभा) : श्री दिगम्बर जैन पंचायत, हजारीबाग के तत्वावधान में एवं जैन महिला समाज के आयोजन में चल रहा 16 दिवसीय श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। आज विधान का 14वां दिन भी अपार श्रद्धा, भक्ति, उमंग और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। 28 अगस्त को इसका भव्य समापन होगा प्रातःकाल भगवान श्री 1008 शांतिनाथ की प्रतिमा का भव्य अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुआ। इसके पश्चात प्रतिष्ठाचार्य पंडित दीपक जी के सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक पूजन-पाठ एवं शांतिनाथ महामंडल विधान की आराधना की गई। प्रतिदिन 120 अर्घ्य समर्पित कर श्रद्धालु पूरे श्रद्धाभाव से भगवान शांतिनाथ की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। विधान के दौरान भक्तिमय संगीत ने पूरे वातावरण को और भी आनंदमय बना दिया। शीबू की ढोलक, विकाश के वाद्ययंत्रों, केसिओ तबला एवं अन्य संगीत वाद्यों की मधुर ताल व संगीत भजन ललित अजमेरा पर महिला, पुरुष, युवा, बच्चे एवं बुजुर्ग सभी प्रभु भक्ति में झूमते और गाते नजर आए। जैसे-जैसे विधान समापन की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है।

रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर राखी बांधने का उत्तम मुहूर्त दिन भर

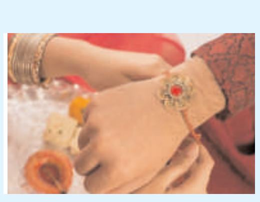

हजारीबाग(बिभा) : रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस वर्ष राखी बांधने के लिए सर्वश्रेष्ठ एवं उत्तम मुहूर्त दिन भर रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुभ मुहूर्त में भाई की कलाई पर राखी बांधना विशेष फलदायी माना जाता है। बहनें इस शुभ समय में भाई का तिलक कर, आरती उतारकर और मिठाई खिलाकर उसकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधेंगी। वहीं भाई भी बहन की रक्षा का संकल्प लेते हुए उसे उपहार देकर जीवनभर साथ निभाने का वचन देगा रक्षाबंधन का यह पर्व 28 अगस्त को भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। सुबह के शुभ मुहूर्त में घर-घर में राखी बांधने के साथ ही त्योहार की खुशियां मनाई जाएंगी।

सिमडेगा में राष्ट्रीय खेल दिवस पर ऐतिहासिक हॉकी चैंपियनशिप, 58 टीमों के बीच होंगे 128 मैच

सिमडेगा(बिभा) : झारखंड के सिमडेगा जिले में खेल विभाग के सहयोग से 21वीं भारत ध्यानचंद सीनियर सिमडेगा जिला महिला एवं पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2026 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। रखेलेगा भारत, जीतेगा भारत'र के उद्घोष के साथ यह ऐतिहासिक प्रतियोगिता राष्ट्रीय खेल दिवस और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर आयोजित की जा रही है। इसका शानदार शुभारंभ 29 अगस्त 2026 को सिमडेगा के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में होगा। इस वर्ष की जिला स्तरीय हॉकी चैंपियनशिप सिमडेगा के खेल इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बनाने जा रही है। प्रतियोगिता में अब तक की सर्वाधिक 58 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें पुरुष वर्ग की 40 और महिला वर्ग की 18 टीमें मैदान में उतरेंगी। इस महाकुंभ में लगभग 1,044 खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। पूरे आयोजन के दौरान दोनों वर्गों को मिलाकर कुल 128 रोमांचक मैच खेले जाएंगे, जिनमें 88 मुकाबले पुरुष वर्ग के और 40 मुकाबले महिला वर्ग के होंगे। सिमडेगा में इतने बड़े स्तर पर मैचों का आयोजन पहली बार हो रहा है। इतने विशाल आयोजन को निर्धारित समय में सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए मुकाबले दोनों हॉकी मैदानों पर एक साथ आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिक टीमों को मौका मिल सके। हॉकी सिमडेगा द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप न केवल जिले में हॉकी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि सिमडेगा को झारखंड की 'हॉकी नर्सरी' के रूप में और अधिक मजबूती भी प्रदान करती है। इस आयोजन से सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले युवा खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा साबित करने का एक बेहतरीन और बड़ा मंच मिलेगा। यह आयोजन जमीनी स्तर पर खेल, अनुशासन, टीम भावना और एकता का मजबूत संदेश देने की एक शानदार पहल है।

भारत विकास परिषद केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता के माध्यम है : गोयल

बिहा संवाददाता

रामगढ़: भारत विकास परिषद, रामगढ़ का छठा पद स्थापना एवं शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही उत्साह, गरिमा एवं भव्यता के साथ रोटरी हॉल, थाना चौक रामगढ़ में मंगलवार की संध्या आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निवृत्ति गुप्ता द्वारा गणेश वंदना से हुआ। मंच संचालन उमेश राजगढ़िया ने प्रभावशाली ढंग से किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि दक्षिण झारखंड प्रांत के महासचिव अरुण कुमार मिश्रा एवं प्रांतीय संपर्क सचिव नवीन पाठक उपस्थित रहे। संस्थापक अध्यक्ष गोविंद मेवाड़ ने अतिथियों एवं उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

समारोह में निवर्तमान सचिव मनमोहन सिंह लांबा ने अपने दो वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों एवं सेवा कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात प्रांतीय महासचिव अरुण कुमार मिश्रा ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष: अनिल कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, मनमोहन सिंह लांबा, आलोक रतन चौधरी, सचिव प्रदीप कुमार शर्मा, सह सचिव आलोक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष: निलेश गुप्ता, सह कोषाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, सलाहकार समिति में गोविंद मेवाड़, उमेश राजगढ़िया, अनमोल सिंह, मीडिया प्रभारी अमित साहू, संपर्क प्रमुख रामप्रवेश गुप्ता, संस्कार प्रमुख वरुण बगड़िया, सेवा प्रमुख अजय अग्रवाल, पर्यावरण प्रमुख सूरज अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास प्रमुख पूनम सिंह, कार्यकारिणी सदस्य में भरत गोयल, विकास अग्रवाल, रोहित पंसारी, आयुष अग्रवाल है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल कुमार गोयल ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सेवा एवं सामाजिक सरोकारों को केंद्र में रखते हुए कई महत्वपूर्ण संकल्प लिए। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में कम से कम 51 निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग एवं आयोजन का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रभावी कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उन्होंने रामगढ़ शहर में कम से कम 101 कल्पवृक्षों का रोपण करने तथा उनके संरक्षण एवं पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज को बेहतर बनाने का एक सशक्त माध्यम है।

समारोह के दौरान भारत विकास परिषद में पांच नए सदस्यों को भी जोड़ा गया। निशा जैन, प्रीति सिंह, सत्येंद्र सिंह, सीटू सलूजा एवं दीपक अग्रवाल को अरुण कुमार मिश्रा ने भारत विकास परिषद की शपथ दिलाई। नए सदस्यों के जुड़ने से परिषद की सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों को और मजबूती मिलने की उम्मीद व्यक्त की गई।

मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने भारत विकास परिषद के सेवा एवं सामाजिक कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और नई टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

नवनिर्वाचित सचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, सदस्यों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चाँपी में शोक सभा आयोजित, दी गई श्रद्धांजलि

लोहरदगा। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चाँपी के प्रांगण में 26 अगस्त 2026 को शोक सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय के अभिभावक प्रतिनिधि सोमनाथ मुंडा के पिता एवं पूर्व मुखिया मुनिया देवी के ससुर सोमरा मुंडा के आकस्मिक निधन पर विद्यालय परिवार ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा में आचार्य नरेश साहू ने दिवंगत आत्मा के बारे में भैया-बहनों को जानकारी देते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित भैया-बहनों, आचार्य एवं दीदी जी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा तथा ईश्वर से प्रार्थना की। आचार्य गौरी शंकर नाथ शाहदेव ने अपने संबोधन में कहा कि सोमरा मुंडा का निधन विद्यालय परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। वहीं प्रधानाचार्य मनोहर मोदी ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। शोक सभा में ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई। शोक सभा के पश्चात विद्यालय में अवकाश घोषित कर दिया गया।

ईद मिलादुन्नबी पर चीरी में उमड़ा आस्था का सैलाब, मोहम्मद साहब की याद में निकला भव्य जुलूस

बिहा संवाददाता

कुडू। पैगंबर हजरत मोहम्मद के जन्मदिवस के अवसर पर ईद मिलादुन्नबी के मौके पर कुडू प्रखंड के चीरी में बुधवार 26 अगस्त को भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में युवा, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में धार्मिक नारों की गूंज सुनाई दी। हाथों में इस्लामी झंडे लिए लोगों ने शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से जुलूस में भाग लिया। जुलूस के माध्यम से शांति, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। चीरी से निकला मुख्य जुलूस चीरी नवाटोली, चीरी बरवाटोली और चीरी आजाद बस्ती होते हुए विभिन्न क्षेत्रों से गुजरा। वहीं सुकुमार से आया जुलूस भी चीरी पहुंचा और तीनों बस्तियों का भ्रमण किया। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। इस दौरान हाफिज अब्दुल रहमान, हाफिज मोजिबुल्लाह और हाफिज दानिस राजा खान ने हजरत मोहम्मद के जीवन और उनके संदेश पर प्रकाश डाला। नात प्रस्तुत कर लोगों को उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया गया। जुलूस की अगुवाई हाफिज रहमान, हाफिज मोजिबुल्लाह, हाफिज दानिस राजा खान, मौलाना फुरकान, हाफिज जफर अब्बास, मौलाना गुलाम रसूल, हाफिज एनामुल और मौलाना गुलजार ने की।

नबी हजरत मोहम्मद की अजमत और सीरत के संदेश के साथ हजारीबाग में निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

बिहा संवाददाता

हजारीबाग : 1501वें जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर बुधवार को हजारीबाग शहर में अकीदत, एहतराम और धार्मिक उत्साह के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जामा मस्जिद सेंट्रल कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस जुलूस में शहर के विभिन्न मोहल्लों के साथ-साथ आसपास के गांवों से करीब 100 जुलूस शामिल हुए। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया।

जामा मस्जिद रोड से निकाले गए जुलूस-ए-मोहम्मदी की निगरानी एदारा-ए-शरिया के चीफ काजी एवं जामा मस्जिद के खतीब व इमाम मुफ्ती अब्दुल जलील सादी की देखरेख में की गई। जुलूस के दौरान नबी-ए-करीम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की अजमत, सीरत और सुन्नतों का बयान करते हुए नात-ए-रसूल पेश की गई। जुलूस-ए-मोहम्मदी के दौरान दोपहर करीब 3 बजे से लगातार मूसलाधार बारिश होती रही। बारिश ने एक मिनट के लिए भी पीछा नहीं छोड़ा, लेकिन बारिश की परवाह किए बिना अकीदतमंद पूरे उत्साह और अकीदत के साथ जुलूस में शामिल रहे। तेज बारिश के बावजूद लोगों का जोश और धार्मिक उत्साह चरम पर देखने को मिला। बारिश के बीच भी नबी-ए-करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की अजमत और शान में नारे गूंजते रहे। सरकार की आमद मरहबा, दिलदार की आमद मरहबा, मुख्तार की आमद मरहबाह के उद्घोष से पूरा हजारीबाग शहर गुंजायमान होता रहा। अकीदतमंदों का यह जज्बा जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के प्रति उनकी गहरी आस्था और मोहब्बत को प्रदर्शित कर रहा था। जामा मस्जिद सेंट्रल कमेटी की ओर से जुलूस को सादगी और एहतराम के साथ निकालने की अपील पहले से की जा रही थी। कमेटी के पदाधिकारियों ने 12 रबीउल अव्वल से करीब दस दिन पूर्व ही विभिन्न गांवों और मोहल्लों में पहुंचकर कमेटियों एवं मोहल्ले के सदर-सचिवों से मुलाकात की थी। इस दौरान जुलूस को अनुशासित, सादगीपूर्ण और धार्मिक भावना के अनुरूप निकालने का आह्वान किया गया था।

जुलूस के दौरान प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शहर के विभिन्न स्थानों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल के जवानों की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे जुलूस पर नजर रखते हुए शांतिपूर्ण माहौल में कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए पूरी मुस्तैदी दिखाई। जुलूस के मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं सेवा संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों की ओर से स्वागत शिविर लगाए गए। इन शिविरों में जुलूस में शामिल अकीदतमंदों के बीच फल, शरबत, पानी, बिस्किट सहित अन्य सामग्री का वितरण किया गया। सेवा और स्वागत के इस कार्य की लोगों ने सराहना की।

कल मनेगा रक्षाबंधन, सुबह से दिनभर बांधा जा सकेगा रक्षा सूत्र

कल 28 अगस्त को सुबह 10:30 बजे तक पूर्णिमा तिथि, इस बार भद्रा का नहीं रहेगा विशेष प्रभाव

प्रमोद खण्डेलवाल

हजारीबाग। भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष 28 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा। पर्व को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ने लगी है। राखी, मिठाई और उपहारों की खरीदारी के लिए लोग बाजार पहुंच रहे हैं। वहीं घरों में भी रक्षाबंधन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करेंगी। रक्षाबंधन के शुभ समय को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है। इस संबंध में हजारीबाग के प्रसिद्ध आचार्य दीपक पांडेय ने बताया कि इस वर्ष रक्षाबंधन के दिन रक्षा सूत्र बांधने को लेकर विशेष परेशानी नहीं है। प्रातःकाल से लेकर दिनभर बहनें अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांध सकती हैं। अपनी सुविधा और पारिवारिक परंपरा के अनुसार दिन में किसी भी समय रक्षाबंधन का पर्व मनाया जा सकता है।

सुबह 10:30 बजे तक पूर्णिमा तिथि

आचार्य दीपक पांडेय ने बताया कि पूर्णिमा तिथि 28 अगस्त, शुक्रवार को सुबह 10:30 बजे तक रहेगी। रक्षाबंधन पर्व में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व माना जाता है। इसी कारण इस बार पर्व को लेकर लोगों में विशेष उत्साह है। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन के दिन रक्षा सूत्र बांधने के लिए दिनभर का समय अनुकूल रहेगा।

भद्रा का भी नहीं रहेगा विशेष प्रभाव

रक्षाबंधन के अवसर पर भद्रा का विशेष रूप से विचार किया जाता है। मान्यता के अनुसार भद्रा काल में रक्षा सूत्र बांधने से बचने की परंपरा रही है। हालांकि, इस वर्ष रक्षाबंधन के दिन भद्रा का ऐसा विशेष प्रभाव नहीं है, जिसके कारण रक्षा सूत्र बांधने में किसी प्रकार की बाधा हो। इसलिए बहनें श्रद्धा और विश्वास के साथ अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांध सकती हैं।

प्रेम, विश्वास और रक्षा के संकल्प का पर्व

आचार्य दीपक पांडेय ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं है, बल्कि यह भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और स्नेह को मजबूत करने वाला पर्व है। रक्षा सूत्र भाई की कलाई पर बांधते समय बहन उसके सुखी, स्वस्थ और सफल जीवन की कामना करती है। वहीं भाई अपनी बहन की सुरक्षा और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने का संकल्प लेता है। यही भावना इस पर्व को विशेष बनाती है। रक्षाबंधन को लेकर शहर के बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है। रंग-बिरंगी राखियों के साथ मिठाई और उपहारों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। दूर रहने वाले भाई-बहन भी पर्व पर एक-दूसरे से मिलने के लिए घर लौटने की तैयारी में जुटे हैं। पूरे जिले में रक्षाबंधन को लेकर उत्साह का माहौल है।

कुडू में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया ईद मिलादुन्नबी, सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

बिहा संवाददाता

लोहरदगा। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को कुडू प्रखंड क्षेत्र में ईद मिलादुन्नबी का पर्व श्रद्धा, भाईचारे और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। पूरा क्षेत्र धार्मिक नारों से गूंजता रहा। आयोजन को लेकर प्रशासन की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी संतोष उरांव और थाना प्रभारी अजीत कुमार पूरे जुलूस के दौरान मुस्तैद रहे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। जुलूस को सफल बनाने में कुडू प्रखंड की विभिन्न समितियों और जुलूस आयोजन समितियों के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चीरी, टाकू, लापुर, सुंदरू, नतिलो, मिशन, पंडरा, बारीडीह, जोंजरो, कमले, नगड़ाटांड़, जीमा, डुरहत और चेटर समेत पूरे प्रखंड क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान मस्जिद के इमाम ने शांति, सुख-समृद्धि और भाईचारे के लिए प्रार्थना की। उन्होंने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के संदेशों को आगे बढ़ाने तथा समाज में आपसी सद्भाव बनाए रखने की अपील की। जुलूस में शामिल लोगों ने भी शांति और भाईचारे का संदेश दिया। प्रशासन की सतर्कता और आयोजन समितियों के आपसी सहयोग से पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा बेमानी

निर्मल रानी

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हकीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं।

हमारे देश में पिछले एक दशक से भारत को विश्वगुरु बनाने का ढोल पीटा जा रहा है। इसी विमर्श के समानांतर इस समय देश में शिक्षा को लेकर भी बड़ी बहस छिड़ी हुई है। अतः इसी सन्दर्भ में यह सवाल भी जरूरी हो गया है कि क्या शिक्षा के बिना या शिक्षित हुये बिना भी भारत विश्वगुरु बन सकता है ? नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में देशभर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल या तो पूरी तरह बंद किये जा चुके हैं या उनका अन्य स्कूलों में विलय कर दिया गया है। यूडीआईएसई अर्थात यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन के हालिया आंकड़े व नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, एक साल के भीतर देश भर में 4,791 स्कूल बंद हुए हैं। इसकी वजह से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी निजी स्कूलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर हो चुकी है। और जो स्कूल चल भी रहे हैं उनमें से अधिकांश की हालत किसी से छुपी नहीं है। यहाँ अक्टूबर 2022 की गुजरात की उस घटना का जिक्र भी प्रासंगिक है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर के अडालज में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस के शुभारंभ के दौरान अस्थाई रूप से बनाये गये एक मॉडल क्लासरूम में बच्चों के साथ बैठे नजर आये थे। सरकार के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य गुजरात के सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब और डिजिटल बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना बताया गया था। उस समय विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जिस क्लासरूम में बैठे थे, वह एक अस्थायी या कृत्रिम क्लासरूम था। संबंधित तस्वीरों का हवाला देते हुए दीवारों और खिड़कियों के पेंटिंग के स्टिकर होने का दावा किया गया था और इसे फोटो शूट करार दिया था। परन्तु अधिकारियों ने इसके जवाब में यह कहा था कि यह आगामी डिजिटल स्मार्ट स्कूलों का एक मॉडल प्रस्तुतीकरण था जो यह प्रदर्शित करने के लिए था कि भविष्य के क्लास रूम कैसे नजर आयेंगे। तो सवाल यह है कि गत चार वर्षों में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत अब तक उन मॉडल क्लासरूम की तरह देश में कितने आधुनिक क्लासरूम व आधुनिक स्कूल बनाये गये?

दूसरी ओर इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने 25 फरवरी 2020 को नई दिल्ली के मोतीबाग स्थित सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को देखने के लिए कई अन्य विदेशी मेहमान और प्रतिनिधिमंडल भी आ चुके हैं। समय-समय पर विभिन्न देशों के शिक्षाविद, राजनयिक और प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बुनियादी संरचना, कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण करने दिल्ली आते रहे हैं। क्या इसी तरह के आधुनिक सरकारी स्कूल पूरे देश में संचालित नहीं हो सकते? क्या वजह है कि देश के अधिकांश राज्यों में अनेकानेक सरकारी स्कूल भवन जर्जर हैं ? कहीं स्कूल में भैंसों के तबेले हैं तो कहीं पेड़ के नीचे व खुले आसमान तले क्लास लगाई जा रही है। कहीं क्लासरूम नहीं। कहीं अध्यापक नहीं तो कहीं बिजली व पीने का पानी नहीं तो कहीं शौचालय नहीं। कहीं बच्चे रोज नदी पार कर स्कूल आते जाते हैं तो कहीं कीचड़ और दलदल भरी गड्ढेदार सड़कों से गुजर कर स्कूल आना जाना होता है। यदि देश की सरकारें शिक्षा के प्रति गंभीर होतीं और उनका भारत को विश्वगुरु बनाने का ढिंढोरा महज ढोल पीटना न होता तो आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को महाराष्ट्र में शिक्षा पर घटते बजट और सरकारी मराठी माध्यम के स्कूलों के बंद होने पर गहरी चिंता जताते हुये यह न कहना पड़ता कि नासिक कुंभ मेले के लिए लगभग रू.32,000 करोड़ का भारी-भरकम बजट तय किया गया है। अगर इस राशि का मात्र 0.1% यानी लगभग रू.32 करोड़ भी शिक्षा पर खर्च किया जाता, तो राज्य के 100 से 125 बंद हो रहे मराठी स्कूलों को बचाया जा सकता था। आखिर जस्टिस प्रसन्ना को क्यों कहना पड़ा कि देश में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन शिक्षा का बजट बढ़ने के बजाय घट रहा है, जो पिछले कई वर्षों से 13% के आंकड़े को भी नहीं छू सका है । उन्होंने गढ़चिरौली की एक घटना का उदाहरण भी दिया जहां जरूरी सुविधाओं की कमी के कारण फर्श पर सोने की वजह से तीन छात्राओं की सांप के काटने से मौत हो गई थी। जस्टिस प्रसन्ना ने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई जिला परिषद के मराठी मीडियम स्कूल से की थी, जिसने उनके करियर में कभी बाधा नहीं डाली बल्कि उनके दृष्टिकोण को और व्यापक बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है।

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हकीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं। जैसेकि राजस्थान के रामपुरा के उस स्कूल का नवनिर्माण करने का फैसला किया गया है जहाँ कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकताओं के साथ सत्ता के समर्थक गुंडों ने मारपीट की थी। यह स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहा था। स्कूल की इमारत जर्जर होने के कारण एक स्थानीय ग्रामीण ने अपनी निजी जगह दी हुई है, इसी जगह भैंसों का चारा भी रखा जाता है और बच्चे भी पढ़ते हैं। पंजाब से भी खबर है कि सरकार ने स्कूलों के अनेक नए भवन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन ग्रीनफील्ड भवनों का निर्माण मौजूदा जमीनों से परे अन्य खाली जमीनों पर नए सिरे से किया जाएगा। हरियाणा में भी शिक्षा मंत्री द्वारा सरकारी स्कूल्स का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लेने व विद्यार्थियों से संवाद करने की खबर है। Gen Z और युवा पीढ़ी के आंदोलन से ही सही परन्तु शायद अब सत्ताधीशों को यह बात समझ आने लगी है कि शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा पूरी तरह बेमानी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ज़हर बांटते उद्योग

कुछ उद्यमी मुनाफे की अंधी हवस में इतने स्वार्थी हो जाते हैं कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले कचरे को साफ किए बिना ही जलधाराओं में बहा देते हैं। जबकि उनकी नैतिक व कानूनी जिम्मेदारी बनती है कि उनकी फैक्ट्रियों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ पर्यावरण व नदी-नालों को प्रदूषित न करें। हिमाचल प्रदेश स्थित बद्दी-नालागढ़ इलाके में कई औद्योगिक इकाइयां नदियों में जहरीले रसायन लगातार बहाती रही हैं। यह प्रदूषणकारक कचरा सिरसा नदी में बहा दिया जाता है, जो कालांतर सतलुज नदी में चला जाता है। यही वजह है कि आज सतलुज का प्रदूषित पानी जो चेतावनी दे रहा है उसे पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सरकारें भी नजरअंदाज नहीं कर सकती हैं। इसी आने वाले संकट के मद्देनजर ही बद्दी-नालागढ़ इलाके की अज्ञात औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जो मामले की गंभीरता को ही दशार्ता है। निस्संदेह, यह संकट कोई नई समस्या नहीं हैं। जो हमारे पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियम व कानूनों को लागू करने में तंत्र की बार-बार होने वाली विफलता को ही दशार्ता है। बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र से होने वाले औद्योगिक प्रदूषण के प्रामाणिक रिकॉर्ड कई सालों से मौजूद हैं। दरअसल, यह जहरीला कचरा इस औद्योगिक क्षेत्र से गुजरने वाली सिरसा नदी में डाल दिया जाता है। सिरसा नदी इन प्रदूषक तत्वों को आगे की ओर बहा ले जाती है। कालांतर यह सतलुज नदी में जाकर मिल जाता है। इस बाबत कई बार जांच भी की गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की कार्यवाही में बिना ट्रीट किए गए रसायनयुक्त कचरे व ठीक से ट्रीट न किए गए कचरे के बारे में उल्लेख किया गया है। ट्रिब्यूनल ने नियमों का पालन न करने वाली इकाइयों तथा ट्रीटमेंट सिस्टम की खामियों की ओर इशारा किया है। दरअसल, फार्मास्युटिकल प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि पारंपरिक ढंग से ट्रीटमेंट करने वाले सिस्टम से सक्रिय फार्मास्युटिकल तत्व और एंटीबॉयोटिक के अवशेष पूरी तरह से नहीं हट पाते हैं। दरअसल, हाल के प्रकरण से एक और परेशान करने वाली विरोधीभासी बात सामने आई है। इस बाबत सूचना मिली थी कि रोपड़ हेडवर्क्स पर भारी मात्रा में जमा कचरे को नदी के बहाव की दिशा में बेफिक्री से छोड़ दिया गया। निस्संदेह, यदि यह कचरा नुकसानदायक था, तो इसे नदी में छोड़ने से समस्या महज एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित ही हुई है। कायदे से हेडवर्क्स में जमा कचरे की वैज्ञानिक तौर-तरीकों से निगरानी की जानी चाहिए थी। सही मायने में प्रदूषणकारक कचरे को ठिकाने लगाने से पहले उसके सैंपल लेकर उसकी जांच-पड़ताल की जानी जरूरी थी। निश्चित रूप से यह संकट बड़ा है और तत्काल इसका समाधान किया जाना चाहिए था। वास्तव में इस मामले को हिमाचल बनाम पंजाब के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल नहीं बनने दिया जाना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि दोनों सरकारें मिलकर प्रदूषण फैलाने वाले कचरे का वास्तविक स्रोत तलाशें क्योंकि अभी तक कचरे के असली स्रोत का पता नहीं चल सका है।

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

आतंकवाद के लिए खाद पानी है नशीले द्रव्यों की तस्करी!

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में नशीले पदार्थों (ड्रग्स) की तस्करी देश की आंतरिक सुरक्षा, जन स्वास्थ्य और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए एक अत्यंत गंभीर संकट बन चुकी है। भौगोलिक रूप से भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्रों - पश्चिम में गोल्डन क्रेसेंट (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान) और पूर्व में गोल्डन ट्रायंगल (म्यांमार, लाओस, थाईलैंड) के बीच स्थित है। इस संवेदनशील स्थिति के कारण देश में सीमा पार से बड़े पैमाने पर अवैध नशीले पदार्थों की आमद हो रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी में भारत की भौगोलिक स्थिति भी खासा जिम्मेदार है पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार से सटी खुली और जटिल जमीनी सीमाएं निगरानी के लिए एक बड़ी चुनौती है ।तस्करों द्वारा गुजरात और दक्षिणी राज्यों के विशाल तटीय क्षेत्रों का दुरुपयोग किया जा रहा है ।अब नशे के सौदागर तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं डार्कनेट क्रिप्टो करेंसी और सीमा पार से ड्रग्स गिराने के लिए ड्रोन का बढ़ता प्रयोग खतरा बढ़ा रहे हैं वहीं पारंपरिक अफीम-गांजे के स्थान पर हेरोइन, कोकीन और मेथामफेटामाइन जैसे घातक रसायनों सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ता चलन भी समस्या बन रहा है।

आपको बता दें कि देश में नशे और नशीले पदार्थों की तस्करी ने एक बार फिर केन्द्र और राज्यों की सरकारों को स्तब्ध किया है। नशीले पदार्थों की यह तस्करी का बड़ा हिस्सा पड़ोसी देश पाकिस्तान के माध्यम से सीमा पार से ड्रोनों के जरिये किया जाता है। नशे को लेकर किये गये एक व्यापक सर्वेक्षण के अनुसार पाकिस्तान एक प्रकार से नशीले पदार्थों के भण्डारण का केन्द्र बन गया है जहां से इन पदार्थों का बहुत बड़ा भाग भारत के पंजाब प्रांत में ड्रोनों के जरिये खपाया जाता है। भारत से फिर यह सामान तस्करी के जरिये कई अन्य देशों में भेजा जाता है जहां इसकी बड़ी मांग होती है। पाकिस्तान से भारत में पंजाब सीमा के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी यूं तो दशकों पूर्व से की जाती आ रही है। कभी नावों के माध्यम से, कभी सुरंगों के जरिये पाकिस्तानी पंजाब के सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम और हेरोइन की तस्करी की जाती रही है। तथापि, आजकल नावों का कार्य ड्रोनों से लिया जाने लगा है। ड्रोनों के जरिये पाकिस्तानी सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम, हेरोइन के साथ हथियारों की खेप भेजना जैसे आम बात हो गई है।वैसे तो नशे के लिए अफीम, चरस, कोकीन आदि अनेकानेक द्रव्यों एवं पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है किन्तु वर्तमान में हेरोइन सर्वोत्तम नशीला पदार्थ बन गया है। हाल ही में एक और बड़ा खतरनाक नशीला पदार्थ आईस भी बड़ी चर्चा में आया है। विगत कई वर्षों से हेरोइन की तस्करी और इसके सेवन की मात्रा में निरन्तर वृद्धि हुई है। इसका बड़ा प्रमाण इस एक तथ्य से मिल जाता है कि इन दिनों सीमाओं पर विशेष सुरक्षा चौकसी होने के बावजूद तस्करी से बरामद होने वाली खेपों की संख्या और मात्रा बढ़ गई है। इसके लिए तस्करों द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जाने लगा है। सीमा सुरक्षा बलों की निरन्तर चौकसी और सतर्कता के बावजूद ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले पांच वर्षों में पंजाब सीमा पर ड्रोन तस्करी की घटनाएं बढ़ कर तीन से 304 प्रति वर्ष तक हो गई हैं। नशीले पदार्थों की तस्करी के संबंध में स्थितियों की गम्भीरता को पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा की गई इस एक कठोर टिप्पणी से बेहतर समझा जा सकता है कि नशे का यह सम्पूर्ण कारोबार महज एक आपराधिक कार्य मात्र नहीं रह गया, अपितु राष्ट्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

यूं तो नशे के सेवन और नशीले पदार्थों की तस्करी से गुजरात, महाराष्ट्र, हिमाचल, चंडीगढ़, राजधानी दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान जैसे प्रदेश बड़ी समस्या से जूझ रहे हैं किन्तु पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आ रहा है। प्रदेश के युवाओं में नशे की समस्या एक गम्भीर संकट के रूप में उभर रही है। पंजाब सरकार की पुनर्वास योजनाओं के तहत प्रदेश का पुलिस तंत्र युवाओं को इस महारोग से बचाने के लिए भरसक यत्न कर रहा है किन्तु यह समस्या एक ऐसे बिगड़ैल घोड़े के समान हो गई है कि जिसकी नाक में आसानी से नकेल नहीं डाली जा सकती।

अभी हाल में अमृतसर के थाना लोपोके क्षेत्र में सीमा पार से आई लगभग 180 करोड़ रुपये की 19 किलो हेरोइन के साथ महिला सहित तीन तस्करों को हिरासत में लिया गया। नशा तस्करी में यह भी एक नई प्रवृत्ति सामने आई है कि अवयस्क बालकों को थोड़े से लालच के वशीभूत इस गैर-कानूनी कार्य में शामिल किया जा रहा है। महिलाओं एवं बच्चों की शमूलियत से इस अवैध क्रिया-कलाप को एक नया मोड़ मिला है। पिछले कुछ समय में पंजाब में पुलिस ने नशा तस्करी से जुड़े कई अवयस्कों और महिलाओं को भी हिरासत में लिया है। प्रदेश सरकार ने अपने ऑपरेशन प्रहार के दौरान लगभग 4000 तस्करों-गैंगस्टरों को गिरफ्तार भी किया है। इतने बड़े स्तर पर तस्करों की गिरफ्तारी, इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन की खेपों की बरामदगी से तस्करी पर काबू पाये जाने की सम्भावना बनती है, किन्तु इतनी बड़ी बरामदगी और बड़े स्तर पर युवाओं और अव्यवस्कों की भागीदारी से इस कारोबार की भीषणता भी जाहिर होती है। पंजाब सरकार के प्रहार अभियानों और प्रदेश के पुलिस तंत्र की सक्रियता से बेशक प्रदेश के लोगों के मन में आशा और विश्वास की एक लकीर उपजते दिखाई देती है, किन्तु हम समझते हैं कि लक्ष्य एवं उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाना भी बहुत जरूरी है। पुलिस तंत्र की सक्रियता कागजों में भी हो, किन्तु धरातल पर उसे दिखाई भी अवश्य देना चाहिए। कानून के हाथ लम्बे होते हैं, किन्तु ये हाथ अपराधियों और तस्करों के गिरेबान तक पहुंचने भी तो चाहिएं। कुछ भी हो अथवा कुछ भी किया जाए, देश को नशीले पदार्थों की तस्करी की इस लानत से मुक्ति मिलनी चाहिए।

देश की कामकाजी आबादी खासकर युवा और कालेज छात्र छात्राएं स्कूली बच्चे इसकी चपेट में आकर मानसिक और शारीरिक रूप से पंगु हो रहे हैं।नारको-टेररिज्म जड़ जमा रहा है। ड्रग्स की तस्करी से होने वाली अवैध कमाई का इस्तेमाल सीधे तौर पर भारत विरोधी आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद की फंडिंग में किया जाता है। नशे की दैनिक तलब पूरी करने के लिए युवा चोरी, लूटपाट और संगठित अपराधों के रास्ते पर जा रहे हैं। अवैध काले धन और हवाला कारोबार के कारण देश की मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचता है।

ऐसा नहीं है कि सरकार को नशीले द्रव्यों की तस्करी और उसके कारण हो रही बबार्दी का भान नहीं है सरकार ने इस ओर नियंत्रण के लिए की प्रभावी कदम उठाए हैं। खुद प्रधानमंत्री ने अपने राष्ट्रीय संबोधन में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और नशे के दुष्परिणामों से युवाओं को आगाह किया है। भारत सरकार ने नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है. गृह मंत्रालय ने अगले 3 वर्षों में देश को पूरी तरह ड्रग-मुक्त बनाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026 - 2029 जारी किया है।हाल ही में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने यूएई से ?1,000 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के मास्टरमाइंड वीरेंद्र सिंह बसोया का सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण कराया गया है।डिजिटल कवच बनाया गया है नागरिकों की मदद के लिए राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 मानस शुरू की गई है, जिस पर लोग सीधे तस्करी की गुप्त सूचनाएं दे सकते हैं। तस्करों की संपत्तियों को कुर्क करने और पीआइटीएनडीपीएस अधिनियम के तहत आदतन अपराधियों को बिना जमानत जेल में रखने की कार्रवाई तेज कर दी गई है अभी और अधिक असरदार कारवाई और सख्ती की जरूरत है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

यूपीआई@10: भुगतान की दुनिया में भारत का नया अध्याय

सुनील कुमार महला

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआइ) द्वारा विकसित यूपीआई यानी कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस भारत की एक तत्काल डिजिटल भुगतान प्रणाली है। सरल शब्दों में कहें तो यह वह माध्यम है, जिसके माध्यम से मोबाइल फोन से एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में तुरंत पैसे भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत में यूपीआई को 11 अप्रैल 2016 को तत्कालीन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया(आरबीआई) गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने मुंबई में लॉन्च किया था। हालाँकि, आम लोगों के लिए यूपीआई सेवाएँ अगस्त 2016 से व्यापक रूप से उपलब्ध हुईं। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में यूपीआई ने अपने 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यूपीआई ने भारत के डिजिटल भुगतान को पूरी तरह बदल दिया है।सच तो यह है यूपीआई आज भारत के दैनिक डिजिटल भुगतान तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। दूसरे शब्दों में कहें तो आज यूपीआई का उपयोग हर कहीं पर दुकानों और बाजारों में सामान खरीदने, रेस्तरां व होटल के बिल चुकाने, ऑनलाइन खरीदारी, मोबाइल रिचार्ज, बिजली-पानी-गैस जैसे उपयोगिता बिलों के भुगतान, रेल-बस-विमान टिकट बुकिंग, स्कूल-कॉलेज की फीस, अस्पतालों में भुगतान तथा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक डिजिटल लेन-देन में यूपीआई का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है। यानी आज यूपीआई भारत के दैनिक जीवन में नकद भुगतान के एक आसान, तेज और सुविधाजनक डिजिटल विकल्प के रूप में स्थापित हो चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि अन्य देशों की तुलना में भारत का यूपीआई डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में असाधारण पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2026 में यूपीआई दुनिया के लगभग 49% रियल-टाइम भुगतान लेन-देन को संभाल रहा है, यानी दुनिया में होने वाले लगभग हर दो तत्काल डिजिटल भुगतानों में एक यूपीआई के माध्यम से होता है। भारत में इसकी मात्रा भी तेजी से बढ़ी है और वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई पर करीब 24,162 करोड़ लेन-देन हुए। मई 2026 में अकेले यूपीआई ने 23,201.93 मिलियन यानी लगभग 2,320 करोड़ लेन-देन किए, जिनका कुल मूल्य करीब रू.29.90 लाख करोड़ रहा। इस तुलना में भारत की खासियत यह है कि यूपीआई केवल बड़े शहरों या बड़े कारोबार तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाले, ग्रामीण उपभोक्ता और आम नागरिक तक इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यूपीआई अब 11 देशों में भी उपलब्ध है और वैश्विक स्तर पर भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था का एक प्रमुख उदाहरण बन चुका है। अन्य शब्दों में कहें तो वर्ष 2016 में शुरू हुई यह व्यवस्था आज देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है। पहले जहां डिजिटल भुगतान सीमित था, वहीं अब चायवाले, सब्जीवाले, छोटे दुकानदार और आम लोग भी आसानी से यूपीआई से पैसे ले-दे रहे हैं। एक दशक में यूपीआई लेन-देन में हुई भारी वृद्धि इसकी लोकप्रियता और लोगों के भरोसे को दिखाती है।यूपीआई से बैंकिंग आसान, तेज और सुविधाजनक हुई है। लोगों को नकदी निकालने के लिए बैंक जाने या लंबी कतार में खड़े होने की जरूरत कम हुई है। आज पलभर में ही दूर बैठे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजे जा सकते हैं। इतना ही नहीं, नकदी कम रखने से चोरी और लूट का जोखिम भी घटा है। डिजिटल भुगतान से लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाने में मदद मिली है।यूपीआई की सफलता के पीछे डिजिटल इंडिया अभियान और इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार भी महत्वपूर्ण रहा है। देश में मोबाइल और ब्रॉडबैंड की पहुंच बढ़ने से डिजिटल भुगतान आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। यही कारण है कि दूसरे देश भी यूपीआई जैसी भारतीय डिजिटल भुगतान व्यवस्था में रुचि दिखा रहे हैं।हालांकि, अभी कुछ चुनौतियां बाकी हैं। बैंक का सर्वर डाउन होना, अधिक ट्रैफिक के कारण भुगतान अटकना और गलती से गलत व्यक्ति को पैसे भेज देना जैसी समस्याएं लोगों के लिए परेशानी पैदा करती हैं। इन समस्याओं का स्थायी समाधान जरूरी है। कुल मिलाकर, यूपीआई केवल पैसे भेजने और लेने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल प्रगति और आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता का प्रतीक बन चुका है। दस साल की इसकी यात्रा बताती है कि जब तकनीक को आम आदमी की जरूरतों से जोड़ा जाता है, तो

वह समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। सच तो यह है कि यूपीआई के दस वर्ष केवल किसी डिजिटल भुगतान प्रणाली की सफलता के दस वर्ष नहीं, बल्कि भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और डिजिटल परिवर्तन की एक उल्लेखनीय यात्रा हैं। इसने भुगतान को सरल, त्वरित और व्यापक बनाया तथा छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी तक को एक साझा डिजिटल मंच दिया। आज दुनिया के अनेक देश यूपीआई में रुचि ले रहे हैं और कई देशों में इसका उपयोग भी शुरू हो चुका है। यूपीआई ने साबित किया है कि भारत केवल डिजिटल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि दुनिया को बड़े पैमाने पर अपनाने योग्य डिजिटल समाधान देने वाला देश भी है। आने वाले वर्षों में इसकी सफलता का अगला पड़ाव केवल लेन-देन की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सुरक्षित, समावेशी और वैश्विक डिजिटल भुगतान व्यवस्था को और मजबूत करना होगा।

विरासत को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू : विश्व धरोहर सूची तक सारनाथ का गौरवपूर्ण सफर

बिहान भारत

दक्षिण कोरिया के बुसान में विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल को शामिल किया गया है। इसके साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक और वैश्विक मान्यता मिली है। सारनाथ में भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था और ये उनके जीवन से जुड़े चार प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। इस उपलब्धि के साथ भारत में यूनेस्को विश्व धरोहर संपत्तियों में संख्या 45 हो गई है। अब हमारा देश विश्व स्तर पर छठे और एशिया प्रशांत क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है। यह बौद्ध धर्म के जन्मस्थान के रूप में भारत की पहचान और उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य की विरासत को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

भारत की विरासत के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि

विरासत अतीत की याद दिलाने से कहीं अधिक है। यह वर्तमान को आकार देती है और भविष्य का मार्गदर्शन करती है। यह उन कहानियों, परंपराओं और मूल्यों को दशार्ती है जिन्हें समुदाय संरक्षित करते हैं और पीढ़ियों तक पहुंचाते हैं। सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत पहचान, ज्ञान और प्रेरणा के अपूरणीय स्रोत हैं।

25 जुलाई 2026 की शाम, दक्षिण कोरिया के बुसान में विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में, सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया। इस उपलब्धि के साथ, भारत में अब यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त 45 विश्व धरोहर संपत्तियां हो गई हैं। यह मान्यता विश्व धरोहर सूची में एक नई प्रविष्टि से कहीं अधिक है। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न है, जो विविध परंपराओं, उल्लेखनीय वास्तुकला और एक लंबे इतिहास को संजोए हुए है। यह विश्व विरासत सम्मेलन की भावना को भी पुष्ट करती है, जो 196 देशों के दलों में वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के स्थानों की रक्षा करना चाहती है।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन को यूनेस्को के नाम से जाना जाता है। ये मानवता के लिए असाधारण मूल?यों सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की पहचान, संरक्षण और संरक्षण को बढ़ावा देता है। यह प्रतिबद्धता विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण से संबंधित समझौते में निहित है, जो 1972 में यूनेस्को द्वारा अपनाया गया था।

जुलाई 2026 तक, यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में 173 देशों की 1,273 संपत्तियां शामिल थीं, इनमें 991 सांस्कृतिक, 240 प्राकृतिक और 42 मिश्रित स्थल शामिल हैं। अक्टूबर 2024 तक, 196 सदस्य देशों ने विश्व धरोहर समझौते को मंजूरी दी है, इससे यह संयुक्त राष्ट्र की किसी भी एजेंसी द्वारा सबसे ज्यादा सराहे और माने जाने वाले समझौतों में से एक बन गया है।

राष्ट्रीय सीमाओं से परे तक फैला हुआ विश्व विरासत का विचार अद्वितीय है। ये स्थल अलग-अलग देशों के क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं फिर भी इनका महत्व पूरी मानवता का है। इन्हें एक साझा विरासत के रूप में पहचाना जाता है और इन?हें आने वाली पीढ़ियों के लिए बनाए रखने के लिए सामूहिक देखभाल और सुरक्षा मिलनी चाहिए।

सारनाथ की कहानी

सारनाथ बौद्ध परंपरा में विशेष स्थान रखता है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित, यह बौद्ध तीर्थयात्रा के चार प्रमुख स्थलों में से एक है। यूनेस्को की विश्व धरोहर शिलालेख में दो जुड़े हुए घटक शामिल हैं: चौखंडी स्तूप और सारनाथ के पुरातात्विक अवशेष। पुरातात्विक परिसर में धमेक स्तूप, धर्मराजिका स्तूप, मूलगंधकुटी विहार, अशोक स्तंभ और कई अन्य प्राचीन अवशेष शामिल हैं। साथ में, वे इस प्राचीन स्थल के ऐतिहासिक परिदृश्य को संरक्षित करते हैं।

बौद्ध परंपरा में ऋषिपतन, इशिपतन और मृगदेव के रूप में जाना जाता है, सारनाथ वह स्थान है जहां गौतम बुद्ध ने 6 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में अपना पहला उपदेश दिया था। धर्मचक्र प्रवर्तन या ?प्रगति के पथ पर नया मोड़? के रूप में जाना जाने वाला यह उपदेश बौद्ध संघ की शुरूआत और आर्य अष्टांगिक मार्ग के सिद्धांतों की स्थापना की पहचान करता है।

सदियों से, सारनाथ का विकास शाही, मठवासी और सामान्य संरक्षण के माध्यम से हुआ। बुद्ध के पहले उपदेश और उनके पहले पांच शिष्यों के साथ उनकी मुलाकात से जुड़े स्थान के चारों ओर कई स्तूपों, मंदिरों और विहारों का निर्माण किया गया था। यह स्थल लगभग सोलह शताब्दियों के निरंतर विकास को दशार्ता है। इसके स्मारक चौथी-तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के मौर्य काल से लेकर 12वीं शताब्दी ईस्वी तक के हैं, जब सारनाथ का पतन हो गया और नष्ट हो गया। 18 वीं शताब्दी में इसकी पुनर्खोज तक यह जगह अनदेखी रही।

मान्यता का मार्ग

सारनाथ की विश्व धरोहर मान्यता की यात्रा एक लंबी और सावधानीपूर्वक प्रक्रिया रही है। इस प्राचीन स्थल को 1998 में भारत की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल किया गया था।

इसके शिलालेख का प्रस्ताव जनवरी 2025 में विश्व धरोहर समिति द्वारा विचार के लिए प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद अठारह महीने की लंबी प्रक्रिया शुरू हुई। इसमें यूनेस्को के सलाहकार निकायों के साथ तकनीकी बैठकें और प्रस्तावित संपत्ति की योग्यता की समीक्षा करने के लिए आईसीओएमओएस द्वारा एक मूल्यांकन मिशन शामिल था।

आईसीओएमओएस, यूनेस्को के सलाहकार निकायों में से एक के रूप में कार्य करते हुए, शिलालेख के लिए प्रस्तावित सांस्कृतिक और मिश्रित संपत्तियों का मूल्यांकन प्रदान करता है। इस प्रक्रिया का समापन दक्षिण कोरिया के बुसान में विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय के साथ हुआ।

सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची (विश्व धरोहर सम्मेलन के ढांचे के तहत) के मानदंड (iii) और (vi) के तहत नामित किया गया था।

मानदंड (iii) बौद्ध तीर्थयात्रा के चार प्रमुख स्थलों में से एक के रूप में सारनाथ के स्थायी आध्यात्मिक महत्व को मान्यता देता है। यह सदियों से साइट पर निर्मित और पुनर्निर्माण की गई कई धार्मिक इमारतों और स्मारकों में परिलक्षित होता है।

मानदंड (vi) बुद्ध के जीवन में होने वाली घटनाओं के साथ सारनाथ के प्रत्यक्ष और मूर्त जुड़ाव को पहचानता है जो बौद्ध समुदाय के लिए उत्कृष्ट महत्व रखते हैं। इनमें उनका पहला उपदेश और बोधगया में बोधि (ज्ञान) प्राप्त करने के बाद उनके पहले शिष्यों के साथ उनकी भेंट शामिल है। सदियों से सारनाथ में निर्मित कई संरचनाएं इन घटनाओं के निरंतर महत्व, बुद्ध की शिक्षाओं और त्रिरत्न की अवधारणा को दशार्ती हैं।

शिलालेख विश्व धरोहर सम्मेलन के व्यापक उद्देश्य को भी दशार्ता है। यूनेस्को वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य की विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देना चाहता है।

सारनाथ: शांति की वैश्विक विरासत

सारनाथ का एक पुरातात्विक स्थल से कहीं अधिक महत्व है। यह जापान, थाईलैंड, श्रीलंका, म्यांमार, वियतनाम, दक्षिण कोरिया, कंबोडिया, मंगोलिया और कई अन्य देशों के बौद्धों के लिए एक वैश्विक तीर्थ स्थल बना हुआ है। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित बौद्ध तीर्थस्थलों में से एक के रूप में, यह बौद्ध धर्म के जन्मस्थान के रूप में भारत की पहचान को मजबूत करता है और बौद्ध देशों के साथ सांस्कृतिक सम्बंधों और अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव के लिए एक सेतु के रूप में कार्य करता है।

सारनाथ के शिलालेख के साथ, बुद्ध के जीवन से जुड़े चार प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों में से तीन अब यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं। इनमें नेपाल में लुंबिनी, बिहार में बोधगया में महाबोधि मंदिर और उत्तर प्रदेश में सारनाथ शामिल हैं। वे भारत में सांची, नालंदा और अजंता, श्रीलंका में अनुराधापुरा, बांग्लादेश में पहाड़पुर और वर्तमान पाकिस्तान में तक्षशिला और तख्त-ए-बाही सहित अन्य महत्वपूर्ण बौद्ध विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हो गए हैं। यह मान्यता सारनाथ के उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य की रक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करती है। सरकार पर्यटन का स्थायी प्रबंधन करेगी और भविष्य की पीढ़ियों के लिए साइट की प्रामाणिकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए बफर जोन के भीतर अनियोजित विकास को रोकेगी।

भारत की विरासत की सफलता को सक्षम करना

प्रत्येक सफल नामांकन के पीछे वर्षों का संस्थागत आधार होता है। विश्व धरोहर संपत्तियों के प्रति भारत का दृष्टिकोण केंद्रीय एजेंसियों, राज्य सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के बीच घनिष्ठ समन्वय पर निर्भर करता है।

Source: Department of Culture, Uttar Pradesh

संस्कृति मंत्रालय

संस्कृति मंत्रालय सांस्कृतिक मामलों पर यूनेस्को के साथ भारत के सम्बंध का नेतृत्व करता है। यह यूनेस्को के सांस्कृतिक सम्मेलनों के तहत भारत की प्रतिबद्धताओं को लागू करता है और विश्व धरोहर स्थलों और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत तत्वों के लिए नामांकन का समन्वय करता है। मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय विरासत संरक्षण मानकों को भी बढ़ावा देता है और यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग के माध्यम से सांस्कृतिक कूटनीति को मजबूत करता है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भारत सरकार की ओर से विश्व विरासत से सम्बंधित मामलों के लिए नोडल एजेंसी है। यह 28 विश्व धरोहर संपत्तियों सहित 3688 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव करता है। इसके कार्य में पेयजल, शौचालय, रास्ते और भूनिर्माण जैसी आगंतुक सुविधाएं प्रदान करने के अलावा प्राचीन संस्मारक और पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 और पुरावशेष और कला निधि अधिनियम, 1972 नामक दो कानूनों को लागू करना भी शामिल है। प्रत्येक स्मारक की आवश ?यकताओं और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर नियमित रूप से संरक्षण और रखरखाव किया जाता है।

भारत की विश्व धरोहर सूची में विस्तार

हमारी विरासत सिर्फ पत्थरों, लिपियों या खंडहरों तक सीमित नहीं है। यह मंदिर की दीवार की प्रत्येक फुसफुसाहट में है, प्राचीन किलों कि नक्काशियों और पीढ़ियों से चले आ रहे हर लोक गीत में यह झलकती है। यह भारत की सभ्यता की कहानी बताती है और देश की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को दशार्ती है।

देश औय विश्व धरोहर स्थल (जुलाई 2026 तक)

इटली 62,चीन 61 फ्रांस 56 जर्मनी 55 स्पेन 50 भारत 45 मेक्सिको 36 यूनाइटेड किंगडम 35 रूस 33

आज, भारत 45 यूनेस्को विश्व धरोहर संपत्तियों का घर है, इसमें 37 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं। यह देश को विश्व स्तर पर छठे और एशिया प्रशांत क्षेत्र में दूसरे स्थान पर रखता है।

भारत की पहली प्रविष्टियां एक ही वर्ष में आईं। ताजमहल, एलोरा गुफाओं और अजंता गुफाओं के साथ आगरा का किला 1983 में शामिल किया गया था, इससे एक सूची खुल गई थी जो तब से किलों, मंदिरों, गुफाओं, रेलवे, बावड़ियों, नियोजित शहरों और राष्ट्रीय उद्यानों को कवर करने के लिए विकसित हुई है।

पिछले साल, पेरिस में यूनेस्को मुख्यालय में आयोजित विश्व धरोहर समिति के 47 वें सत्र में भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य को शामिल किया गया था। बुसान में 48वें सत्र में इस वर्ष सारनाथ के शामिल होने के साथ, भारत की संख्या अब 45 संपत्तियों तक पहुंच गई है, इससे देश विश्व स्तर पर छठे स्थान पर और एशिया प्रशांत क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है। भारत की अस्थायी सूची भी बढ़ कर अब 69 संपत्तियों तक पहुंच गई है। यह भविष्य में किसी भी विश्व धरोहर नामांकन के लिए अनिवार्य पहला कदम है।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल

भारत ने अपनी विशाल सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा, पुनर्स्थापना और संवर्धन के लिए कई सार्थक कदम उठाए हैं। ये पहल देश की कालातीत परंपराओं और ऐतिहासिक खजानों की सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। संरक्षण, डिजिटलीकरण, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और जनभागीदारी में केंद्रित प्रयासों के माध्यम से भारत की समृद्ध विरासत की रक्षा की जा रही है।

पुरावशेषों की पुनर्प्राप्ति

भारत में 2014 के बाद से 656 सहित कुल 669 पुरावशेष वापस लाए गए हैं। इस प्रयास में संस्कृति मंत्रालय, एएसआई, भारतीय मिशन और प्रवर्तन एजेंसियां शामिल हैं। हाल ही में, 657 भारतीय कला वस्तुओं को अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा भारतीय दूतावास को सौंपा गया था। प्रमुख वापसी में चोल-काल के शिव नटराज, परवाई के साथ संत सुंदरर और सोमस्कंद शामिल हैं।

विरासत अपनाएं

सितंबर 2017 में शुरू और सितंबर 2023 में नया रूप वाला एडॉप्ट ए हेरिटेज 2.0 कार्यक्रम निजी कंपनियों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, गैर सरकारी संगठनों, ट्रस्टों और समाजों के साथ सहयोग के लिए एक रूपरेखा तैयार करता है।

यह राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारकों में आगंतुक-अनुकूल सुविधाओं को विकसित करने और बनाए रखने पर केंद्रित है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) और अन्य योगदानों के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य आगंतुक अनुभव को बेहतर बनाना है।

मार्च 2026 तक, 'अडॉप्ट अ हेरिटेज 2.0' प्रोग्राम के तहत कुल 30 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

यह कार्यक्रम पहले से ही बेहतर साइट प्रबंधन और बढ़ी हुई सार्वजनिक भागीदारी के संदर्भ में दृश्यमान परिणामों का प्रदर्शन कर रहा है। यह गोद लिए गए स्मारकों में आगंतुकों की मजबूत भागीदारी में परिलक्षित होता है, इससे सामूहिक रूप से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 13.59 मिलियन आगंतुकों की उपस्थिति दर्ज हुई है।

ये आंकड़े आगंतुकों की मजबूत रुचि को दशार्ते हैं और सुझाव देते हैं कि कार्यक्रम के तहत बेहतर सुविधाएं, सेवाएं और ऑन-साइट सुविधा आगंतुकों के बेहतर अनुभव और गोद लिए गए विरासत स्थलों पर उच्च जुड़ाव में योगदान दे रही हैं।

भारत में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची:

वर्ष	स्थल/राज्य	केन्द्र शासितप्रदेश	श्रेणी
1983	आगरा का किला	उत्तर प्रदेश	सांस्कृतिक
1983	अजंता की गुफाएं	महाराष्ट्र,	सांस्कृतिक
1983	एलोरा की गुफाएं	महाराष्ट्र	सांस्कृतिक
1983	ताजमहल	उत्तर प्रदेश	सांस्कृतिक
1984	कोणार्क का सूर्य मंदिर	ओडिशा,	सांस्कृतिक
1984	महाबलीपुरम के स्मारक समूह	तमिलनाडु	सांस्कृतिक
1985	काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	असम	प्राकृतिक
1985	केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	राजस्थान	प्राकृतिक
1985	मानस वन्यजीव अभयारण्य	असम	प्राकृतिक
1986	खजुराहो स्मारक समूह	मध्य प्रदेश	सांस्कृतिक
1986	फतेहपुर सीकरी	उत्तर प्रदेश	सांस्कृतिक
1986	गोवा के चर्च और कॉन्वेंट	गोवा	सांस्कृतिक
1986	हम्पी के स्मारक समूह	कर्नाटक	सांस्कृतिक
1987	सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान	पश्चिम बंगाल	प्राकृतिक
1987	एलिफेंटा की गुफाएं	महाराष्ट्र	सांस्कृतिक
1987	पट्टदकल के स्मारक समूह	कर्नाटक	सांस्कृतिक
1987, 2004	महान जीवित चोल मंदिर	तमिलनाडु	सांस्कृतिक
1988, 2005	नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान	उत्तराखंड	प्राकृतिक
1989	सांची के बौद्ध स्मारक	मध्य प्रदेश	सांस्कृतिक
1993	हुमायूं का मकबरा, दिल्ली	दिल्ली	सांस्कृतिक
1993	कुतुब मीनार और उसके स्मारक, दिल्ली	दिल्ली	सांस्कृतिक
1999, 2005, 2008	भारत की पर्वतीय रेलगाड़ियां	पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश	सांस्कृतिक
2002	बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर	बिहार	सांस्कृतिक
2003	भीमबेटका की गुफाएं (रॉक शेल्टर)	मध्य प्रदेश	सांस्कृतिक
2004	चंपानेर-पावागढ़ पुरातत्व पार्क	गुजरात	सांस्कृतिक
2004	छत्रपति शिवाजी टर्मिनस	महाराष्ट्र	सांस्कृतिक
2007	लाल किला परिसर	दिल्ली	सांस्कृतिक
2010	जंतर-मंतर, जयपुर	राजस्थान	सांस्कृतिक
2012	पश्चिमी घाट	कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु	प्राकृतिक
2013	राजस्थान के पहाड़ी किले	राजस्थान	सांस्कृतिक
2014	ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान संरक्षण क्षेत्र	हिमाचल प्रदेश	प्राकृतिक
2014	पाटन में रानी-की-वाव (रानी की बावड़ी)	गुजरात	सांस्कृतिक
2016	नालंदा महाविहार का पुरातात्विक स्थल	बिहार	सांस्कृतिक
2016	कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान	सिक्किम	मिश्रित
2016	ले कोर्बुसिए का वास्तुशिल्प कार्य	चंडीगढ़	सांस्कृतिक
2017	अहमदाबाद का ऐतिहासिक शहर	गुजरात	सांस्कृतिक
2018	मुंबई के विक्टोरियन गोथिक और आर्ट डेको समूह	महाराष्ट्र	सांस्कृतिक
2019	जयपुर शहर	राजस्थान	सांस्कृतिक
2021	धोलावीरा: एक हड़प्पा शहर	गुजरात	सांस्कृतिक
2021	काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर	तेलंगाना	सांस्कृतिक
2023	होयसल के पवित्र मंदिर समूह	कर्नाटक	सांस्कृतिक
2023	शांतिनिकेतन	पश्चिम बंगाल	सांस्कृतिक
2024	मोइदम्स झ्र अहोम राजवंश की टीलेनुमा समाधि प्रणाली	असम	सांस्कृतिक
2025	भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य	महाराष्ट्र, तमिलनाडु	सांस्कृतिक
2026	सारनाथ का प्राचीन बौद्ध स्थल	उत्तर प्रदेश	सांस्कृतिक

ज्ञान भारतम मिशन

2025 में शुरू किया गया ज्ञान भारतम मिशन, सरकार की प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करना, डिजिटल बनाना और प्रसारित करना है। यह पांडुलिपियों में दर्ज प्राचीन ज्ञान प्रणालियों को संरक्षित करने पर केंद्रित है। यह उन्हें डिजिटल रिपॉजिटरी और संरक्षण नेटवर्क के माध्यम से अनुसंधान और सार्वजनिक जुड़ाव के लिए भी सुलभ बनाता है।

यह पहल इन दुलर्भ पांडुलिपियों की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीकों को एकीकृत करती है और यह सुनिश्चित करती है कि वे विश्व स्तर पर सुलभ हों। इसके अतिरिक्त, पांडुलिपियों का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस पहचानने, दस्तावेजीकरण करने और बनाने के लिए मार्च 2026 में राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण भी शुरू किया गया था। सर्वेक्षण के दौरान, 1.19 करोड़ से अधिक पांडुलिपियों की सूचना मिली है। देश भर में उपलब्ध डिजीटल पांडुलिपियों की कुल संख्या 8 लाख से अधिक है, इनमें से 4.40 लाख से अधिक पांडुलिपियां वर्तमान में ज्ञान भारतम पोर्टल पर सार्वजनिक पहुंच के लिए उपलब्ध हैं। ये राज्यवार सुलभ हैं।

भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार भी अभिलेख पटल के माध्यम से अभिलेखीय अभिलेखों का डिजिटलीकरण कर रहा है। फरवरी 2026 तक, पोर्टल ने 18.23 करोड़ पृष्ठों, 0.73 करोड़ संदर्भ मीडिया और 0.38 करोड़ डिजिटल रिकॉर्ड की मेजबानी की।

स्मारकों और पुरावशेषों पर राष्ट्रीय मिशन

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत राष्ट्रीय स्मारक एवं पुरावशेष मिशन कार्यान्वित किया जाता है। यह भारत की निर्मित विरासत और पुरावशेषों का एक विश्वसनीय राष्ट्रीय डेटाबेस बनाकर संरक्षण सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मिशन का उद्देश्य सीधे संरक्षण कार्य की योजना, प्राथमिकता और निगरानी की सूचना के साथ-साथ जानकारी देने के लिए देश में सभी स्मारकों और पुरावशेषों की एक सूची का दस्तावेजीकरण और निर्माण करना है।

मार्च 2026 तक, एनएमएमए ने 1.84 लाख स्मारकों का दस्तावेजीकरण किया है, इसमें निर्मित विरासत और स्थल शामिल हैं। पूरे भारत में 17.20 लाख पुरावशेषों का भी दस्तावेजीकरण किया गया है।

अतीत का संरक्षण, भविष्य को दिशा देना

भारत की सांस्कृतिक विरासत एक जीवंत विरासत है। यह पीढ़ियों तक लोगों को प्रेरित करती है, शिक्षित करती है और जोड़ती रहती है। सारनाथ का शिलालेख शिक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सतत विकास में असाधारण मूल्य के स्थानों के संरक्षण के लिए देश की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ेगा, अपनी विरासत की रक्षा करने, अपनी सभ्यतागत विरासत को संरक्षित करने और इसे दुनिया के साथ साझा करने पर केंद्रित रहेगा।

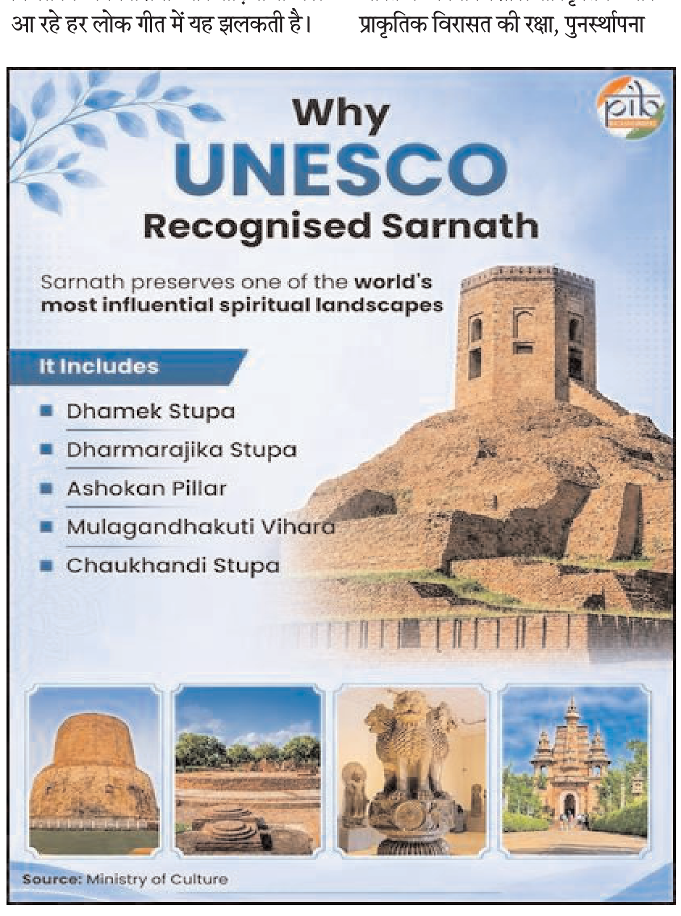

Source: Ministry of Culture

Source: UNESCO

कोर्ट के फैसले पर भड़के ओवैसी ने कहा- 'हमारा धर्म, हम तय करेंगे'

बोले- जज तय नहीं कर सकते कि इस्लाम में क्या जरूरी है; फैसले को अनुच्छेद 19 और 25 के खिलाफ बताया

हैदराबाद, एजेंसी।
स्कूलों में हिजाब या हेडस्कार्फ पहनने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कोर्ट के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह तय करना न्यायाधीशों का काम नहीं है कि इस्लाम में कौन-सी धार्मिक प्रथा जरूरी है और कौन-सी नहीं। ओवैसी ने इसे धर्म पर हमला बताते हुए कहा, 'यह हमारा धर्म है और हम तय करेंगे कि क्या जरूरी है। जज कौन होते हैं यह तय करने वाले?'

सांसद ओवैसी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले से ही धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मामलों पर विचार कर रहा है। ऐसे में उनका कहना था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट को इस मुद्दे पर फैसला नहीं देना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट का आदेश संविधान के अनुच्छेद 19 और 25 के खिलाफ है। ओवैसी ने स्कूल छात्रा की हिजाब पहनने

की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यह उसकी पसंद और निजता का मामला है। उन्होंने कहा, 'वह हिजाब अपने सिर पर पहन रही है, न कि अपने दिमाग पर।' उन्होंने दावा किया कि ऐसे फैसलों का मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिम छात्राओं के स्कूल नामांकन को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि ऐसे कदम उनकी शिक्षा में बाधा डाल सकते हैं।

क्या है इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 21 अगस्त को एक मुस्लिम छात्रा की याचिका खारिज कर दी थी। दरअसल प्रयागराज के एक निजी स्कूल की छात्रा ने स्कूल की निर्धारित यूनिफॉर्म के साथ सिर पर स्कार्फ पहनने की अनुमति मांगी थी। छात्रा हाई स्कूल पास करने के बाद उसी स्कूल में 11वीं कक्षा में दाखिला लेना चाहती थी। जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की पीठ ने कहा कि किसी छात्र को शिक्षण संस्थान द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड में अपनी पसंद के अनुसार बदलाव करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने यह दलील भी स्वीकार नहीं की कि सिर पर स्कार्फ पहनना इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मुद्दे पर जिन मामलों में विभिन्न हाईकोर्ट ने विचार किया है, उनमें यह राय सामने आई है कि महिलाओं के लिए सिर पर स्कार्फ पहनना इस्लामी आस्था का ऐसा अनिवार्य हिस्सा नहीं है, जिसके बिना धार्मिक आस्था खतरे में पड़ जाए।

कर्नाटक : मंत्री नागेंद्र ने 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले पर इस्तीफे की पेशकश की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 89 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले के आरोपों के बीच, राज्य के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री बी.नागेंद्र ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की है। विपक्षी भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) ने मामले को लेकर डीके शिवकुमार सरकार पर भारी दबाव बनाया हुआ था। विपक्षी भाजपा ने नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग को लेकर विधानसभा सत्र के दौरान लगातार विरोध प्रदर्शन किए, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने फ्रीडम पार्क से विधानसभा का घेराव करने का भी प्रयास किया, जिसके बाद विपक्ष के नेता आर. अशोक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। विपक्ष का आरोप था कि कथित घोटाले की नैतिक जिम्मेदारी लेकर नागेंद्र को तत्काल पद से हटना चाहिए। भाजपा ने तर्क दिया कि करीब 89 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच के दौरान संबंधित मंत्री का पद पर बने रहना उचित नहीं है। लगातार विरोध प्रदर्शनों, विधानसभा में हंगामे और बढ़ते राजनीतिक दबाव के कारण ही नागेंद्र ने यह फैसला लिया। नागेंद्र की इस्तीफे की पेशकश को विपक्ष के निरंतर दबाव का परिणाम माना जा रहा है। हालांकि, उनका इस्तीफा स्वीकार करने का अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेतृत्व पर निर्भर है। विधानसभा सत्र भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन वाल्मीकि निगम के कथित घोटाले को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव अभी भी जारी है।

हिमाचल में भूकंप, किचन में रखे बर्तन गिरे, सुबह-सुबह लगे झटके लोग घरों से निकले

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल की राजधानी शिमला सहित आस पास के शहरों में आए भूकंप ने लोगों को डरा दिया। घरों की किचन में रखे बर्तन गिरने लगे। जब तक लोग समझ पाते तब तक झटके लगने लगे। लोग डर के चलते घरों से बाहर निकले तब पता चला कि भूकंप के झटके आ रहे हैं। सुबह 5 बजकर 46 मिनट और 50 सेकंड पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 दर्ज की गई। इसका केंद्र शिमला से करीब 66 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण दिशा में, जमीन से 10 किलोमीटर नीचे जुब्बल-कोटखाई की तरफ था। यह झटका लगभग तीन सेकंड तक महसूस किया गया, जिसके दौरान धरती डोलने पर कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, उस समय कई लोग नींद में थे, जिस वजह से उन्हें इसका पता नहीं चल पाया। कुछ नागरिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से तेज झटका लगने की जानकारी साझा की। शिमला के अलावा सोलन, सिरमौर, बिलासपुर और मंडी के कई अन्य क्षेत्रों में भी भूकंप के झटके अनुभव किए गए।

गनीमत यह रही कि इस घटना में फिलहाल किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश भौगोलिक रूप से भूकंप की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्यों में आता है, जिसमें शिमला और मंडी जैसे जिले जोन-4 और जोन-5 के अंतर्गत आते हैं। सामान्य तौर पर 5.0 से कम तीव्रता वाले भूकंपों से बड़े पैमाने पर नुकसान की संभावना कम होती है। इससे पहले हाल ही में चंबा और कांगड़ा जिलों में भी भूकंप के झटके दर्ज किए जा चुके हैं। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

गोवा कैबिनेट का ऐतिहासिक कदम : गैर-कानूनी धर्मांतरण पर उम्रकैद की सजा का प्रस्ताव

पणजी (एजेंसी)। गोवा कैबिनेट ने गैर कानूनी धर्म परिवर्तन निषेध विधेयक 2026 को विधानसभा में पेश करने की मंजूरी दे दी है। यह विधेयक जबरन, दबाव, लालच, धोखाधड़ी या शादी के मकसद से किए गए धर्मांतरण को रोकने के लिए कड़े प्रावधान करता है। प्रस्तावित कानून के तहत इसतरह के मामलों में दोषियों को उम्रकैद तक की सजा, न्यूनतम 50 हजार रुपये का जुर्माना और पीड़ितों को 5 लाख रुपये तक का मुआवजा देना पड़ सकता है। विधेयक प्रावधान करता है कि यदि कोई शादी केवल गैर कानूनी धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से की गई हो, तब उस शादी को अमान्य घोषित किया जा सकता है। धर्मांतरण में शामिल दोषियों को कम से कम तीन साल और अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। यदि धर्मांतरण का शिकार कोई नाबालिग, मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति, महिला या अनुसूचित जनजाति का सदस्य है, तब यह सजा 5 से 14 साल की कैद और 1 लाख रुपये के जुर्माने तक बढ़ सकती है। मुख्य सचिव वी. कंडावेलू ने इस कानून के उद्देश्य पर कहा कि इसका मकसद कमजोर और भोले-भाले लोगों को अनुचित तरीकों से होने वाले धर्मांतरण से बचाना है। प्रस्तावित कानून के अनुसार, स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को कम से कम 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होगा, जबकि धर्मांतरण समारोह आयोजित करने वाले व्यक्ति को रस्म से एक महीने पहले जानकारी देनी होगी।

कंगना के पलटवार से सन्न बाबा रामदेव : जवानी पर सवाल उठाना पड़ा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति और मनोरंजन की दुनिया में अपने बेबाक बयानों से सुर्खियां बटोरने वाली बीजेपी सांसद कंगना रनौत और योगगुरु बाबा रामदेव के बीच छिड़ा जुबानी जंग अब व्यक्तिगत हमलों में बदल गया है। कंगना के विवादित जनरेशन गटर बयान से शुरू हुआ यह मामला, रामदेव द्वारा उनकी जवानी और अतीत पर सवाल उठाने के बाद तीखे व्यक्तिगत पलटवार में बदल गया। कंगना के करारे जवाब से सन्न हुए रामदेव को आखिरकार यह कहना पड़ा कि वह विवाद को और आगे नहीं बढ़ाना चाहते। दरअसल, जंतर-मंतर पर युवाओं को जनरेशन गटर कहने पर उठे विवाद के बीच, जब बाबा से कंगना के बयान पर सवाल पूछा गया, तब उन्होंने अभिनेत्री-सांसद पर हमला बोल दिया। रामदेव ने कहा था, 'उनका बचपन कैसा था? उनकी जवानी कैसी थी? उनके पिछले काम कैसे थे? मैं इसतरह के लोगों पर बात नहीं करना चाहता। युवाओं को जनरेशन गटर कहना विकृत मानसिकता की निशानी है।' रामदेव के इन्हीं निजी टिप्पणियों पर सांसद कंगना ने तत्काल और तीखा जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में दिवास्वप्न मत देखिए। अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही कुछ भी मान सकते हैं। कम से कम मुझे झूठे या भ्रामक प्रभावकारिता दावों के मामले में सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी।' कंगना यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने रामदेव को चरित्र पर उपदेश देने से साफ मना किया और दो टूक कहा, 'मुझे कैरेक्टर लेसन मत दीजिए। तुमसे तब बहुत ज्यादा बेहतर है मेरा कैरेक्टर। नो फॉड डिटेक्टेड हियर।' यह पलटवार पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के उस मामले की ओर इशारा था, जहां 2024 में रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को सार्वजनिक माफी मांगनी पड़ी थी।

लोकसभा स्पीकर ने टीएमसी से 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।
तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में 20 बागी सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका दायर की थी। इस मामले में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन सांसदों को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा है। यह घटनाक्रम तब हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टीएमसी की अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला लेने में हो रही देरी को चुनौती देने वाली अभिषेक बनर्जी की याचिका पर उन 20 सांसदों से जवाब मांगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने सांसदों को नोटिस जारी किया और स्पीकर के पास लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द विचार करने को कहा है। लोकसभा स्पीकर और सेक्रेटरी जनरल की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत टीएमसी द्वारा दायर अयोग्यता याचिकाओं पर उन 20 सांसदों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

इस दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि सवाल नोटिस जारी करने का नहीं है, सवाल एक तय समय-सीमा के अंदर कार्यवाही पूरी करने का है। टीएमसी ने आरोप लगाया है कि इन 20 सांसदों ने पार्टी छोड़ दी और बाद में नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया में शामिल हो गए। अभिषेक बनर्जी का तर्क है कि उनके इस आचरण के कारण संविधान के दलबदल-रोधी प्रावधानों के तहत उन्हें अयोग्य ठहराया जा सकता है।

पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी अमेरिका को की थी लीक

पूर्व सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने पिछले साल हुए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि इस ऑपरेशन से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान की ओर से अमेरिका को लीक की गई होगी। पूर्व सीडीएस ने स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को लेकर पूरी तरह द्विपक्षीय बातचीत हुई थी और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी। ऐसे में उन्होंने इस बात पर गहरी हैरानी जताई कि भारत की आधिकारिक घोषणा से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान कैसे कर दिया।

पूर्व सीडीएस ने बताया कि गत वर्ष 29 अप्रैल को आतंकवादी ठिकानों को सटीक निशाना बनाने का अहम फैसला लिया गया

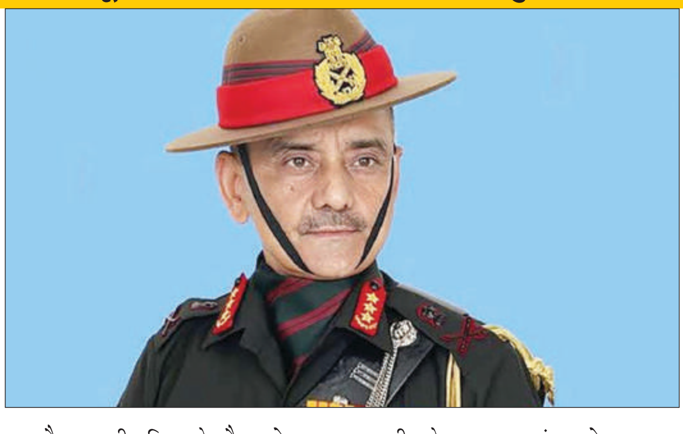

था और इस पूरी प्रक्रिया के दौरान सेना पर किसी भी प्रकार का कोई राजनीतिक दबाव नहीं था। संघर्ष विराम की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) के बीच आपसी सहमति से समय तय किया गया था। फोन पर बातचीत के बाद शाम पांच बजे का समय निर्धारित हुआ था, जिससे यह पूरी तरह स्पष्ट है कि सीजफायर केवल दो सैन्य अधिकारियों के बीच की आपसी समझ का परिणाम था। जब उनसे यह सवाल किया गया कि यह गोपनीय जानकारी अमेरिका तक कैसे पहुंची, तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह सूचना भारतीय पक्ष की तरफ से बिल्कुल लीक नहीं की गई थी। उन्होंने अंदेशा जताया कि यह जानकारी निश्चित तौर पर दूसरे पक्ष यानी पाकिस्तान की तरफ से ही लीक हुई होगी।

इसके अलावा, पूर्व सीडीएस ने किराना हिल्स पर किए गए हमलों की अटकलों पर भी विराम लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों वाले क्षेत्र किराना हिल्स को निशाना नहीं बनाया गया था। उन्होंने समझाया कि हमलों से पहले सरगोधा क्षेत्र में कई ड्रोन भेजे गए थे, जिनका मुख्य उद्देश्य वहां के रडार का पता लगाना था। हवा में लंबे समय तक मंडराने के बाद यदि इन ड्रोनों को कोई लक्षित स्थान नहीं मिलता है, तो वे नीचे उतरकर टकरा जाते हैं। संभवतः इसी प्रक्रिया के दौरान कोई ड्रोन किराना पहाड़ियों से टकरा गया होगा, जिसे पाकिस्तानी मीडिया ने गलत तरीके से प्रचारित किया था।

5 सितंबर को इंडिया गेट से पुलिस मुख्यालय तक मार्च का ऐलान

सीजेपी के नेताओं ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी।
जेन-जी से जुड़े एक हालिया कान्क्लेव में कॉकरोच जनता पार्टी के तीनों मुख्य चेहरे अभिजीत दीपक, आशुतोष रांका और सौरव दास शामिल हुए। इस दौरान जब अभिजीत दीपक से सवाल किया गया कि क्या वे दिल्ली केवल बवाल मचाने आते हैं और उन्होंने फिर से मार्च का ऐलान क्यों किया है, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें यह कदम मजबूरी में उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग एक महीना बीत जाने के बाद भी सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। उनका मुख्य उद्देश्य उन बच्चों के परिजनों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिलाना है जिन्होंने आत्महत्या कर ली है। दीपक ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार के लिए एक करोड़ रुपये कोई बड़ी रकम नहीं है, क्योंकि सांसद और विधायकों की खरीद-फरोख्त में 50 से 100 करोड़ रुपये आसानी से खर्च कर दिए जाते हैं, लेकिन पीड़ित परिवारों की मदद करने में कंजूसी दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी दूसरी प्रमुख मांग छात्रों पर दर्ज की गई एफआईआर को तुरंत वापस लेने की है, क्योंकि प्रदर्शन करने वाले छात्र अपने शिक्षा से जुड़े अधिकार मांग रहे थे, न कि किसी से वोट। कार्यक्रम के दौरान घोषणा करते हुए दीपक ने बताया कि आगामी 5 सितंबर को इंडिया गेट 1.0

के तहत वे इंडिया गेट से पुलिस मुख्यालय तक शांति मार्च निकालेंगे। उन्होंने बताया कि वे आकांक्षा चतुर्वेदी के परिवार से मिले थे, जिनके पिता को बेटी की मौत के सदमे में पैरालिसिस और हार्ट अटैक आ गया था। उस परिवार ने अपनी बेटी को डॉक्टर बनाने के लिए 15 लाख रुपये का कर्ज लिया था और अब वे गहरे आर्थिक संकट में हैं। चर्चा के दौरान आशुतोष रांका से जयपुर में हुई घटनाओं और सुरक्षा चिंताओं को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी प्रकार की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि वे वोट मांगने नहीं बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था सुधारने की बात कर रहे हैं। राजस्थान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के 80 साल बाद भी यदि राजधानी के पास स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहे हैं, तो यह शर्मनाक है। हिंसा के डर से जुड़े सवाल पर अभिजीत दीपक ने तंज कसते हुए कहा कि वे और रांका पहले ही पुलिस या विरोध के दौरान पिट चुके हैं, और अगर जरूरत पड़ी तो वे आगे भी प्रताड़ना झेलने के लिए तैयार हैं। सौरव दास ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश और केंद्र सरकार के रवैये पर बात करते हुए कहा कि मंत्रियों के वादों के बावजूद युवाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एफआईआर की सूची मांगने और केंद्र सरकार के वकीलों द्वारा इस पर स्पष्ट प्रतिबद्धता न दिखाने के कारण उन्हें युवाओं के हित में यह बड़ा कदम उठाना पड़ा है।

जनता ने जिस सीएम को नकारा है उन्हें वही पसंद है : पूनावाला

-शहजाद का अभिजीत दीपके पर पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी।
सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके द्वारा कुछ मुख्यमंत्रियों को देश के सर्वश्रेष्ठ नेताओं की सूची में शामिल करने पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी से जुड़े रहे शहजाद पूनावाला ने अभिजीत दीपके और उनकी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर तीखा हमला बोला है। पूनावाला ने कहा है कि दीपके को जिन मुख्यमंत्रियों को अच्छे लगते हैं, उन्हें जनता पहले ही नकार चुकी है। उन्होंने सीजेपी को फ्रॉड पार्टी करार देते हुए दीपके के चुने गए तीन मुख्यमंत्रियों के चयन पर गंभीर सवाल उठाए।

हाल ही में एक कार्यक्रम में अभिजीत दीपके ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) के नेता एमके स्टालिन और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को देश के सबसे अच्छे मुख्यमंत्रियों में शामिल किया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, शहजाद पूनावाला ने कहा, ये तीनों ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्हें उनकी जनता ने रिजेक्ट कर दिया है। तो सीजेपी को वो सीएम अच्छे लगते हैं, जिन्हें जनता ने रिजेक्ट कर दिया है। उन्होंने तंज कसा कि कॉकरोच जनता पार्टी में से जनता को हटाकर सिर्फ कॉकरोच पार्टी कर देना चाहिए, क्योंकि जनता का निर्णय कुछ और रहा है। पूनावाला ने अभिजीत दीपके के दावों का खंडन करते हुए तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था पर एमके स्टालिन के कार्यकाल को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टालिन ने तमिलनाडु को नहीं, बल्कि अपने परिवार की अर्थव्यवस्था और अपने बेटे का उदय किया। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि स्टालिन के पांच सालों के कार्यकाल में तमिलनाडु का कर्ज 2021 में 4.86 लाख करोड़ से बढ़कर 9.52 लाख करोड़ हो गया था। पूनावाला ने टिप्पणी की, जितना 60-70 सालों में बढ़ा, उतना पांच सालों में स्टालिन ने बढ़ाया। ये अच्छा कर रहे थे इकोनॉमी को।

केरल के पूर्व सीएम पिनराई विजयन के स्वास्थ्य मॉडल की तारीफ पर भी पूनावाला ने आपत्ति जताई। उन्होंने कोविड की दूसरी लहर का जिक्र करते हुए कहा कि केरल की आबादी साढ़े तीन करोड़ थी और आंकड़ों के अनुसार वहां 71 हजार मौतें हुईं। इसकी तुलना में, उत्तर प्रदेश की आबादी 24 करोड़ थी और वहां कोविड से जुड़ी मौतें 23 हजार 700 हुई थीं। पूनावाला ने इसे कुप्रबंधन बताते हुए कहा, छोटा राज्य होने के बावजूद केरल में यूपी से ज्यादा मौतें हुईं। ये था केरल हेल्थ मॉडल।

अन्नपूर्णा योजना पर ममता के सवाल, सुवेंदु ने आंकड़ों के साथ दिया जवाब

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की राजनीति में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के बीच जुबानी जंग एक बार फिर तेज हो गई है। इस बार विवाद की वजह अन्नपूर्णा योजना को लेकर उठे सवाल हैं। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर योजना के लाभ को लेकर सवाल उठाए, जिसके बाद सुवेंदु अधिकारी ने आंकड़े पेश करते हुए उनके आरोपों का जवाब दिया। दोनों नेताओं के बीच बयानबाजी ने राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है।

ममता बनर्जी ने सोमवार दोपहर सोशल मीडिया लाइव के दौरान अन्नपूर्णा योजना को लेकर कई सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि कुछ महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है और आरोप लगाया कि लाभार्थियों के चयन में जाति को आधार बनाया जा रहा है। उन्होंने ऐसे लोगों की जानकारी जुटाने की अपील की, जिन्हें कथित तौर पर योजना का लाभ नहीं मिला है। ममता ने कहा कि वह लोगों के साथ पहले भी खड़ी थीं और आगे भी रहेंगी।

सुवेंदु ने बताए, लाभार्थियों के आंकड़े
ममता के आरोपों पर सुवेंदु अधिकारी ने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि अन्नपूर्णा योजना के तहत अब तक 1 करोड़ 45 लाख 64 हजार 472 लाभार्थियों को फायदा मिला है। उनके मुताबिक, इनमें करीब 19 लाख 20 हजार मुस्लिम लाभार्थी भी शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि योजना का लाभ देते समय जाति और धर्म को आधार नहीं बनाया जाता।उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों की करीब एक लाख महिलाओं को योजना के तहत लाभ मिलने का भी दावा किया। नंदीग्राम के एक ब्लॉक का उदाहरण देते हुए अधिकारी ने कहा कि वहां दो हिंदू और 52 मुस्लिम परिवारों को आवास के लिए आर्थिक सहायता दी गई। उनके मुताबिक, सरकार का प्रयास है कि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिले।

सुवेंदु अधिकारी ने यह भी कहा कि अन्नपूर्णा योजना को लेकर सरकार के पास करीब 4.5 लाख शिकायतें पहुंची थीं। इनमें योजना का लाभ मिलने और लाभ से वंचित रहने, दोनों तरह की शिकायतें शामिल हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि योजना का उद्देश्य सभी पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाना था तो शुरुआत में इसे 25 से 60 वर्ष की आयु सीमा तक क्यों सीमित किया गया। उन्होंने बताया कि शिकायतों के समाधान के लिए एक पोर्टल भी शुरू किया गया है। आंकड़े गिनाने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी के सोशल मीडिया लाइव को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ममता दोपहर में सोशल मीडिया पर ही रहती हैं और उन्हें सड़कों पर निकलने की जरूरत नहीं है।उन्होंने ममता की हालिया राजनीतिक गतिविधियों पर भी कटाक्ष किया और बारुईपुर तथा हलीशहर में उनके कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए खेल के उदाहरण दिए।

ईद-मिलादुन्नबी : अल्लाह हू अकबर और आका की आमद मरहबा के नारों से गूंज उठा उधवा

सांसद और विधायक ने मजार में चादरपोशी कर दुआ मांगी

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड के विभिन्न इलाकों में बुधवार को ईद-मिलादुन्नबी पर्व आपसी सौहार्द व शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सुबह से ही अल्लाह हू अकबर और आका की आमद मरहबा से गूंज उठा। जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र के बाघपिंजरा, जंगलपाड़ा, बालुगांव, फुदकीपुर, दरगाहडांगा, गोहलबाड़ी, कटहलबाड़ी, बेगमगंज, चांदशहर, पियारपुर, अमानत दियारा, प्राणपुर सहित अन्य इलाकों से हजारों की संख्या में लोगों ने जुलूस निकाला। भीषण गर्मी के दौरान भी जुलूस में बच्चें, युवक व बुजुर्ग भी शामिल थे। सड़कों के माध्यम से जुलूस निकालकर दरगाहडांगा पीर मजार मैदान में पहुंचे। जहां पीर बाबा बहाउद्दीन कादरी की मजार पर चादरपोशी कर दुआ मांगी। इसके अलावा जुलूस में उधवा बीडीओ जयंत कुमार एवं राजनीतिक पार्टी के लोगो ने हिस्सा लिया। लोगों ने इस्लामिक झंडे व तिरंगे के साथ जुलूस निकालकर शांति का पैगाम दिया। जुलूस में अल्लाहु अकबर और आका की आमद मरहबा की नारे लगें। दर्जनों जुलूस सड़क मार्ग होते हुए दरगाहडांगा पीर मजार पहुंचकर संपन्न किया। दरगाहडांगा पीर मजार मैदान में एक जनसभा का आयोजन किया गया। सभा में स्थानीय व दूर-दराज के उलेमाओं ने तकरीर पेश किया। इस दौरान राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा दरगाहडांगा में जनसभा में शामिल हुए। विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने संबोधित करते हुए कहा कि इस्लाम शान्ति का पैगाम देता है। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने संयुक्त रूप से देश में अमन-चैन व आपस में भाईचारे के रहने की दुआ मांगी। मौके पर

विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू,राजमहल नगर अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली, केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान, कांग्रेस जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी, यासिन शेख, मोहम्मद मुस्ताकीम, फारूक शमसी, मसउद आलम, हाफिज तजामुल शेख, जैनुल आबेदीन, डॉ सफीकुल आलम, साबिर शेख, फिरोज शेख, महबूब आलम, जहांगीर अली, इकबाल सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

सांसद और विधायक ने मजार में चादरपोशी कर दुआ मांगी

ईद-मिलादुन्नबी के अवसर पर राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा एवं स्थानीय विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने दरगाहडांगा स्थित पीर बाबा बहाउद्दीन कादरी की मजार पर चादरपोशी कर अमन व चैन की दुआ मांगी।

जगह-जगह पानी का व्यवस्था

विभिन्न स्थानों पर जुलूस कमिटी व निजी संस्थाओं की ओर से कई जगहों पर लोगों के लिए पानी व शरबत की व्यवस्था की गई थी। ताकि इस भीषण गर्मी में परेशानी न हो।

सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम

ईद-मिलादुन्नबी पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रही। इस दौरान एसडीपीओ राजमहल विमलेश कुमार त्रिपाठी,उधवा बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज सहित दंडाधिकारी एवं अन्य पुलिस बल विभिन्न चौक-चौराहों एवं सभा स्थल पर तैनात थे।

ईद मिलादुन्नबी की सभा में विधायक एमटी राजा ने उठाया नशामुक्ति का मुद्दा, नशा कारोबारियों को दी सख्त चेतावनी

नशा से बिगड़ती समाज की स्थिति बर्दाश्त नहीं : विधायक

बिभा संवाददाता

राजमहल। विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर जुलूस ए मोहम्मदी कमेटी राजमहल के माध्यम से अंतर राज्य बस अड्डा में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जहां मौजूद लोगों को मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। वही सभी को नशा मुक्ति पर पहल करने की बात कही। साथ ही उन्होंने कड़ा रुख अपनाते हुए? कहा कि अभिभावक कड़ी मेहनत से अपने बच्चों को बेहतर भविष्य देने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन वही नशा के व्यापारी बच्चों के भविष्य को दलदल में डालने का कार्य कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कड़े शब्द में कहा कि वैसे व्यापारी सुधर जाएं और बच्चों का भविष्य खराब नहीं करें। वही नशा की लत में आए वैसे युवाओं से भी अपील किया कि अपना भविष्य बेहतर बनाने के लिए इस दलदल से निकलने का संकल्प लें। वहीं पुलिस प्रशासन को भी जनता के साथ समन्वय स्थापित कर नशा मुक्ति अभियान चलाने की बात कहें है। उन्होंने कहा कि आज नया-नया नशा का प्रकार क्षेत्र में फैल रहा है जिससे समाज में बुराइयां हो रही है। धर्म गुरुओं के माध्यम से लगातार बेहतर समाज स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन कुछ लोगों के कारण समाज में नशा की लत से कुछ लोग खराब हो रहें।

संक्षिप्त खबरें

सिंह मिष्ठान भंडार का हुआ शुभारंभ

तालझारी(बिभा) । तालझारी बेलदार चक में मिठाई और स्वादिष्ट व्यंजनों के शौकीनों के लिए एक नई सौगात के रूप में सिंह मिष्ठान भंडार का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ समारोह में स्थानीय गणमान्य लोगों, व्यवसायियों एवं आसपास के लोगों ने पहुंचकर प्रतिष्ठान संचालक को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के संचालक संजय सिंह ने बताया कि ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण एवं स्वादिष्ट मिठाइयां उपलब्ध कराने के साथ बेहतर सेवा देने का प्रयास किया जाएगा। प्रतिष्ठान में विभिन्न प्रकार की मिठाइयों एवं अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। शुभारंभ के मौके पर लोगों के बीच उत्साह का माहौल रहा। उपस्थित लोगों ने सिंह मिष्ठान भंडार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एफएम ऑल मोटर्स पार्ट्स दुकान का हुआ शुभारंभ

साहेबगंज(बिभा)। तालझारी बेलदारचक में वाहन चालकों और मोटर मैकेनिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एफएम ऑल मोटर्स पार्ट्स दुकान का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में स्थानीय लोगों एवं व्यवसायियों ने पहुंचकर दुकान संचालक को शुभकामनाएं दीं। दुकान संचालक मो. मजहर अंसारी ने बताया कि यहां ग्राहकों को जरूरत के अनुसार विभिन्न प्रकार के मोटर पार्ट्स उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। दुकान खुलने से आसपास के वाहन मालिकों और मैकेनिकों को मोटर पार्ट्स की खरीदारी के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर स्थानीय लोग एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

श्रावणी मेला: अपनों से बिछड़ों का सहारा बना देवघर प्रशासन, दो मासूमों को परिजनों से सकुशल मिलाया

देवघर(बिभा): राजकीय श्रावणी मेला, 2026 में देवघर जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए किए गए पुख्ता इंतजाम रंग ला रहे हैं। मेले की भारी भीड़ में बिछड़ने वाले श्रद्धालुओं के लिए मेला क्षेत्र में स्थापित 'सूचना सह सहायता केंद्र' एक बड़ा सहारा बनकर उभरे हैं। ये केंद्र लगातार खोए हुए श्रद्धालुओं को खोजकर उनके परिजनों से मिलाने के मानवीय कार्य में पूरी तत्परता से जुटे हैं। इसी कड़ी में प्रशासन की मुस्तैदी से दो अलग-अलग घटनाओं में भीड़ में बिछड़े दो बच्चों को उनके परिजनों से सकुशल मिलाया गया है। मेला क्षेत्र में एक बेहद संवेदनशील मामला तब सामने आया, जब महज डेढ़ साल का एक मासूम अपने परिवार से बिछड़ गया। बच्चा इतना छोटा था कि वह बोलने में असमर्थ था और अपने घर या परिजनों के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दे सकता था। सुरक्षित रूप से खिजुरिया सूचना सह सहायता केंद्र लाए जाने के बाद, प्रशासन ने तुरंत बच्चे के माता-पिता की तलाश शुरू की। परिजनों के केंद्र पर पहुंचने के बाद प्रशासन ने पूरी गहन जांच-पड़ताल और पुख्ता पहचान सुनिश्चित करने के बाद ही बच्चे को उन्हें सौंपा। अपने कलेजे के टुकड़े को सही-सलामत पाकर परिजनों की आंखें खुशी से छलक उठीं। दूसरी घटना में, बाबा मंदिर सूचना सह सहायता केंद्र की सतर्कता से वर्षा कुमारी नाम की एक बच्ची को उसके परिवार से दोबारा मिला दिया गया। वर्षा मेले की भारी भीड़ में अपने परिजनों से अलग हो गई थी। सूचना केंद्र के कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे खोज निकाला और बाबा मंदिर सूचना केंद्र परिसर में उसे उसके पिता सुनील कुमार को सुरक्षित सौंप दिया। संकट की इस घड़ी में अपने बच्चों को वापस पाकर दोनों परिवारों के चेहरों पर खुशी लौट आई। त्वरित और संवेदनशील सहायता के लिए परिजनों ने देवघर जिला प्रशासन के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया। उन्होंने माना कि प्रशासन की सतर्कता और बेहतरीन व्यवस्था के कारण ही उनके बच्चे आज सकुशल उनके पास हैं।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस, अमन-चैन का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

राजमहल। जुलूस-ए-मोहम्मदी कमेटी राजमहल के तत्वावधान में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को जुलूस एवं सभा का आयोजन किया गया। राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा के नेतृत्व में जुलूस फुलवरिया चौक से निकाला गया, जो नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए अंतरराज्यीय बस अड्डा परिसर स्थित सभा स्थल पहुंचा। सभा को संबोधित करते हुए विधायक एमटी राजा एवं कार्यक्रम में शामिल मौलानाओं ने क्षेत्र में अमन-चैन और आपसी भाईचारा बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से पैगंबर मोहम्मद साहब के बताए रास्तों पर चलने और समाज में शांति व सद्भाव कायम रखने की अपील की। वहीं जुलूस में राजमहल नगर के अलावा प्रखंड क्षेत्र के मानसिंहा, फुलवरिया, करबल्ला, दाहूटोला, पश्चिम नारायणपुर, मध्य नारायणपुर, पूर्वी जामनगर एवं पश्चिमी जामनगर सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी शामिल हुए। वहीं जुलूस एवं सभा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी पुलिस बल के साथ तैनात रहे। मौके पर विधायक प्रतिनिधि सह नपं उपाध्यक्ष मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, जिप सदस्य अब्दुल बारिक शेख, वार्ड पार्षद मो. बरकत अली, घीसू शेख, मो. नफील, गुलाम सरवर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के मध्य पियारपुर पंचायत में छापेमारी कर पुराने मामले के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित मध्य पियारपुर निवासी डालीम शेख उर्फ अब्दुल डालिम को पुलिस ने बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि राधानगर थाना में दर्ज थाना कांड संख्या 150/23 के नामजद आरोपित मध्य पियारपुर पंचायत निवासी डालीम शेख उर्फ अब्दुल डालिम पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था। उनके खिलाफ व्यवहार न्यायालय से वारंट जारी किया गया है। पुलिस ने व्यवहार न्यायालय के निर्देश के आलोक में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर उक्त आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

गायत्री शक्तिपीठ में गूंजा हर-हर महादेव, 12 शिवलिंगों का हुआ सामूहिक रुद्राभिषेक

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से बुधवार को गायत्री शक्तिपीठ परिसर में 12 शिवलिंगों के सामूहिक रुद्राभिषेक महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव का विधिवत पूजन-अर्चन किया और शिवलिंगों पर जल, दूध, बेलपत्र व पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम का शुभारंभ शिव वंदना से हुआ। शक्तिपीठ के पुरोहित राजेंद्र प्रसाद ने शिव स्तुति प्रस्तुत की, जबकि पुरोहित हरिहर प्रसाद ने वैदिक एवं लौकिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक की धार्मिक विधियां पूरी कराईं। इस दौरान पूरा परिसर भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा। वहीं श्रद्धालुओं ने 12 शिवलिंगों पर सामूहिक रूप से जलार्पण और दुग्धाभिषेक किया। बड़ी संख्या में बेलपत्र व पुष्प अर्पित किए गए। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से ह्यनमामि शमीशान निर्वाण रूपमह्ल का पाठ किया तथा युग निर्माण योजना के सत्संकल्प को दोहराया। वहीं देवालय संचालन प्रभारी सरिता पोद्दार ने बताया कि सर्वजन के सुख, शांति और समृद्धि की कामना से सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मौके पर सरिता पोद्दार, प्रियंका सोनी, संगीता कुमारी, गीता रानी, किरण देवी, मनोरमा देवी, शारदा, महारानी देवी, सुजाता सिंह, शिव शंकर निराला, डॉ. राधा मोहन, डॉ. दीपक कुमार, निरंजन मंडल, हितेश रंजन, अंबरीश कुमार, पंकज पोद्दार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति के 17 साल बाद भी बकाया भुगतान का इंतजार

पूर्व कर दरोगा संग्राम सिंह ने प्रशासन से लगाई गुहार, इलाज के लिए आर्थिक मदद की मांग

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । नगर परिषद के पूर्व कर दरोगा संग्राम सिंह को सेवानिवृत्त हुए 17 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन उनके सेवानिवृत्ति संबंधी कुछ बकाए का भुगतान अब तक नहीं हो सका है। बकाया राशि के भुगतान की मांग को लेकर वह वर्षों से नगर परिषद और अन्य सरकारी कार्यालयों का चक्कर लगा रहे हैं। संग्राम सिंह ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी एवं अध्यक्ष को आवेदन देकर अर्जित अवकाश तथा महंगाई भत्ते की लंबित राशि का भुगतान कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि 30 जून 2009 को वह नगर परिषद की सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें ग्रेच्युटी की राशि का भुगतान कर दिया गया, लेकिन अर्जित अवकाश और महंगाई भत्ते की राशि अब तक लंबित है। साथ ही उन्होंने बताया कि बकाया राशि के लिए वर्ष 2011 से लगातार अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखते आ रहे हैं। स्थानीय स्तर से लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय तक शिकायत पहुंचाने के बाद वर्ष 2014 में उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया। इसके बाद वर्ष 2022 में विभागीय सचिव को आवेदन दिया गया। वर्ष 2023 में विधिक राय लिए जाने तथा साहेबगंज कोषागार पदाधिकारी से पत्राचार के बावजूद भी भुगतान की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। साथ ही संग्राम सिंह का कहना है कि उन्होंने सूचना के अधिकार के तहत भी मामले की जानकारी मांगी, लेकिन अब तक उन्हें संतोषजनक एवं ठोस जवाब नहीं मिला है। उनका कहना है कि वर्तमान में वह और उनकी पत्नी गंभीर बीमारी से परेशान हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण दोनों के इलाज में परेशानी हो रही है। उन्होंने जिला प्रशासन और नगर परिषद के अधिकारियों से मामले को मानवीय दृष्टिकोण से देखते हुए लंबित बकाया राशि का शीघ्र भुगतान कराने की अपील की है, ताकि वह अपने और पत्नी के इलाज का खर्च उठा सकें।

जीईएम -2026 की 10 बालिकाओं को डीपीएस एनटीपीसी फरक्का में मिला प्रवेश

बिभा संवाददाता

बरहरवा। एनटीपीसी फरक्का के बालिका सशक्तीकरण अभियान 2026 की 10 मेधावी प्रतिभागियों को दिल्ली पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी फरक्का की कक्षा छह में प्रवेश मिला है। एनटीपीसी फरक्का की ओर से चयनित छात्राओं को कक्षा छह से 12वीं तक निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। इसमें शिक्षण शुल्क, स्कूल यूनिफॉर्म, स्टेशनरी सहित अन्य शैक्षणिक खर्च शामिल होंगे। वहीं जीईएम एनटीपीसी की प्रमुख सीएसआर पहल है, जिसका उद्देश्य बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के साथ उन्हें बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना है। अभियान के तहत मुर्शिदाबाद, मालदा और साहिबगंज जिलों के 26 विद्यालयों की 124 बालिकाओं को एक माह की आवासीय कार्यशाला में डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, जीवन कौशल, व्यक्तिगत सुरक्षा, व्यक्तित्व विकास और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा योग, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

कार्यशाला के बाद 30 मेधावी छात्राओं का चयन किया गया। इनमें 27 छात्राओं ने डीपीएस एनटीपीसी फरक्का की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया में सफल 10 छात्राओं को कक्षा छह में प्रवेश दिया गया। चयनित छात्राओं में नयनसुख एलएनएमएस हाई स्कूल की तीन, इमामनगर हाई स्कूल की दो तथा तिलडांगा हाई स्कूल, बिरनगर हाई स्कूल, धर्मडांगा हाई स्कूल, अर्जुनपुर हाई स्कूल और बैष्णबनगर हाई स्कूल की एक-एक छात्रा शामिल हैं। 25 अगस्त को चयनित छात्राओं ने एनटीपीसी फरक्का के कार्यकारी निदेशक देबब्रत कर समेत वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान छात्राओं को स्कूल बैग, टिफिन बॉक्स, ज्योमेट्री बॉक्स और पानी की बोतलें प्रदान कर उनकी उपलब्धि पर बधाई दी गई। वहीं देबब्रत कर ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर डीपीएस एनटीपीसी फरक्का में प्रवेश प्राप्त किया है। उन्होंने छात्राओं से इस अवसर का पूरा लाभ उठाने, अपने लक्ष्य को सामने रखकर निरंतर मेहनत करने और अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। इन 10 नए प्रवेशों के साथ डीपीएस एनटीपीसी फरक्का में जीईएम के तहत अध्ययनरत छात्राओं की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। इनमें पिछले दो वर्षों में प्रवेश पाने वाली 16 छात्राएं भी शामिल हैं। एनटीपीसी फरक्का की यह पहल बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं दीर्घकालिक शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खुले में मीट-मछली व फूड स्टॉल पर सख्ती, स्वच्छता मानकों का पालन अनिवार्य

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल नगर पंचायत की बोर्ड बैठक में शहर की स्वच्छता एवं आम लोगों के स्वास्थ्य को लेकर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया। वार्ड संख्या-3 के पार्षद सन्नी कुमार साहा की ओर से रखे गए प्रस्ताव को बोर्ड ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी। प्रस्ताव के तहत खुले में संचालित मीट-मछली की दुकानों सहित फूड स्टॉल संचालकों को स्वच्छता एवं हाइजीन के निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा। प्रस्ताव के अनुसार मीट, मटन, चिकन एवं मछली विक्रेताओं को दुकानों में साफ-सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना होगा। इसके साथ ही दुकानदारों को नगर पंचायत एवं संबंधित विभागों से आवश्यक लाइसेंस, अनुमति तथा अन्य जरूरी कागजात प्राप्त करना होगा। निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं पार्षद सन्नी कुमार साहा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य किसी दुकानदार की रोजी-रोटी प्रभावित करना नहीं, बल्कि व्यवसाय को व्यवस्थित, नियमबद्ध और स्वच्छ बनाना है। उन्होंने कहा कि ह्लस्वच्छ शहर, स्वस्थ समाजह्व के संकल्प के साथ स्वच्छता, रोजगार और आम जनता के स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। प्रस्ताव पारित होने के बाद नगर क्षेत्र में कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को खाद्य स्टॉल एवं मीट-मछली की दुकानों का निरीक्षण कर स्वच्छता मानकों और आवश्यक दस्तावेजों की जांच करने को कहा गया है। वही नगर पंचायत के इस फैसले से खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की स्वच्छता को लेकर चिंतित शहरवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं, दुकानदारों से भी नियमों का पालन करते हुए स्वच्छ एवं सुरक्षित तरीके से व्यवसाय संचालित करने की अपील की गई है।

बिहार में दो दिन महिलाओं के लिए बस सेवा फ्री, CM सम्राट ने 4700 स्कूटी-बाइक भी किया रवाना, जानें और क्या मिला तोहफा

पटना (एजेंसी) रक्षाबंधन से पहले बिहार की महिलाओं को सरकार ने तोहफा दिया है. दो दिनों तक महिलाएं सरकारी बसों में मुफ्त सफर कर सकेंगी. वहीं, उट सम्राट चौधरी ने पुलिस दीदी के लिए 4,700 स्कूटी-बाइक भी रवाना किया है. रक्षाबंधन से पहले बिहार की महिलाओं और बेटियों के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कई ऐलान किए हैं. सरकार ने अगले तीन वर्षों में 1 करोड़ महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा है. इसके साथ ही छात्राओं की सुरक्षा, उच्च शिक्षा और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भी कई योजनाओं की शुरूआत की गई है. पटना के ज्ञान भवन से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 4,700 स्कूटी और मोटरसाइकिलों को रवाना किया. ये वाहन पुलिस दीदी यानी अभया ब्रिगेड को दिए गए हैं. स्कूल-कॉलेज और

बाजारों में बढ़ेगी सुरक्षा पुलिस दीदीको दिए गए वाहनों का इस्तेमाल महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए किया जाएगा. पुलिस दीदी स्कूल, कॉलेज, बाजार और प्रमुख सड़कों के आसपास गश्त करेंगी. इसका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित माहौल देना है. साथ ही कमजोर वर्गों तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं की पहुंच भी बेहतर करने की कोशिश होगी. 27 और 28 अगस्त को महिलाओं का बस किराया माफ रक्षाबंधन पर सरकार ने महिलाओं को एक और बड़ी राहत दी है. 27 अगस्त की सुबह से 28 अगस्त की रात 10 बजे तक महिलाएं सरकारी बसों में मुफ्त सफर कर सकेंगी. बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की 1,000 से अधिक बसों में यह सुविधा मिलेगी. महिलाएं शहर के भीतर और अंतर-जिला बसों में बिना किराया दिए यात्रा कर सकेंगी. सरकार का मकसद है कि बहनें आसानी से अपने मायके और परिवार के लोगों से मिलने जा सकें. पीएचडी करने वाली छात्राओं को हर महीने 10 हजार मुख्यमंत्री बालिका पीएचडी फेलोशिप योजना भी शुरू की गई है. इसके तहत 1,000 छात्राओं को चार साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद मिलेगी. इस योजना से छात्राओं को पीएचडी के दौरान पढ़ाई और रिसर्च से जुड़े खर्चों में मदद मिलेगी. सरकार उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में बेटियों की भागीदारी बढ़ाना चाहती है. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करेंबेटियों को स्टार्टअप के लिए मिलेंगे 2 लाख तक बिहार की बेटियों को उद्यमिता से जोड़ने के लिए बिहार की बेटी स्टार्टअप चैलेंज योजना की शुरूआत भी की गई है. इसके तहत स्टार्टअप शुरू करने वाली बेटियों को 50 हजार से 2 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता मिलेगी. इससे युवा महिलाएं अपने बिजनेस आइडिया को जमीन पर उतार सकेंगी. 3 साल में 1 करोड़ महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अगले तीन वर्षों में 1 करोड़ महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ने का संकल्प लिया है. सरकार का फोकस महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है. रक्षाबंधन से पहले शुरू की गई इन योजनाओं में सुरक्षा से लेकर रोजगार, शिक्षा और उद्यमिता तक पर जोर दिया गया है. सरकार का दावा है कि इन पहलों से राज्य की महिलाओं और बेटियों के लिए नए अवसर खुलेंगे.

संक्षिप्त डायरी

नेपाल से आ रहा है पानी का सैलाब, पश्चिमी चंपारण से वैशाली तक चेतावनी, गंडक में 3 मीटर ऊंची लहरों की आशंका

पटना (एजेंसी) नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश के बाद गंडक नदी में अचानक बाढ़ आने की बड़ी आशंका जताई गई है. नेपाल के जल ग्रहण क्षेत्र में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं. इसका असर बिहार पर पड़ना तय है. खतरे को देखते हुए बिहार सरकार ने 6 मुख्य जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है. नेपाल में गंडक नदी के ऊपरी इलाके में अचानक बाढ़ आने की आशंका को देखते हुए बिहार सरकार ने गंडक से जुड़े जिलों को अलर्ट कर दिया है. नेपाल में फ्लैश फ्लड की स्थिति बनने पर गंडक नदी का पानी अचानक बढ़ सकता है. शुरूआती जानकारी के मुताबिक नदी में करीब 3 मीटर तक ऊंची फ्लैश फ्लड वेव आने की संभावना है. इसे देखते हुए प्रशासन ने बचाव और राहत की तैयारी तेज कर दी है. सीएम सम्राट बोले- हाई लेवल टीम का गठन कर दिया गया है बिहार में बाढ़ की आशंका को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि स्थिति पर नजर रखने के लिए हाई लेवल टीम का गठन कर दिया गया है. मुख्य सचिव, डीजीपी समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी लगातार हालात की निगरानी कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि वह भी जल्द इस मामले को लेकर बैठक करेंगे और जरूरत पड़ी तो खुद वाल्मीकिनगर जाकर स्थिति का जायजा लेंगे. नेपाल के कई जिले हाई रिस्क जोन में गंडक नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में नेपाल के रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, लमजुंग और तनहुं जिलों को हाई रिस्क जोन में रखा गया है. वहीं दोलखा और सिंधुपालचोक कोसी नदी के कैचमेंट में ज्यादा जोखिम वाले इलाके बताए गए हैं. कोसी, बागमती और गंडक कैचमेंट के कई दूसरे इलाकों में भी मध्यम खतरे का अनुमान है. मुख्य सचिव ने की पूरी स्थिति की समीक्षा मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में बुधवार को इस पूरे मामले को लेकर उच्चस्तरीय बैठक हुई. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबंधित जिलों के डीएम, वरीय पुलिस अधिकारी और एसपी बैठक में शामिल हुए. बैठक में नेपाल में बन रही स्थिति और उसके बिहार पर पड़ने वाले असर की जानकारी ली गई. मुख्य सचिव ने सभी संबंधित जिलों को पूरी तरह अलर्ट रहने को कहा. साथ ही राहत और बचाव की सभी तैयारियां पहले से पूरी रखने के निर्देश दिए गए. पानी बढ़ते ही लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाने की तैयारी प्रशासन को कहा गया है कि अगर नदी का पानी अचानक बढ़ता है तो लोगों को समय रहते सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की व्यवस्था तैयार रहे. किसी भी आपात स्थिति में लोगों को निकालने में देरी नहीं होनी चाहिए. पश्चिमी चंपारण से वैशाली तक खास नजर गंडक नदी में पानी बढ़ने की आशंका को देखते हुए पश्चिमी चंपारण यानी बेतिया, पूर्वी चंपारण यानी मोतिहारी, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली में खास निगरानी रखने को कहा गया है. इसके अलावा सीतामढ़ी, शिवहर और दूसरे संवेदनशील जिलों को भी लगातार हालात पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं. डीएम को नदी के पानी का स्तर, तटबंध, निचले इलाके, पुल-पुलिया और दूसरे संवेदनशील स्थानों की नियमित जांच करने को कहा गया है. स्थानीय लोगों को खतरे की जानकारी समय पर देने और जरूरत पड़ने पर तुरंत अलर्ट करने की व्यवस्था भी रखने के निर्देश दिए गए हैं. गंडक बैराज के गेट और नहरों पर भी नजर जल संसाधन विभाग को गंडक बैराज के सभी गेट और उससे जुड़ी नहरों में पानी का सही तरीके से प्रबंधन करने को कहा गया है. जल संसाधन विभाग के अधिकारी और इंजीनियर अपने-अपने इलाके में लगातार निगरानी रखेंगे. तटबंधों और पानी से जुड़ी जरूरी संरचनाओं की भी नियमित जांच की जा रही है. इसका मकसद पानी का दबाव बढ़ने या किसी तरह की परेशानी सामने आने पर तुरंत कार्रवाई करना है. नाव, राहत शिविर और सामुदायिक रसोई तैयार रखने के निर्देश संभावित बाढ़ से प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सभी संबंधित जिलों को तैयार रखने को कहा गया है. इसके साथ ही पर्याप्त नावों की व्यवस्था, राहत शिविर और सामुदायिक रसोई भी तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं. अगर पानी बढ़ता है या बाढ़ की स्थिति बनती है तो लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए.

मां के सामने पवन सिंह का छलका दर्द, बोले- माई चली गई तो पवन भी खत्म, भोजपुरी बवाल का प्रोमो वायरल

पटना (एजेंसी) भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह का एक नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें वह अपनी मां के साथ बेहद भावुक पल साझा करते दिख रहे हैं. मां के प्रति उनका गहरा प्रेम और निर्भरता साफ झलक रही है. इस बातचीत ने फैंस का दिल जीत लिया है. भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और गायक पवन सिंह अपनी फिल्मों और गानों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं. अब उनका एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है. भोजपुरी बवाल के नए प्रोमो में पवन सिंह अपनी मां के साथ बातचीत करते हुए बेहद भावुक नजर आ रहे हैं. मां के प्रति उनके प्यार और भावनाओं ने लोगों का ध्यान खींचा है. मां से बातचीत में छलका पवन सिंह का प्यार भोजपुरी

बवाल के नए प्रोमो में पवन सिंह की मां बेटे की तबीयत को लेकर चिंता जाहिर करती नजर आती हैं. वह पवन से उनकी सेहत और शरीर में हो रही परेशानी के बारे में पूछती हैं. बातचीत के दौरान पवन सिंह बताते हैं कि वह अपना काम छोड़कर मां से मिलने पहुंचे हैं. मां-बेटे की बातचीत में दोनों के बीच का गहरा भावनात्मक रिश्ता साफ दिखाई देता है. मेरी सबसे बड़ी दौलत मेरी मां हैंप्रोमो में पवन सिंह अपनी मां के प्रति प्यार जाहिर करते हुए कहते हैं कि उनकी जिंदगी में सबसे बड़ी दौलत उनकी मां हैं. वह मां को अपनी सबसे खास संपत्ति बताते हैं. पवन सिंह की यह बात सुनकर मां भी भावुक हो जाती हैं. बातचीत का यह हिस्सा सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है. मां के बिना जिंदगी को लेकर भावुक हुए पवन सिंहबातचीत के दौरान पवन सिंह मां को लेकर और भी भावुक हो जाते हैं. वह कहते हैं कि अगर उनकी मां नहीं रहेंगी तो उनके लिए सबकुछ खत्म हो जाएगा. मां के प्रति पवन सिंह की यह भावना बताती है कि वह अपनी मां को सिर्फ परिवार का हिस्सा नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा मानते हैं. पवन सिंह भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के लोकप्रिय गायकों और अभिनेताओं में शामिल हैं. उन्होंने गायकी से अपने करियर की शुरूआत की और बाद में अभिनय के क्षेत्र में भी पहचान बनाई. उनके भोजपुरी गाने बिहार और उत्तर प्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में लोकप्रिय हैं. फिल्मों में भी पवन सिंह ने कई चर्चित प्रोजेक्ट्स में काम किया है. पवन सिंह की निजी जिंदगी भी लंबे समय से सुर्खियों में रही है. उन्होंने पहले नीलम सिंह से शादी की थी. नीलम सिंह की मौत के बाद उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया. इसके बाद पवन सिंह ने ज्योति सिंह से शादी की. हालांकि, दोनों के रिश्ते को लेकर भी समय-समय पर विवाद और अलगाव की खबरें सामने आती रही हैं. मां के साथ रिश्ते की झलक ने जीता लोगों का ध्यान पवन सिंह की निजी जिंदगी भले ही अक्सर चर्चा में रहती हो, लेकिन मां के साथ उनका भावनात्मक रिश्ता उनके प्रशंसकों के लिए हमेशा खास रहा है. भोजपुरी बवाल के नए प्रोमो में मां के प्रति उनका प्यार और भावुक अंदाज एक बार फिर सामने आया है.

शराब तस्करों ने घेरकर उत्पाद विभाग की टीम पर किया हमला, गाड़ी तोड़ी, सीवान-गोपालगंज पुलिस मौके पर पहुंची

पटना (एजेंसी) सीवान के जामो बाजार में शराब तस्करों का पीछा कर रही उत्पाद विभाग की टीम पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। : सीवान के जामो बाजार थाना क्षेत्र के बलडीहा बथानी टोला गांव में मंगलवार रात शराब तस्करों का पीछा कर रही गोपालगंज जिले के मोहम्मदपुर उत्पाद विभाग की टीम पर हमला कर दिया गया. हमले में टीम का वाहन क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के बाद सीवान और गोपालगंज जिले की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस अब हमले में शामिल लोगों की पहचान और घटना के कारणों की जांच कर रही है. शराब तस्करों का पीछा करते बलडीहा पहुंची टीम जानकारी के अनुसार

मोहम्मदपुर उत्पाद विभाग की टीम को शराब तस्करी से जुड़ी सूचना मिली थी. टीम को पता चला था कि शराब तस्कर भारी मात्रा में शराब लेकर सीवान जिले की ओर जा रहे हैं. सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम तस्करों का पीछा करते हुए सीवान के बलडीहा गांव तक पहुंची. गांव में घेरकर उत्पाद टीम पर किया हमला बताया जाता है कि मंगलवार रात बलडीहा बथानी टोला गांव में पहुंचने के दौरान कुछ उपद्रवी तत्वों ने उत्पाद विभाग की टीम को घेर लिया. इसके बाद टीम पर हमला कर दिया गया. हमले के दौरान उत्पाद विभाग की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई. घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई. सूचना मिलते ही पहुंची दोनों जिलों की पुलिस हमले की जानकारी उत्पाद विभाग की टीम ने स्थानीय पुलिस को दी. सूचना मिलते ही सीवान और गोपालगंज जिले की पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया और घटना से जुड़े लोगों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी. उपद्रवियों की पहचान में जुटी पुलिस पुलिस अब हमले में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है. घटनास्थल और आसपास के इलाकों से जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. गोपालगंज सीमा से सटा है बलडीहा गांव बलडीहा गांव गोपालगंज जिले की सीमा से सटा हुआ क्षेत्र है. इसी वजह से घटना के बाद दोनों जिलों की पुलिस सक्रिय हुई. पुलिस इलाके में स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए निगरानी कर रही है. दोषियों पर होगी कार्रवाई पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच जारी है. घटना में शामिल लोगों की पहचान होने के बाद उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी. पुलिस यह भी जांच कर रही है कि उत्पाद विभाग की टीम पर हमला किन परिस्थितियों में हुआ और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे.

पटना में छात्रों पर चली लाठी तो भड़के अनंत सिंह, बोले- मांग पूरी करें या न करें, लेकिन ऐसे मारना ठीक नहीं...

पटना (एजेंसी) पटना में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर विधायक अनंत सिंह ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि मांगें पूरी हों या न हों, लेकिन छात्रों को इस तरह मारना ठीक नहीं है. अनंत सिंह ने कहा कि मांग कोई भी हो, ह्यमारने का नियम किसी को नहीं है.ह्व पटना में मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ. इस पर अब मोकामा के विधायक अनंत सिंह का बयान सामने आया है. उन्होंने छात्रों की मांगों से ज्यादा पुलिस की कार्रवाई के तरीके पर सवाल उठाया. अनंत सिंह ने साफ कहा कि मांगें पूरी हों या नहीं, लेकिन छात्रों को इस तरह पीटना ठीक नहीं है. इस तरह से मारने का नियम नहीं है- अनंत सिंह छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर अनंत सिंह ने कहा, ह्लवो मांग पूरी करें या ना करें, लेकिन जैसे मारते हैं, वो ठीक नहीं है. उन्होंने आगे कहा कि छात्रों को ऐसे पीटने का कोई नियम

नहीं है. अनंत सिंह के इस बयान को छात्रों के प्रदर्शन के बीच अहम माना जा रहा है. बुधवार को पटना में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई जगहों पर छात्रों पर लाठीचार्ज किया. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया गया. नीतीश कुमार की जमकर तारीफ बातचीत के दौरान अनंत सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके नीतीश कुमार की भी जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जैसा कोई पैदा नहीं लिया है और ना लेगा. नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए अनंत सिंह ने उनकी राजनीतिक क्षमता की सराहना की. उपेंद्र कुशवाहा के बयान पर भी दिया जवाब उपेंद्र कुशवाहा से जुड़े सवाल पर अनंत सिंह ने अपने अंदाज में जवाब दिया. उन्होंने कहा, ह्लअब हमको प्रधानमंत्री बनने का मन है, कौन बना देगा?ह्व अनंत सिंह ने आगे कहा कि निशांत कुमार जेडीयू संभाल लेंगे और वह मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं. चिराग पासवान भी पहुंचे थे छात्रों के बीच इससे पहले मंगलवार देर रात केंद्रीय मंत्री और (रामविलास) के सांसद चिराग पासवान गर्दनीबाग पहुंचे थे. यहां उन्होंने धरने पर बैठे छात्रों से मुलाकात की. चिराग ने छात्रों की मांगें सुनीं और उन्हें सरकार के सामने उठाने का भरोसा दिया. चिराग ने कहा कि छात्रों का संघर्ष दो सप्ताह से ज्यादा समय से चल रहा है. जिस तरह से उनका संघर्ष सामने आया है, उससे उनकी चिंता बढ़ी है.

कई ट्रेनों के रूट में होगा बदलाव, गया होकर चलेगी धनबाद–पटना इंटरसिटी, शक्तिपुंज एक्सप्रेस का भी बदलेगा रूट,

पटना (एजेंसी) मुगमा स्टेशन पर रीमॉडलिंग कार्य के चलते सितंबर में कई ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया है. इसका असर गया से गुजरने वाली ट्रेनों पर भी पड़ेगा. धनबाद-पटना इंटरसिटी समेत कई ट्रेनें तय रूट के बजाय परिवर्तित मार्ग से चलेंगी. पूर्व रेलवे के मुगमा स्टेशन पर रीमॉडलिंग का काम चल रहा है. इसके चलते सितंबर में कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है. इसका सीधा असर गया से गुजरने वाली ट्रेनों पर भी पड़ेगा. रेलवे ने कुछ ट्रेनों को उनके निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित रूट से चलाने का फैसला किया है. 24 से 27 सितंबर तक बदले रूट से चलेगी इंटरसिट धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस से सफर करने वाले यात्रियों के लिए यह बदलाव अहम है. रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 13331 धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस 24 से 27 सितंबर तक परिवर्तित मार्ग से चलेगी. इन चार दिनों में ट्रेन धनबाद से गया होते हुए पटना पहुंचेगी. यानी गया के यात्रियों को धनबाद और पटना के बीच आने-जाने के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी. इसी तरह ट्रेन संख्या 13332 पटना-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस भी 24 से 27 सितंबर तक पटना-गया-धनबाद मार्ग से चलेगी. गया के यात्रियों को मिलेगा फायदा रूट में बदलाव के कारण गया स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी. इन दिनों पटना और धनबाद के बीच सफर करने वालों के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस गया होकर उपलब्ध रहेगी. हालांकि, यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन के समय और परिचालन की ताजा स्थिति जरूर जांचने की सलाह दी गई है. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें शक्तिपुंज एक्सप्रेस भी बदले रूट से चलेगी गमा स्टेशन पर चल रहे काम का असर शक्तिपुंज एक्सप्रेस के परिचालन पर भी पड़ेगा. ट्रेन संख्या 11447 जबलपुर-हावड़ा शक्तिपुंज एक्सप्रेस और 11448 हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस को भी परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा. रेलवे के अनुसार, दोनों ट्रेनों का परिचालन पतरातू, बरकाकाना, कोडरमा, महेशमुण्डा, मधुपुर और सीतारामपुर होकर किया जाएगा. इस बदलाव से ट्रेनों के नियमित रूट और यात्रा के समय में अंतर आ सकता है. यात्रा से पहले ट्रेन का रूट जरूर चेक करें रीमॉडलिंग कार्य के चलते यह बदलाव अस्थायी है. रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन के परिचालन और रूट की जानकारी जरूर ले लें. स्टेशन के लिए निकलने से पहले ट्रेन की स्थिति की पुष्टि करना यात्रियों के लिए

बेहतर रहेगा. मुगमा स्टेशन पर रीमॉडलिंग का काम पूरा होने के बाद ट्रेनों का परिचालन फिर से निर्धारित मार्ग से किया जाएगा.

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की अप्रत्याशित रूप से अधिक बायबैक की घोषणा के बाद से ही सोने की कीमतें तीन महीने के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गयीं। वैश्विक बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,700 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। चांदी भी 69 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई है। इस तेजी से निवेशकों का ध्यान एक बार फिर सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन धातुओं की ओर बढ़ा है।

वहीं घरेलू बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में उछाल देखा तेजी रही। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1,63,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब, जबकि चांदी का भाव 2,45,700 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रहा था।

एमसीएक्सा पर सोने के बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध की शुरुआत तेजी के साथ हुई। यह 320 रुपये की बढ़त के साथ 1,63,202 रुपये के भाव पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,62,882 रुपये था। वर्तमान समय में, यह अनुबंध 254 रुपये की तेजी के साथ 1,63,136 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार के दौरान ये 1,63,202 रुपये के उच्च स्तर और 1,62,021 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा।

इसी प्रकार चांदी के वायदा भाव में भी बड़ी तेजी रही। एमसीएक्स पर सितंबर अनुबंध 1,456 रुपये की बड़ी बढ़त साथ 2,45,583 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,44,127 रुपये था। दिन के दौरान इसका उच्चतम स्तर 2,46,180 रुपये और न्यूनतम स्तर 2,45,430 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने चांदी के वायदा भाव में सकारात्मक रुख जारी है। सोने का भाव 4,715.70 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 10.90 डॉलर की तेजी के साथ 4,705.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 4,694.50 डॉलर प्रति औंस था।

ईरान-अमेरिका युद्ध से परेशान एनआरआई भारत में खरीद रहे महंगे मकान

मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ के अपार्टमेंट करा रहे बुक

नई दिल्ली।

ईरान युद्ध के चलते प्रवासी भारतीय भारत में महंगे मकान खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। रियल एस्टेट कंपनियों के मुताबिक करीब छह महीने से जारी ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में अनिश्चितता के बीच एनआरआई भारत में लक्जरी मकान खरीदने के लिए बातचीत बढ़ा रहे हैं। पूर्वंकरा सीईओ ने कहा कि एनआरआई की दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में हमारी प्री-सेल्स में एनआरआई की हिस्सेदारी 9 फीसदी थी, जो चौथी तिमाही में बढ़कर 13 फीसदी और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 15 फीसदी तक पहुंच गई है।

खास बात यह है कि एनआरआई की तरफ से आ रही मांग का करीब 87 फीसदी हिस्सा पश्चिम एशिया से है। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में रहने वाले एनआरआई 'आज भारत को निवेश का स्थिर और लंबे समय का ठिकाना मान रहे हैं। इस साल 28 फरवरी को लड़ाई छिड़ने के बाद से जीसीसी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान के हमले होते रहे हैं। रियल एस्टेट डेवलपरों और अधिकारियों का कहना है कि एनआरआई मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ रुपए के अपार्टमेंट बुक करा रहे हैं। लोढ़ा डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए कंपनी की अर्निंग्स कॉल के दौरान अनुमान लगाया कि यह रुझान पिछले साल से उलटा हो सकता है। उन्होंने कहा कि विदेश में उथल-पुथल के कारण एनआरआई भारत में सुरक्षित ठिकाना तलाशेंगे। हमें उम्मीद है कि आव्रजन से जुड़ी वजहों से अमेरिका में रहने वाले खरीदार भी ऐसा ही करेंगे। पिछले साल भारत से करीब 35,000 करोड़ रुपए का निवेश दुबई के रियल एस्टेट में हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 183, निफ्टी 126 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी और ऑटो शेयरों के साथ ही आईटी में भी गिरावट रही जिससे भी बाजार धारणा कमजोर हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 183.15 अंक गिरकर 77,472.94 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.80 नीचे आकर 24,207.75 पर बंद हुआ।

आज सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ 77,892.10 पर खुला। वहीं, निफ्टी अपने 7.40 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,341.95 पर खुला। व्यापक बाजार में भी मिश्रित कारोबार देखने को मिला, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी दर्ज की गई।

निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी रियल्टी का प्रदर्शन भी खराब रहा।

वहीं, निफ्टी मेटल, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सीमेंट का प्रदर्शन बेहतर रहा। आज कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही, जबकि भारती एयरटेल, पावरग्रिड, इंफोसिस, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया और श्रीराम फाइनेंस सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती घंटों में ही सेंसेक्स 240 अंक बढ़कर 77,900 के स्तर के करीब पहुंच गया जबकि निफ्टी 24,300 अंक ऊपर आया। दूसरी ओर एशिया-प्रशांत के ज्यादातर बाजार भी बढ़त पर रहे।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

न्यूयार्क ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। कीमतों में ये गिरावट वैश्विक आपूर्ति मार्ग होर्मुज पर तनाव में कमी से आई है। कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेज गिरावट दर्ज की गई। इससे अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 2 फीसदी ने फिसलकर 80 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब आ गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड भी लगभग 2.25 फीसदी की गिरावट के साथ ही 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण विश्व के प्रमुख तेल आपूर्ति मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होनो है जिससे जहाजों का आवागमन बेहतर हुआ है। ईरान और ओमान के बीच इस प्रमुख् समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही को बेहतर बनाने बातचीत जारी है। , इन देशों के बीच चल रही वार्ताओं से यह उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में तेल वाहक जहाजों की आवाजाही आसान हो जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों देश एक अस्थायी समुद्री मार्ग स्थापित करने और समुद्र में मौजूद बारूदी सुरंगों को हटाने पर भी विचार कर रहे हैं। इन सकारात्मक घटनाक्रमों ने बाजार में तेल आपूर्ति की कमी के डर को काफी हद तक कम कर दिया है, जिससे निवेशकों का रुख बिकवाली की ओर मुड़ गया है।बुधवार सुबह (भारतीय समयानुसार लगभग 8 बजे), डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा 2 डॉलर यानी 2.43 फीसदी गिरकर 80.36 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ के निवेश की दरकार

नई दिल्ली। देश में आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के पांच साल बाद 1996 में अर्थशास्त्री राकेश मोहन ने वित्त मंत्रालय को अहम दस्तावेज सौंपा। इस दस्तावेज ने भारत के अवसंरचना या बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परिभाषा ही बदल दी। मोहन उस समय राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के महानिदेशक हुआ करते थे। भारतीय अवसंरचना रिपोर्ट शीर्षक नाम से मोहन के इस दस्तावेज में वैश्विक रुझानों और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने के भारत की महत्त्वाकांक्षाओं का जिक्र किया गया था। इस दस्तावेज में उस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की ज्यादा भागीदारी पर जोर दिया जिसमें सरकार का दबदबा था। इस रिपोर्ट ने उन कई सुधारों का रास्ता भी साफ हो गया जो भारत में आने वाले सालों में अपनाए गए थे।रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश की दरकार होगी। साथ ही, इसमें कहा गया था कि निजी निवेश की हिस्सेदारी 5 फीसदी से बढ़ाकर 44 फीसदी करने की जरूरत है। इसके बाद के सालों में सरकार को एहसास हुआ कि जर्जर हो रहे अवसंरचना क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलना बहुत जरूरी है।

इसके बाद खासकर पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के दौरान कई बड़ी परियोजनाएं शुरू की गईं जिनके जरिये संपर्क को बढ़ावा मिला। इनमें 'स्वर्णिम चतुर्भुज' परियोजना भी शामिल थी। उस समय के कुछ जानकारों ने इस परियोजना को 16वीं शताब्दी में शेर शाह सूरी द्वारा बनाए गए 'ग्रांड ट्रंक रोड' के बाद अपनी तरह का सबसे बड़ी परियोजना बताया था।

देश में चल रहे कई बड़े प्रोजेक्ट, मजदूरों की कमी से कई काम नहीं हो पा रहे पूरे

कंपनियों को हो रहा घाटा 10 फीसदी घटी कमाई, देरी से बढ़ रही प्रोजेक्ट की लागत,

नई दिल्ली,।

देश में सड़क, रेलवे, मेट्रो, बिजली और दूसरे बड़े प्रोजेक्ट पर काम जारी है। कंपनियों को नए ऑर्डर भी मिल रहे हैं, लेकिन अब एक नई परेशानी सामने आ रही है। काम तो है, लेकिन उसे पूरा करने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे। इसका असर प्रोजेक्ट की रफ्तार से लेकर कंपनियों की कमाई पर पड़ने लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में देश की 13 बड़ी लिस्टेड इंफ्रा कंपनियों को मिले नए ऑर्डर पिछले साल के मुकाबले 63 फीसदी बढ़े, लेकिन इसके बावजूद इन कंपनियों की कुल आमदनी पिछले साल के आसपास ही रही और पिछली तिमाही के मुकाबले 10 फीसदी घट गई।

रिपोर्ट के मुताबिक किसी कंपनी को 5,000 या 10,000 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिल जाना और उससे कमाई होना एक बात नहीं है। कंपनी की कमाई तब होती है, जब वह जमीन पर काम करती है। सड़क बनती है, पुल तैयार होता है या रेलवे से जुड़ा काम करती है। इसके लिए मशीनों और इंजीनियरों के साथ बड़ी संख्या में मजदूर चाहिए होते हैं। रिपोर्ट में बताया कि पहली तिमाही में राज्यों के चुनाव के कारण मजदूरों से जुड़ी परेशानी देखने को मिली। इसका असर काम की रफ्तार पर पड़ा यानी कंपनियों के पास ऑर्डर थे, लेकिन मजदूरों की कमी के कारण काम की रफ्तार धीमी रही।

मजदूरों की कमी से कंपनियों के सामने एक और परेशानी खड़ी होती है। जब काम ज्यादा हो और मजदूर कम मिलें तो मजदूरी बढ़ जाती है यानी कंपनी को वही काम कराने के लिए पहले से ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है। अगर मजदूर समय पर नहीं मिलते तो प्रोजेक्ट पूरा होने में भी ज्यादा समय लगता है। इसका सीधा असर कंपनी के मुनाफे पर पड़ता है। हालांकि कंपनियों की कमजोर तिमाही के लिए सिर्फ मजदूरों की कमी जिम्मेदार नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने भी कंपनियों का खर्च बढ़ाया है। इसके साथ मजदूरी की लागत भी बढ़ी है। नतीजा 13 कंपनियों का कामकाजी मुनाफे का मार्जिन पिछले साल के मुकाबले करीब 1.10 फीसदी घटकर 10 फीसदी रह गया। वहीं शुद्ध मुनाफे से जुड़ा मार्जिन करीब 1.30 फीसदी घटकर 4 फीसदी रह गया है।

अगर मजदूरों की परेशानी लंबे समय तक रहती है तो इसका असर आम लोगों तक भी पहुंच सकता है। सड़क, पुल, रेलवे लाइन, मेट्रो या दूसरे प्रोजेक्ट को पूरा होने में ज्यादा समय लग सकता है। काम लंबा खिंचा तो उसकी लागत भी बढ़ जाती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि देश के सभी इंफ्रा प्रोजेक्ट मजदूरों की कमी से अटक जाएंगे। अलग-अलग कंपनी, राज्य और प्रोजेक्ट पर इसका असर अलग हो सकता है।

तमिलनाडु में बच्चों को सोने की अंगूठी- दिग्गज ज्वैलर्स सिर्फ एक पैसे में बनाएंगे

योजना में 22 कैरेट सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी

चेन्नई,।

तमिलनाडु सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी 'थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम' योजना शुरू की है, जिसके तहत राज्य के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को एक ग्राम, 22 कैरेट सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी। इस विशाल परियोजना को साकार करने के लिए, दो प्रमुख आभूषण कंपनियों, जोयालुक्कास और कल्याण ज्वेलर्स को लाखों अंगूठियां बनाने का ठेका दिया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि ये दिग्गज ज्वेलर्स, जो आमतौर पर ग्राहकों से भारी मेकिंग चार्ज वसूलते हैं, थलापति विजय सरकार से प्रति अंगूठी केवल 1 पैसे का सांकेतिक सेवा शुल्क लेने वाले है। मामा की सोने की अंगूठी योजना' नाम से जानी जाने वाली पहल, राज्य में प्रसव के लिए सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को चुनने के लिए परिवारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। तमिल संस्कृति में नवजात शिशु के आगमन पर मामा द्वारा उपहार देने की परंपरा से प्रेरित यह योजना, मुख्यमंत्री थलपति विजय की पार्टी के चुनावी वादे का हिस्सा है। विजय सरकार ने योजना के लिए प्रति वर्ष 755.83 करोड़ का भारी-भरकम बजट निर्धारित किया है, जो इसकी व्यापक पहुंच और प्रभाव को दिखाता है।यह असाधारण 1 पैसे का सेवा शुल्क केवल मेकिंग चार्ज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें निर्माण से लेकर अस्पताल तक अंगूठियों के सुरक्षित परिवहन का बीमा, साथ ही 22 कैरेट सोने की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए बीआईएस हॉलमार्किंग का खर्च शामिल है। सोने की बाजार कीमत का भुगतान विजय सरकार अलग से करेगी।

इस ठेका को पाने के लिए कुल 11 आभूषण कंपनियों ने बोली लगाई थी, लेकिन जोयालुक्कास और कल्याण ज्वैलर्स ने सबसे कम, यानी 1 पैसे प्रति अंगूठी की दर पेश की।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.31 पर बंद हुआ आज सुबह रुपया 95.40 पर खुला था। कच्चे तेल में आई गिरावट से भी रुपया मजबूत हुआ है। वहीं गत दिवस रुपया गिरावट पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सरकारी बैंकों के जरिये भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार हस्तक्षेप से रुपये की गिरावट को अधिक बढ़ने से रोकने में मदद मिली। इससे एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और ईरान को लेकर फिर बढ़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद रुपया सीमित दायरे में रहा।

बीमा सेक्टर में कमीशन से लेकर बेचने तक के बदल सकते हैं नियम, बदलाव की है तैयारी

बीमा सेक्टर में प्रीमियम तो बढ़ रहा है, लेकिन पॉलिसी की संख्या नहीं

नई दिल्ली,।

लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। आईआरडीएआई की नजर अब बीमा कंपनियों के कमीशन, बैंकों के जरिए पॉलिसी बेचने के तरीके और ग्राहकों को सही पॉलिसी देने जैसे मुद्दों पर है। अगर ये बदलाव होते हैं तो इसका असर एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, आईसीआईसीआई प्रोडेंटल लाइफ और एक्सिस मेक्स लाइफ जैसी कंपनियों पर पड़ सकता है। बीमा सेक्टर की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि प्रीमियम तो बढ़ रहा है, लेकिन पॉलिसी की संख्या नहीं।

बता दें वित्त वर्ष 2020 से 2025 के बीच नई पॉलिसी की संख्या हर साल औसतन 1.3 फीसदी घटी। वहीं नई पॉलिसी से मिलने वाला प्रीमियम करीब 8.9 फीसदी सालाना बढ़ा। इस दौरान कंपनियों का कमीशन खर्च भी करीब 14.5 फीसदी सालाना बढ़ा है यानी कंपनियों की ग्रोथ ज्यादा ग्राहक जोड़ने के बजाय महंगी पॉलिसी बेचने से आ रही है। वित्त वर्ष 2025 में लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों ने करीब 60,800 करोड़ रुपए कमीशन दिया। अब इस बात पर चर्चा है कि एजेंट और डिस्ट्रीब्यूटर को मिलने वाले पैसे का तरीका बदला जाए। मतलब कमीशन का कुछ हिस्सा इस बात से जोड़ा जा सकता है कि ग्राहक कितने समय तक पॉलिसी चालू रखता है। इससे सिर्फ पॉलिसी बेचने के बजाय उसे लंबे समय तक जारी रखने पर भी जोर बढ़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक 13वें महीने तक औसतन करीब 73.6 फीसदी पॉलिसी जारी रहती हैं। 37वें महीने तक यह आंकड़ा घटकर करीब 58.5 फीसदी रह जाता है यानी बड़ी संख्या में लोग कुछ साल बाद पॉलिसी छोड़ देते हैं। इसकी वजह महंगा प्रीमियम या ग्राहक की जरूरत के हिसाब से सही पॉलिसी नहीं मिलना हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों के जरिए बीमा बेचने के नियमों में बदलाव हुआ तो एसबीआई लाइफ पर ज्यादा नजर रहेगी। कंपनी के करीब 60 फीसदी एपीई का स्रोत उसकी पैरेंट बैंक से जुड़ा है।

वहीं एचडीएफसी लाइफ और एक्सिस मेक्स लाइफ पहले से ऐसे मॉडल पर काम करती हैं, जहां पैरेंट बैंक दूसरी बीमा कंपनियों की पॉलिसी भी बेच सकता है। शुरुआत में नए नियमों से बीमा कंपनियों की बिक्री पर कुछ दबाव पड़ सकता है, लेकिन लंबे समय में ग्राहकों को उनकी जरूरत के हिसाब से बेहतर पॉलिसी मिलने और पॉलिसी बीच में छोड़ने के मामले कम होने से इंडस्ट्री को फायदा हो सकता है। फिलहाल ये बदलाव चर्चा में हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने मोबिलिटी के भविष्य की फिर लिखी परिभाषा एमजी हेक्टर टोमहॉक को ईवी और पीएचईवी में लॉन्च किया

रांची: जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज हेक्टर टोमहॉक का अनावरण किया। यह ADAPT यानी एडवांस्ड ड्राइव आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म टेक्नोलॉजी और भारत के पहले मल्टी-न्यू एनर्जी व्हीकल (NEV) प्लेटफॉर्म पर इंजीनियर किया गया पहला उत्पाद है। यह इंटेलीजेंट तकनीक, प्रीमियम आराम, उन्नत सुरक्षा और एलेक्ट्रिफाइड परफॉर्मेंस का बेजोड़ संगम है। एमजी हेक्टर टोमहॉक को इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल (पीएचईवी) दोनों पॉवरट्रेन विकल्पों के साथ पेश किया जा रहा है।

पार्थ जिंदल, निदेशक, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, हेक्टर टोमहॉक भारत में एक सस्टेनेबल मोबिलिटी इको सिस्टम के निर्माण की हमारे सफर में एक अहम मील का पत्थर है। हम भारतीय उपभोक्ताओं के लिए दुनिया की सर्वोत्तम उपलब्ध तकनीकों और पर्यावरणीय दृष्टि से जिम्मेदार समाधान लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। साथ ही देश में स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। हेक्टर टोमहॉक ईवी और हेक्टर टोमहॉक पीएचईवी, भारत की पहली प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन की शुरूआत, नई पीढ़ी के मोबिलिटी समाधानों की एक विविध पोर्टफोलियो पेश करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है जो ग्राहकों की बदलती जरूरतों और ड्राइविंग पैटर्न को भी पूरा कर रही है.

अनुराग मेहरोत्रा, प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, मोबिलिटी का भविष्य केवल एक तकनीकी समाधान द्वारा परिभाषित नहीं किया जाएगा, बल्कि ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप मार्ग चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करके किया जाएगा। हमने हाल ही में भारत का पहले मल्टी न्यू एनर्जी व्हीकल प्लेटफॉर्म - ADAPT को हमारे उत्पादों की अगली पीढ़ी के लिए आधार के रूप में पेश किया है। आज, हेक्टर टोमहॉक उस नजरिए को साकार करने वाली पहली एसयूवी बन गई है। एश और प्लग-इन हाइब्रिड दोनों तकनीकों की पेशकश करके, हम सस्टेनेबल मोबिलिटी को अधिक सुलभ बना रहे हैं और भारतीय उपभोक्ताओं की विविध आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। हेक्टर टोमहॉक इंटेलीजेंट तकनीक, उन्नत सुरक्षा, प्रीमियम आराम और एलेक्ट्रिफाइड परफॉर्मेंस का संगम है। यह तेजी से विकसित हो रहे ऑटोमोटिव परिदृश्य के लिए फ्यूचर रेडी उत्पादों को विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

जुलाई में मॉनसून सुधार से खरीफ बोआई सामान्य के करीब, घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत दिखी

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून में सुधार होने से खरीफ बोआई को सामान्य के करीब लाने में मदद मिली। इससे कृषि क्षेत्र के लिए जोखिम आंशिक रूप से कम हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों के प्रति काफी मजबूती दिखाई है, जिसका संकेत घरेलू मांग में उछाल और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों से मिलता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मॉनसून जून में सुस्त रहने के बाद जुलाई में काफी सक्रिय दिखा। ऐसे में देश भर के जलाशयों का भंडारण एक दशक के औसत के करीब और पिछले अल नीनो वर्ष 2023 के स्तर से ऊपर रहा। जून के आखिर में बारिश की कमी कुल मिलाकर 38 फीसदी थी जो घटकर जुलाई के अंत तक 13 फीसदी रह गई है।हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि इस रिपोर्ट में बताई गई बातें लेखकों की निजी राय हैं और वे आरबीआई की राय को नहीं दर्शाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष खरीफ बोआई की अस्थायी प्रगति 2023 के मुकाबले बेहतर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगस्त से सितंबर के लिए देश भर में मॉनसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में मॉनसून की गतिविधियों में सुधार होने से खरीफ फसलों के रकबे में सुधार हुआ। सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस) की भी घोषणा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन और ट्रैक्टर बिक्री समेत कई संकेतकों से घरेलू मांग दमदार बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वृहद आर्थिक बुनियादी स्थिति दमदार रहने से घरेलू अर्थव्यवस्था को सहारा मिला। पहली तिमाही में दिखी यह रफ्तार जुलाई में भी जारी रही। अधिकतर संकेतक विनिर्माण और सेवा गतिविधियों में तेजी की रफ्तार जारी रहने और वस्तुओं के निर्यात एवं आयात में दो अंकों की वृद्धि को दर्शाते हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि पेट्रोलियम उत्पादों की खपत वृद्धि तीन महीनों की नरमी के बाद सकारात्मक हो गई है। इसी प्रकार औद्योगिक उत्पादन में भी जून में तेज वृद्धि हुई। इसे मुख्य तौर पर विनिर्माण में तेजी से रफ्तार मिली। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य और पेय पदार्थों के कारण जुलाई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि हुई लेकिन कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य मुद्रास्फीति मध्यम बनी रही।

विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित होने के बाद भी भारत में होटलों ने की कमाई

घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई, फिर भी भारत में होटल की मांग मजबूत बनी रही। घूमने-फिरने, शादियों और बड़े कारोबारी कार्यक्रमों के लिए होटल की मांग ने सेक्टर को सहारा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में होटल सेक्टर की प्रति उपलब्ध कमरे से होने वाली कमाई करीब 10 फीसदी बढ़ी। कमरे का औसत किराया 6 फीसदी बढ़ा और कमरों की भराव दर करीब 2.33 फीसदी बढ़कर 65 फीसदी पहुंची यानी होटल कंपनियां ज्यादा कमरे चढ़ाने के साथ उनका किराया भी बढ़ाने में कामयाब रहीं। निवेशकों के लिए यही इस सेक्टर की सबसे अहम बात है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहली तिमाही में मुंबई और घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा। इसके पीछे घरेलू यात्रियों की बड़ी भूमिका रही। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा प्रभावित हुई और विदेशी पर्यटकों की संख्या पर दबाव पड़ा।

राष्ट्रीय मंत्री बनने के बाद भाजपा कार्यालय पहुंचे प्रदीप वर्मा, कहा- सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी है

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री बनाए जाने के बाद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा बुधवार को पहली बार पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। यहां प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह समेत पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर प्रदीप वर्मा ने सबसे पहले पार्टी के संस्थापक नेताओं में शामिल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रदीप वर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदीप वर्मा के अनुभव और नेतृत्व क्षमता से पार्टी को मजबूती मिलेगी। राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी मिलना उनके संगठन के प्रति समर्पण और मेहनत का सम्मान है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया।

प्रदीप वर्मा ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, वह उनके लिए सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य फोकस संगठन के विस्तार और उसे मजबूत करने पर रहेगा। वह पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ काम करेंगे। प्रदीप वर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं का आभार जताया।

मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, मुनेश्वर साहू, दीपक बंका, हेमंत दास, सूरज चौरसिया, अशोक बड़ाईक, केके गुप्ता, शोभा यादव, नीरज सिंह, सूरज शाहदेव, राहुल अवस्थी, रजनीश पांडे, रमेश सिंह, राकेश भास्कर, ललित ओझा, शशि भूषण भगत, पंकज सिन्हा, गोपाल सोनी, इंद्रजीत यादव सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारतीय रेलवे का होगा कायाकल्प: 7 प्रमुख हाई-डेंसिटी मार्गों को 4-लाइन करने का खाका तैयार

बिहान भारत

नई दिल्ली : केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने देश के सात उच्च-घनत्व (हाई-डेंसिटी) वाले प्रमुख रेलवे मार्गों को चार-लाइन (फोर-लाइन) में बदलने की महत्वाकांक्षी योजना का खाका पेश किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप तैयार की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य रेलवे की क्षमता को बढ़ाना और भविष्य में यात्री तथा माल ढुलाई की बढ़ती जरूरतों को सुगमता से पूरा करना है।

यह परियोजना भारतीय रेलवे के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि लगभग 11,000 किलोमीटर के क्षेत्र में फैले ये सात मार्ग पूरे रेलवे नेटवर्क का मात्र 16 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद कुल रेल यातायात का लगभग 41 प्रतिशत भार वहन करते हैं। इस योजना के तहत देश के प्रमुख महानगरों और क्षेत्रों को जोड़ने वाले दिल्ली-हावड़ा, हावड़ा-चेन्नई, चेन्नई-मुंबई, मुंबई-दिल्ली, दिल्ली-चेन्नई, मुंबई-हावड़ा और दिल्ली-गुवाहाटी मार्गों पर चार रेलवे लाइनों का विस्तार किया जा रहा है।

श्री वैष्णव ने इस परियोजना के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि चार-लाइन होने से इन व्यस्त मार्गों पर ट्रेनों के आवागमन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे माल ढुलाई और यात्री परिवहन अधिक सुगम होगा, जिसके परिणामस्वरूप कुल परिवहन लागत में कमी आएगी। रेल मंत्री ने कहा कि यह विस्तार एक ऐसे आधुनिक रेलवे नेटवर्क का निर्माण करेगा जो पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल, स्वच्छ और टिकाऊ गतिशीलता (सस्टेनेबल मोबिलिटी) सुनिश्चित करेगा।

संक्षिप्त खबरें

बीना स्टेशन पर एनआई कार्य से छह ट्रेनों के मार्ग में बदलाव

प्रयागराज(बिभा)। झांसी के बीना स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग और नॉन इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्य के चलते रेलवे ने कुछ ट्रेनों के मार्ग में संशोधन किया है। यह जानकारी बुधवार को उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने दी। उन्होंने बताया कि पश्चिम मध्य रेलवे की ओर से जारी संशोधित सूचना के अनुसार गोरखपुर-ओखा, ओखा-गोरखपुर, सूरत-मुजफ्फरपुर, मुजफ्फरपुर-सूरत, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया और बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस के मार्ग बदले गए हैं। यात्रियों को यात्रा से पहले संशोधित मार्ग की जानकारी लेने की सलाह दी गई है। रेल प्रशासन के अनुसार बीना-आगासौद के बीच तीसरी रेल लाइन को जोड़ने के लिए यार्ड रीमॉडलिंग और नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इसके कारण कुछ ट्रेनों को निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा।

इन ट्रेनों के मार्ग बदले : 15045 गोरखपुर-ओखा एक्सप्रेस 24 सितंबर से 15 अक्टूबर तक ग्वालियर-शिवपुरी-गुना होकर चलेगी। इस दौरान चार फेरे होंगे।

15046 ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस 20 सितंबर से 11 अक्टूबर तक गुना-शिवपुरी-ग्वालियर मार्ग से संचालित होगी। इसके चार फेरे होंगे।

19053 सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस 18 सितंबर से 9 अक्टूबर तक गुना-शिवपुरी-ग्वालियर होकर चलेगी। इसके चार फेरे होंगे।

19054 मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस 20 सितंबर से 11 अक्टूबर तक ग्वालियर-शिवपुरी-गुना मार्ग से चलेगी। इसके चार फेरे होंगे।

11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया एक्सप्रेस 7 से 14 अक्टूबर तक संशोधित मार्ग से चलेगी। अब यह इटारसी-जबलपुर-कटनी होकर संचालित होगी। इसके आठ फेरे होंगे।

11072 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 7 से 14 अक्टूबर तक कटनी-जबलपुर-इटारसी मार्ग से चलेगी। इसके आठ फेरे होंगे।

जनसंपर्क अधिकारी अमित ने बताया कि अधोसंरचना को बेहतर बनाने के लिए बीना स्टेशन पर यह महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों के संशोधित मार्ग की सूचना जारी की गई है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि संबंधित अवधि में यात्रा करने से पहले अपनी ट्रेन के मार्ग और परिचालन की नवीनतम जानकारी अवश्य जांच लें। उन्होंने कहा कि रेल प्रशासन को होने वाली असुविधा के लिए खेद है और यात्रियों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

अगासोद स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग से मुरादाबाद रेल मंडल की तीन ट्रेनें होंगी प्रभावित

मुरादाबाद(बिभा)। यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण 24 अक्टूबर तक अलग-अलग तिथियों में नॉन इण्टरलॉकिंग में ब्लॉक के कारण मुरादाबाद मंडल मे संचालित तीन रेलगाड़ियां प्रभावित होंगी। जिसमें दो ट्रेनें निरस्त एवं एक परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मण्डल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक महेश यादव ने बताया कि अगासोद स्टेशन पर झांसी मंडल के अंतर्गत बीना वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलखंड में अगासोद बीना के मध्य तीसरी रेल लाइन के लिए यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण 24 अक्टूबर तक अलग-अलग तिथियों में नॉन इण्टरलॉकिंग में ब्लॉक के कारण मुरादाबाद मंडल मे संचालित तीन रेलगाड़ियां प्रभावित होंगी। जिसमें दो ट्रेनें निरस्त एवं एक परिवर्तित मार्ग से संचालित होगी। रेलगाड़ी संख्या 05073 साप्ताहिक गाड़ी 29 सितम्बर, 6 अक्टूबर एवं 13 अक्टूबर को निरस्त रहेंगी। रेलगाड़ी संख्या 05074 साप्ताहिक गाड़ी 26 सितम्बर, 3 अक्टूबर एवं 10 अक्टूबर को निरस्त रहेंगी। इसके अलावा रेलगाड़ी संख्या 18477 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश 7 अक्टूबर को परिवर्तित मार्ग द्वारा संचालित की जाएगी।

अनुकृति गुसाईं रावत बनीं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता, समीर बाजपेई ने दी बधाई

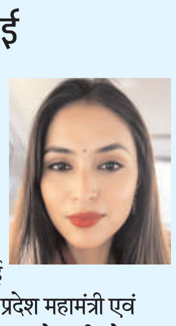

देहरादून(बिभा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं उत्तराखंड सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत की पुत्रवधू तथा 40-लैंसडाउन विधानसभा क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी अनुकृति गुसाईं रावत को भारतीय जनता पार्टी उत्तराखंड का प्रदेश प्रवक्ता बनाए जाने पर किला मजदूर यूनियन, आर्डिनेंस इक्विपमेंट फैक्ट्री कानपुर के महामंत्री समीर बाजपेई ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं कार्यालय प्रभारी कुंदन परिहार द्वारा 25 अगस्त 2026 को जारी प्रदेश प्रवक्ताओं की सूची में अनुकृति गुसाईं रावत को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। समीर बाजपेई ने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके नेतृत्व, सक्रियता और जनसेवा के प्रति समर्पण का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताया कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। समीर बाजपेई ने आगामी 2027 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में अनुकृति गुसाईं रावत के विधायक निर्वाचित होने की शुभेच्छा व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि पार्टी नेतृत्व उन्हें विधानसभा चुनाव में अवसर देगा और वे जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगी।

राज्य सरकार ने झारखंड की युवा पीढ़ी के साथ किया धोखा : देवेन्द्रनाथ

बिभा संवाददाता

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच के नेतृत्व में भर्ती व्यवस्था में सुधार और छात्रों के हित में चल रही भर्ती सुधार यात्रा बुधवार को तीसरे दिन चतरा और कोडरमा होते हुए गिरिडीह पहुंची।

इस अवसर पर यात्रा का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड की युवा पीढ़ी के साथ धोखा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया और राज्य के मानव संसाधन को उचित सम्मान नहीं दिया।

देवेंद्र महतो ने कहा कि छात्रों के भविष्य की गारंटी और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था सुनिश्चित होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि भर्ती सुधार यात्रा के माध्यम से पूरे झारखंड में युवाओं और अभ्यर्थियों को संगठित किया जाएगा। यात्रा की शुरूआत रामगढ़ के नेमरा से हुई है। गुरुवार को यात्रा देवघर पहुंचेगी।

यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर जन-जागरण, पदयात्रा और जनसभाओं के माध्यम से युवाओं एवं अभ्यर्थियों को भर्ती व्यवस्था में सुधार के लिए जागरूक किया गया। यात्रा की शुरूआत चतरा जिले के इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद देहर, चौपारण, बटबीघा, उरवां और बरही में जन-जागरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कोडरमा जिले के सुभाष चौक, झंडा मोड़ और महाराणा प्रताप चौक पर पदयात्रा निकाली गई। इसके बाद गिरिडीह जिले के डोमचांच, घोड़थंभा और गोरीमहुआ में जनसभा हुआ।

मौके पर मनोज यादव, आकांक्षा कुमारी, कृष्णा यादव, मेघनाथ महतो, चंदन कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र और अभिभावक मौजूद थे।

ईद-ए-मिलाद पर निकाला गया जुलूस

बिभा संवाददाता

देवघर। पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब की जयंति पर मनाया जाने वाला ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उन-नबी) का पर्व जिले में उत्साह और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों में नमाज अदा की और एक-दूसरे को ईद-ए-मिलाद की बधाई दी। जिले के मधुपुर, सारठ और पालोजोरी प्रखंड सहित विभिन्न क्षेत्रों में ईद-ए-मिलाद के अवसर पर जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। इस दौरान पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के जीवन, उनकी शिक्षाओं, दया, नेक कार्यों और इंसानियत के संदेश को लोगों तक पहुंचाया गया। मौके पर मधुपुर में मंत्री हफिजुल हसन ने कहा कि ईद-ए-मिलाद का पर्व हमें एकता,भाईचारे और पवित्रता का संदेश देता है। सभी लोग मिल-जुलकर पर्व मनाते हैं और इस अवसर पर जरूरतमंदों की मदद करने एवं समाज में आपसी सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लेते हैं। वहीं विभिन्न जगह निकले गए जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। माइक के माध्यम से पैगंबर साहब के नेक कार्यों और इंसानियत के प्रति उनके संदेशों को लोगों तक पहुंचाया गया। विभिन्न स्थानों पर जुलूस का रोक-रोककर स्वागत भी किया गया। इस दौरान हिन्दू-मुस्लिम सहित विभिन्न समुदायों के लोगों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द की मिसाल पेश की।

एमएमडीआर संशोधन बिल झारखंड के खनिज अधिकार और राजस्व पर हमला : कमलेश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के एमएमडीआर संशोधन बिल के समर्थन में दिए गए बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा पर राज्य के संवैधानिक और वित्तीय अधिकार को कमजोर करने वाले कानून को राज्यहित में बताना जनता को गुमराह करने की कोशिश है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि रघुवर दास को पहले यह बताना चाहिए कि उनके शासनकाल में झारखंड की खनिज संपदा से राज्य और जनता को कितना वास्तविक लाभ मिला। साथ ही, यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि खनन प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति में अपेक्षित बदलाव क्यों नहीं आया।

उन्होंने कहा कि भाजपा को यदि झारखंड की खनिज संपदा से वास्तव में इतनी ही चिंता है तो उसे स्पष्ट करना चाहिए कि एमएमडीआर संशोधन के बाद राज्यों के अधिकार, खनिज-युक्त भूमि उपकर और खनिज राजस्व की सुरक्षा की ठोस गारंटी क्या है। केवल यह कहना कि 90 प्रतिशत भुगतान राज्यों को मिलता है, वास्तविक सवाल का जवाब नहीं है। असली सवाल यह है कि केंद्र सरकार कानून बनाकर राज्यों के राजस्व अधिकार और नीति-निर्धारण की क्षमता को सीमित क्यों करना चाहती है।

केशव महतो कमलेश ने रघुवर दास के पारदर्शी लीगल माइनिंग के दावे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि रघुवर दास को अपने कार्यकाल का भी आकलन करना चाहिए और बताना चाहिए कि उस दौरान खनन प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के हित में क्या ठोस कदम उठाए गए।

उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा न तो भाजपा की निजी संपत्ति है और न ही केंद्र सरकार की। यह झारखंड की जनता, आदिवासियों और मूलवासियों की प्राकृतिक संपदा है। इसके दोहन से प्राप्त राजस्व का इस्तेमाल राज्य के विकास और आम लोगों के कल्याण में होना चाहिए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि खनिज संपदा से मिलने वाले राजस्व को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और खनन प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास पर खर्च किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन ऐसा हो, जिससे उसका वास्तविक लाभ राज्य और यहां की जनता को मिले, न कि उनके अधिकार और राजस्व हित कमजोर हों।

खनिज संशोधन विधेयक का होगा पुरजोर विरोध : झामुमो

बिभा संवाददाता

देवघर। एमएमडीआर (खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक के विरोध में बुधवार को झामुमो प्रखंड कमेटी, मोहनपुर की ओर से जन-जागरण पदयात्रा निकाली गई। प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार मंडल के नेतृत्व में निकली पदयात्रा के माध्यम से आमजनों को विधेयक के विरोध में आगामी आंदोलन से जुड़ने की अपील की गई।

पदयात्रा के दौरान झामुमो कार्यकताओं ने लोगों से अपील की कि आगामी 07 सितंबर को प्रखंड मुख्यालय में आयोजित धरना-प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर एमएमडीआर संशोधन विधेयक को वापस कराने के आंदोलन को मजबूती प्रदान करें।

मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष संजय कुमार शर्मा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार झारखंड की खनिज संपदा पर अधिकार जताकर राज्य की जनता को उससे मिलने वाले लाभ से वंचित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और यहां के प्राकृतिक संसाधनों पर पहला अधिकार राज्य की जनता का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक ओर झारखंड की झामुमो सरकार गरीब, महिलाओं और बुजुर्गों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, वहीं केंद्र सरकार संशोधन विधेयक के माध्यम से राज्य के हितों को प्रभावित करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खान एवं खनिज संशोधन विधेयक झारखंडवासियों के हित में नहीं है और इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष नवल किशोर हेंब्रम सहित झामुमो प्रखंड कमेटी के पदाधिकारी, युवा कमेटी, महिला मोर्चा और किसान मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

रील्स से ज्यादा कीमती है जिंदगी: रेलवे ट्रैक पर स्टंट और अतिक्रमण के खिलाफ पूर्व रेलवे की बड़ी कार्रवाई

पूर्व रेलवे ने 3 महीने में 853 लोगों को भेजा जेल

बिहान भारत

कोलकाता: सोशल मीडिया पर चंद लाइक्स और रील्स बनाने के चक्कर में लोग अक्सर अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। इस खतरनाक प्रवृत्ति और रेलवे पटरियों को अनधिकृत रूप से पार करने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए, पूर्व रेलवे ने कड़ा रुख अपनाया है। महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय के नेतृत्व में पूर्व रेलवे लगातार जन-जागरूकता अभियान चलाकर यह संदेश दे रहा है कि रेलवे ट्रैक केवल ट्रेनों के परिचालन के लिए हैं, न कि पैदल चलने, शॉर्टकट मारने या वीडियोग्राफी करने के लिए। सुरक्षित आवागमन के लिए फुट ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज जैसी सुविधाओं के मौजूद होने के बावजूद लोग शॉर्टकट अपनाकर हादसों को दावत दे रहे हैं, जिस पर अंकुश लगाने के लिए रेलवे ने अब सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री अमिया नंदन सिन्हा के स्पष्ट निर्देशों के बाद, रेलवे सुरक्षा बलों ने 1 मई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक सभी मंडलों में रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत सघन प्रवर्तन अभियान चलाया। इन तीन महीनों के दौरान पूर्व रेलवे के चार मंडलों में कुल 828 अभियोजन मामले दर्ज किए गए और 853 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, 6,608 मामलों में कार्रवाई करते हुए अदालत के माध्यम से 3,18,220 रुपये का जुमार्ना तथा 33,12,900 रुपये की पेनाल्टी वसूली गई।

विभिन्न मंडलों में की गई इस कार्रवाई के आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि रेलवे इस मुद्दे पर पूरी तरह से सतर्क और मुस्तैद है। आसनसोल मंडल में 152 अभियोजन मामले दर्ज कर 156 लोगों को गिरफ्तार किया गया और भारी जुमार्ना वसूला गया। वहीं, हावड़ा मंडल में 97 लोगों की गिरफ्तारी के साथ सबसे अधिक 3,468 जुमार्ना मामले दर्ज हुए, जिनसे लाखों रुपये की पेनाल्टी प्राप्त हुई। मालदा टाउन और सियालदह मंडल में भी रेलवे ने सख्ती दिखाते हुए क्रमशः 300-300 लोगों को गिरफ्तार किया और जुमार्ने के रूप में बड़ी राशि वसूल की। पूर्व रेलवे के अधिकारियों का स्पष्ट मानना है कि यह प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेगा, लेकिन केवल कानूनी कार्रवाई से समस्या का पूर्ण समाधान नहीं हो सकता; इसके लिए आम जनता में आत्म-जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार का होना सबसे अहम है। इस पूरे अभियान के संदर्भ में पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने आम जनता से भावुक और सख्त अपील करते हुए कहा कि कोई भी सोशल मीडिया वीडियो या शॉर्टकट आपकी जान जोखिम में डालने के लायक नहीं है। उन्होंने यात्रियों से अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और केवल निर्धारित पुलों व सुरक्षित क्रॉसिंग का ही उपयोग करने का विशेष आग्रह किया है।

मुरादाबाद स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान में 1.50 लाख का राजस्व अर्जित

मुरादाबाद। बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों को पकड़ने के लिए बुधवार को चेकिंग अभियान चलाया गया है। इस दौरान कुल 27 रेलगाड़ियों में जांच की गई, जिसमें 237 मामलों में 1,50,735 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

अभियान के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव की उपस्थिति में सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक हरि सिंह मीना, मुख्य टिकट निरीक्षक भावेश शर्मा, 24 टिकट चेकिंग स्टाफ एवं 09 रेलवे सुरक्षा बल स्टॉफ ने संयुक्त रूप से सघन टिकट जांच अभियान चलाया। इस दौरान बिना टिकट यात्रा के 122 मामले पकड़े गए, जिनसे 81,060 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। अनियमित यात्रा के 93 मामलों में 63,175 रुपये तथा गंदगी फैलाने के 22 मामलों में 6,500 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातु,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com